शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पुलिस, सुरक्षाकर्मियों की छुट्टियां कम की गईं: गृह मंत्री परमेश्वर @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 13 मई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-131

पाकिस्तान का परमाणु ठिकाना ध्वस्त किया तो अक्ल आई ठिकाने

नूर खां और किराना हिल्स का गुप्त परमाणु अड्डा बना निशाना!

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। भारत के मिसाइल हमलों में पाकिस्तान नूर खां स्थित परमाणु हथियार के अड्डे को भारी नुकसान पहुंचा। इस हमले के कारण क्षेत्र में फैली रेडियोधर्मिता का आकलन करने के लिए अमेरिका से रेडियो एक्टिविटी चेक करने वाला खास विमान भेजा गया। इसी के साथ मिस्र (इजिप्ट) का विमान रेडियोधर्मिता का असर कम करने वाले रसायन लेकर पाकिस्तान पहुंचा। इसके बाद ही युद्ध विराम करने का दबाव बना और दोनों देशों को युद्ध विराम पर राजी होना पड़ा। यह खबर आग की तरह फैली हुई है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि के लिए न पाकिस्तान आगे आया है और न भारत। इसे लेकर अमेरिका और इजिप्ट भी चुप्पी साधे हुए हैं। चीन भी चुप है, जबकि मिस्र का विमान चीन होते हुए पाकिस्तान पहुंचा है। अब सवाल यह भी उठ रहा है कि पाकिस्तान में आया भूकंप क्या परमाणु अड्डे से लीक हुई रेडियोधर्मिता के कारण आया?

बहरहाल, पाकिस्तान का किराना हिल्स इलाका पूरी तरह से पाकिस्तान सेना द्वारा सील कर दिया गया है। इस इलाके में पाकिस्तान ने अपने परमाणु हथियार छुपा रखे हैं। विश्लेषकों ने कई फुटेज और लोकेशन का विश्लेषण करके दावा किया है कि इस फैसिलिटी के दरवाजों पर भारत ने हमला किया है। 7 मई 2025 को भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चला कर पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर के 9 आतंकी ठिकानों पर हमला किया। इसके जवाब में पाकिस्तान ने भी भारतीय सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की। जिसे भारत ने

अमेरिकी विमान ने जांचा रेडियोधर्मिता का रिसाव और प्रभाव

रेडियोधर्मिता रोकने वाला रसायन लेकर पहुंचा मिस्र का विमान

नाकाम कर दिया। शनिवार 10 मई 2025 की सुबह पाकिस्तान ने एक मिसाइल भारत पर दागी। इसे सिरसा में मार गिराया गया। आशंका जताई गई कि यह पाकिस्तान की फतह-2 बैलिस्टिक मिसाइल थी। इसके जवाब में भारत ने पाकिस्तान के 11 एयरबेस उड़ा दिए। इनमें एयरबेस नूर खान और मुशाफ एयरबेस शामिल भी थे।

नूर खान एयरबेस पाकिस्तान के रावलपिंडी में है और राजधानी इस्लामाबाद से मात्र 10 किलोमीटर दूर स्थित है। यह एयरबेस पाकिस्तान के सबसे महत्वपूर्ण एयरबेस में से एक है। यहां पाकिस्तान के सी-130 कार्गो, आईएल-76 रिफ्युलर समेत कई महत्वपूर्ण विमान तैनात रहते हैं। मुशाफ एयरबेस पाकिस्तान के सरगोधा में है। मुशाफ एयरबेस से भारतीय सीमा 150 किलोमीटर की दूरी पर है। इस एयरबेस पर पाकिस्तान के एफ-16, जेएफ-17 और मिराज समेत कई महत्वपूर्ण विमान तैनात रहते हैं।

खबरें हैं कि इनमें से कई विमानों को भारत ने नुकसान पहुंचाया। इसकी तस्वीरें भी सामने आई हैं। सैटेलाईट से ली गई तस्वीरों में भी भारतीय हमले का असर साफ दिखा है। मुशाफ और नूर खान जैसे सैन्य ठिकानों पर हमला दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव में एक महत्वपूर्ण मोड़ था। क्योंकि नूर खान पाकिस्तान के परमाणु हथियारों का कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम है। किराना हिल्स सरगोधा के निकट मौजूद है, जहां पाकिस्तान की परमाणु स्टोरेज फैसिलिटी है।

कई विश्लेषकों का कहना है कि भारतीय वायु सेना और सेना का हमला सिर्फ नूर खान और बाकी 10 एयरबेस पर ही नहीं हुआ, बल्कि इसी के साथ पाकिस्तान की परमाणु हथियारों की स्टोरेज फैसिलिटी किराना हिल्स पर भी हमला किया गया। किराना हिल्स सरगोधा जिले में ही स्थित है और मुशाफ एयरबेस के पास मौजूद है। विश्लेषकों ने कई फुटेज और लोकेशन का विश्लेषण करके दावा किया है कि इस फैसिलिटी के दरवाजों पर भारत ने हमला किया है। एक फुटेज भी इस संबंध में वायरल हो रही है। ▶10पर

अर्से से चुभ रही किराना हिल्स की सुरंग अंततः ध्वस्त हुई

भारत के ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचाया है। भारत के सशस्त्र बल लगातार इससे जुड़े सबूत भी पेश कर रहे हैं। भारतीय सेनाओं की तरफ से किए गए हमले कितने सटीक थे, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अपने एयरबेसेज को हुए नुकसान के बाद पाकिस्तान ने दर्जनों देशों से संपर्क किया और आखिर में अमेरिका के सामने आकर संघर्ष विराम की मांग उठा दी। चूंकि भारत का आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने का लक्ष्य पूरा हो चुका था, इसलिए संघर्ष विराम पर सहमति भी बन गई। हालांकि, भारत की कार्रवाई और पाकिस्तान के घुटनों पर आने को लेकर अब नए खुलासे हुए हैं। इनमें सबसे बड़ा खुलासा हुआ है पाकिस्तान के सरगोधा में स्थित एयरबेस को निशाना बनाने का। दावा किया जा रहा है कि इस एयरबेस पर भारत के हमले के बाद पाकिस्तान के साथ-साथ अमेरिका तक ▶10पर

पूरी दुनिया ने देखी भारतीय सेना की मारक क्षमता

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। भारतीय सैन्य अधिकारियों ने आधिकारिक पुष्टि कर दी है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एक पाकिस्तानी मिराज लड़ाकू विमान को मार गिराया गया था। भारत की सेना ने कहा कि दुश्मन को हर मोर्चे पर तबाह किया जाएगा। सेना ने यह भी खुलासा किया कि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ चीन और तुर्की से निर्मित हथियारों का इस्तेमाल किया था, जो पाकिस्तान के किसी काम नहीं आया।

भारतीय सेना द्वारा सात मई के किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद बौखलाए पाकिस्तान ने देश के कई सीमावर्ती राज्यों को निशाना बनाने की कोशिश की थी। जिसे भारतीय सेना द्वारा नाकाम कर दिया गया। पाकिस्तान की ओर से की गई नापाक हरकतों का जवाब देते हुए भारत ने उनके कई सैन्य ठिकानों और आतंकी कैंपों को तबाह कर दिया था। ▶10पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राष्ट्र के नाम बेबाक और गौरवपूर्ण संबोधन

भारत को न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज शाम राष्ट्र के नाम अपना बेबाक और गौरवपूर्ण संबोधन दिया। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर की उपलब्धियों पर लग रहे तमाम कयासों के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने भारत समेत सम्पूर्ण विश्व को बताया कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान के सारे महत्वपूर्ण आतंकी ठिकाने नष्ट कर दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने संकेतों में पाकिस्तान के सैन्य और परमाणु ठिकानों को ठिकाना लगाने की बात कही और यह स्पष्ट किया कि भारत पर न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग नहीं चलेगी। न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग की आड़ में आतंकवाद को संरक्षण देने की हरकतें भारत अब बर्दाश्त नहीं करेगा। प्रधानमंत्री ने फिर यह दोहराया कि अगर

- आतंकवाद खत्म नहीं किया तो पाकिस्तान खत्म हो जाएगा
- पीएम मोदी ने पाकिस्तान को चेताया और विश्व को बताया
- आतंकियों ने बहनों का सिंदूर उजाड़ा, हमने उन्हें उजाड़ फेंका
- टेरर एंड टॉक और टेरर एंड ट्रेड अब एक साथ नहीं चल सकते

आतंकवाद की कोई घटना घटी तो भारत उसे युद्ध समझेगा और उसी अनुरूप कार्रवाई करेगा। प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान को आगाह किया कि वह अपने देश में आतंकवाद को पालना-पोसना बंद कर दे, नहीं तो पाकिस्तान खुद ही खत्म हो जाएगा। आतंकवाद को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल पाकिस्तान को चेतावनी दी बल्कि उन देशों को भी सीख दी कि वह आतंकवाद पर अपनी सुविध-ाजनक परिभाषा न गढ़े और खुदमुख्तारी छोड़ दे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हम सभी ने बीते दिनों में देश का सामर्थ्य और उसका संयम दोनों देखा है। मैं सबसे पहले भारत की पराक्रमी सेनाओं को, सशस्त्र बलों को, हमारी खुफिया एजेंसियों को, हमारे वैज्ञानिकों को, हर भारतवासी की तरफ से सैल्यूट करता हूं। हमारे वीर सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए असीम शौर्य का प्रदर्शन किया। मैं उनकी वीरता को, उनके साहस को, उनके पराक्रम को, आज समर्पित करता हूं। हमारे देश की हर माता को, देश की हर बहन को, और देश की हर बेटी को, यह पराक्रम समर्पित करता हूं।

पीएम मोदी ने कहा, 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों ने जो बर्बरता दिखाई थी, उसने देश और दुनिया को झकझोर दिया था। छुट्टियां मना रहे निर्दोष-मासूम नागरिकों को धर्म पूछकर, उनके परिवार के सामने, उनके बच्चों के सामने, बेरहमी से मार डालना, यह आतंक का अत्यंत वीभत्स चेहरा था, क्रूरता थी। यह देश के सद्भाव को तोड़ने की घिनौनी कोशिश थी। ▶10पर

मोदी के भाषण से पाकिस्तान को लगी मिर्ची, फिर की टुच्ची हरकत

जम्मू, 12 मई (ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोदी के भाषण से पाकिस्तान को मिर्ची लग गई। पाकिस्तान ने फिर टुच्ची हरकतें शुरू कर दीं। पाकिस्तानी सेना ने जम्मू कश्मीर सीमा पर फिर गोलीबारी की और ड्रोन से हमला करने की कोशिश की, जिसे भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया। पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर में सीजफायर का उल्लंघन करते हुए जम्मू कश्मीर के उधमपुर एयरफोर्स स्टेशन, सांबा, कठुआ और अखनूर सेक्टर में ड्रोन से हमला करने की कोशिश की। अखनूर, परगवाल, रामगढ़ और आरएस पुरा में भी उस पार से गोलियां चलने की खबरें आ रही हैं। अखनूर, सांबा तथा कठुआ के कुछ इलाकों में पाकिस्तानी ड्रोनों का हमला उस समय शुरू हो गया जब भारतीय प्रधानमंत्री ने ▶10पर

ब्रह्मोस ने तोड़ डाली पाकिस्तान की कमर

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। भारत की ब्रह्मोस मिसाइल ने नूर खान (चकलाला) में एयरबेस सहित पाकिस्तान के कई प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठानों और एयरबेसों को बखूबी निशाना बनाया। भारत ने ब्रह्मोस मिसाइल का इस्तेमाल तब किया, जब पाकिस्तान ने अपनी फतह-11 बैलिस्टिक मिसाइलों से नई दिल्ली को निशाना बनाने की कोशिश की। हालांकि, फतह को हरियाणा के सिरसा के पास नाकाम कर दिया गया था। ब्रह्मोस की कारगर क्षमता को देखते हुए अब इन मिसाइलों का उत्पादन और तेज कर दिया गया है।

उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर में लखनऊ स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी इकाई का रविवार को उद्घाटन किया गया। अब जल्दी ही लखनऊ से भी ब्रह्मोस मिसाइलों का उत्पादन शुरू हो जाएगा। क्रूज मिसाइल का सामरिक उपयोग पाकिस्तान की परमाणु ताकत ▶10पर

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच बंद 32 एयरपोर्ट फिर से खोले गए

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। भारत-पाक तनाव के बीच बंद किए गए 32 हवाई अड्डों को फिर से खोल दिया गया है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, सभी 32 एयरपोर्ट को नागरिक उड़ानों के तत्काल प्रभाव से शुरू कर दिया गया है।

भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य तनाव के चलते बंद किए गए देश के 32 हवाई अड्डों को एक बार फिर से नागरिक उड़ानों के लिए खोल दिया गया है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। प्राधिकरण ने इन हवाई अड्डों पर तत्काल प्रभाव से उड़ान संचालन बहाल करने को लेकर औपचारिक घोषणा की है। ▶10पर

ड्रग्स तस्करी से लेकर सारे जरायम धंधे में शामिल है पाकिस्तान

आधिकारिक खुलासे के बावजूद आईएमएफ ने दिए 8479 करोड़

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान आतंकवाद और नशीले पदार्थों की तस्करी समेत सभी जरायम धंधों में लिप्त है। इसकी आधिकारिक जानकारी होते हुए भी अंतरराष्ट्री मुद्रा कोष (आईएमएफ) और अमेरिका ने पाकिस्तान को वित्तीय सहायता प्रदान की। भारत ने ऋण पर एतराज जताते हुए पाकिस्तान के खराब ट्रैक रिकॉर्ड का हवाला भी दिया लेकिन पाकिस्तान इसे पाने में कामयाब रहा। आईएमएफ ने भारत के विरोध की अनदेखी करते हुए पाकिस्तान को 1 बिलियन डॉलर यानी 8479 करोड़ रुपए से ज्यादा लोन दिया है। भारत ने लोन पर एतराज जताते हुए पाकिस्तान के खराब ट्रैक रिकॉर्ड का हवाला दिया और कहा कि पाकिस्तान ने पहले भी जो आर्थिक सहायता प्राप्त की है, उसका उपयोग सही तरीके से नहीं किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसके बाद घोषणा की कि अमेरिका पाकिस्तान के साथ अपने

आतंकवाद की दोगली सुविधाजनक परिभाषा का खतरनाक नतीजा

व्यापारिक संबंधों को बढ़ाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बयान भारत और पाकिस्तान के युद्ध विराम पर सहमत होने के लिए बधाई संदेश के साथ आया, जिसमें उन्होंने कहा कि अमेरिका दोनों देशों के साथ व्यापार बढ़ाएगा। यह उल्लेखनीय है कि ट्रंप पहले पाकिस्तान पर 9/11 हमले के मास्टरमाइंड ओसामा बिन लादेन को छह साल तक शरण देने और अमेरिका को उसकी जानकारी न देने का आरोप लगा चुके हैं। इसके बावजूद पाकिस्तान को अमेरिका से बीते 15 वर्षों में लगभग 33 बिलियन डॉलर की आर्थिक सहायता मिलती रही है। पाकिस्तान आतंकवादी संगठनों को समर्थन देता है, और आशंका है कि उसे मिलने वाली आर्थिक मदद का एक हिस्सा भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए करेगा। विडंबना यह है कि अमेरिकी न्याय विभाग ने पाकिस्तान से जुड़ी कंपनियों के एक नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है, जिस पर खतरनाक सिंथेटिक ओपिओइड की शिपिंग और वैश्विक ऑनलाइन धोखाधड़ी करने का गंभीर आरोप है। यह खुलासा डलास स्थित ईवर्ल्डट्रेड नामक कंपनी से संबंधित है। ▶10पर

देश की सुरक्षा के लिए 10 उपग्रह लगातार कर रहे निगरानी : इसरो

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख वी नारायणन ने बताया है कि इसरो के 10 सैटेलाइट्स (उपग्रह) देश की सुरक्षा के लिए लगातार रणनीतिक उद्देश्य से निगरानी कर रहे हैं। इसरो प्रमुख ने कहा कि कम से कम 10 सैटेलाइट्स लगातार 24 घंटे रणनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति और देशवासियों की सुरक्षा के लिए काम कर रही हैं। वी. नारायणन ने कहा, आप सभी हमारे पड़ोसियों के बारे में जानते हैं। ऐसे में हमें देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सैटेलाइट्स की मदद लेनी पड़ती है। हम 7000 किलोमीटर का इलाका कवर कर रहे हैं। साथ ही पूरे उत्तर पूर्व पर भी लगातार निगरानी की जा रही है और बिना सैटेलाइट्स और ड्रोन की मदद के हम ▶10पर

शुभ लाभ DAILY

रेदासानी बॉक्स क्रिकेट कप के विजेता रहे दिनेश एसोसिएट वॉरियर्स

श्री ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा क्रिकेट प्रतियोगिता सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री ब्यावर संघ युवा शाखा बेंगलूरु द्वारा बीएसपीएल तीसरे सीजन का रेदासनी बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता सम्पन्न हुआ, जिसमें दिनेश एसोसिएट वॉरियर्स ने उपविजेता मणिधारी स्टोन्स पर बहुत ही रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की।

युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि 12 टीमों के एक सौ बीस खिलाड़ियों के बीच रविवार को बहुत ही रोमांचक मुकाबला हुआ। खेल की शुरुआत में नितेश बोहरा, सुशील बाफना और मनन बोहरा ने मंगलाचरण किया। रेदासनी कप के मुख्य प्रायोजक चेतन रेदासनी के साथ ब्यावर संघ के चेयरमैन अरविन्द खिंवेसरा, अध्यक्ष पदमचंद बोहरा, उपाध्यक्ष महैन्द्र भन्साली, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया, उपाध्यक्ष विकास खटोड़, महामंत्री कुलदीप छाजेड़, कोषाध्यक्ष नमित कोठारी, सहमंत्री नरेश बोहरा, सह कोषाध्यक्ष भरत कोठारी, महिला विंग के संयोजक चन्द्रकला डाकलिया, कंचन छाजेड़, मोनिका कुमट, सीमा बोहरा आदि ने दीप प्रज्वलन कर खेलों की शुरुआत की। महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने बताया कि भारतीय सीमा पर जोश और जज्बे के साथ सीमाओं की रक्षा करते हुए शहीद हुए अमर जवानों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा गया।

खेल समिति के यश रांका, अंजन मेहता, रोशन लोढ़ा ने बताया कि प्रथम सेमी फाइनल में दिनेश एसोसिएट वॉरियर्स ने मां क्रियेशन को हराकर और दूसरे सेमीफाइनल में मणिधारी स्टोन्स ने कोठारी एनजीसी चैलेंजर्स को हराकर फाइनल में जगह बनाई। इस प्रतियोगिता के मुख्य कप प्रायोजक संतोष देवी, चेतन कुमार रश्मि रेदासानी थे और भोजन प्रायोजक भंवरलाल, जयप्रकाश मकाना थे। सभी खिलाड़ियों के लिए टी-शर्ट प्रायोजक सज्जनराज अमित कुमार शीतल कुमार कोठारी थे, जिन्होंने सभी खिलाड़ियों को टीम शर्ट प्रदान की। इसके साथ ही कैप प्रायोजक गुमानमल, पदम चंद बोहरा, किट प्रायोजक इंद्रादेवी, सुरेंद्र कुमार गोलेच्छा, टॉस का बॉस सुनील कुमार शुभम् कुमार छाजेड़, एनर्जी ड्रिंक प्रायोजक नोरत मल, धीरज नाहर और बुल्स आई प्रायोजक राकेश रिंकू बाफना थे। इस टूर्नामेंट में कुल टीमें 12 टीमें, जिसमें पंजाबी तड़का, रांका,'स बॉलर ऑन स्ट्राइक, कुमट वारियर्स, तनिष्का'स तूफ़ान, मणिधारी स्टोन्स, कोठारी'स एलजीसी चैलेंजर्स, एक्यूरेट चैलेंजर्स, माँ क्रिएशन्स, दिनेश एसोसिएट्स वॉरियर्स, तातेड़-11, अपोलो-11, मयूर कम्प्यूटर मार्वल्स के बीच नंबर वन बनने की होड़ मची। तकनीकी समिति के महावीर गुगलिया, कुनाल मरलेचा, मयंक मेहता ने सभी खिलाड़ियों के रनों का हिसाब किताब रखा। अल्केश हिंगड़, मनीष बाफना, लकी बोहरा ने भोजन समिति का कार्यभार संभाला। कार्यक्रम का संचालन श्वेता बोहरा और निष्ठा बोहरा ने किया।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर ब्यावर संघ युवा शाखा के कार्यकारिणी सदस्य अमित कोठारी, अरिहंत छाजेड़, मनीष मेडतवाल, प्रवीन कक्कड़, आशीष भन्साली, चेतन रेदासनी, दिलीप हिंगड़, दिनेश खींचा, जितेन्द्र खिंवेसरा, प्रतीक गादिया, सुशील बाफना, वर्धमान श्रीश्रीमाल, विनोद बाफना, हेमन्त गुलेच्छा, रोहित बोहरा आदि उपस्थित थे और इस कार्यक्रम में सभी का सहयोग रहा। सभी प्रायोजकों का शाल माला और स्मृति चिन्ह से अभिनन्दन किया और खिलाड़ियों को स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। खिलाड़ियों को मैन ऑफ द मैच, मैन ऑफ द सीरीज, बेस्ट बॉलर, बेस्ट बेट्समैन का खिताब भी दिया गया।

संसार का हर व्यक्ति दृष्टि से जीते हुए भी सृष्टि को दोष दे रहा: साध्वी दिव्ययशा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में विराजित साध्वी कंचनकंवर के सानिध्य में साध्वी दिव्ययशा श्री ने कहा कि संसार का हर व्यक्ति दृष्टि से जीते हुए भी सृष्टि को दोष दे रहा है। अगर हमें सृष्टि को बनाना है, तो हमारी दृष्टि को बदलना होगा। इस संसार में सभी को दृष्टि मिली हैं तिर्यंच को भी और मनुष्य को भी, लेकिन सबकी दृष्टि एक जैसी नहीं होती है। दृष्टी अच्छी होगी तो हमारा जीवन अच्छा होगा और दृष्टी बुरी होगी तो हमारा जीवन भी बुरा होगा। सम्यक दृष्टि से ही हमारी आत्मा का कल्याण संभव है। ज्ञानियों ने तीन प्रकार की दृष्टी बताई है। स्थूल दृष्टि, जो केवल भौतिक वस्तुओं को देखती है। यानि जो शरीर को देखती है आत्मा को नहीं। सूक्ष्म दृष्टि, जो घटनाओं और कर्मों के कारणों को देखती यानि जो शरीर और आत्मा दोनों को देखती है। सूक्ष्मतर दृष्टि, जो आत्मा और परम सत्य को देखने की क्षमता रखती है। यानि जो सिर्फ आत्मा को देखती है। उन्होंने कहा कि हंस और बगुले दोनों का रंग समान है लेकिन दोनों की दृष्टि में काफी अंतर है। हमारी दृष्टि हंस की तरह होनी चाहिए। हंस दूध और पानी में से केवल दूध को ग्रहण करता है। यानि अच्छाईयों को लेकर बुराईयों का त्याग करता है। जैसे हंस और बगुला रंग में समान होते हुए भी भिन्न दृष्टि रखते हैं, वैसे ही मनुष्य भी एक जैसी आँखें रखते हुए भिन्न सोच रखता है। जैसी हमारी दृष्टि होगी, वैसी ही हमारी सोच होगी, हमारा नजरिया होगा और हमारी सृष्टि होगी। सम्यक दृष्टि के बिना हमे समकित नहीं मिलता है। लेकिन व्यक्ति सम्यक दृष्टि की जगह मिथ्यात्व दृष्टि में जी रहा है। अगर हमारे जीवन को सार्थक करना है, तो मिथ्यात्व दृष्टि का त्याग कर सम्यक दृष्टि की ओर हमें बढ़ना होगा। इस अवसर पर पारसमल लोढ़ा, मिश्रीमल कटारिया, ज्ञानचंद लोढ़ा, प्यारेलाल टपरावत, जयवंतराज मुणोत, शांतिलाल चाणोदिया, उगमराज लूणावत, गौतमचंद गन्ना, बाबुलाल गांधी, मदनलाल गुरलिया, महिला मंडल से रेखा पोखरना, ममता बागरेचा, सायरबाई लोढ़ा, सरला दुगड़, मंजूनाथनगर सकल जैन संघ अध्यक्ष उत्तमचंद आछा आदि उपस्थित रहे। आभार ज्ञापित कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

महापुरुषों से भी मां का दर्जा अनंत गुना ऊंचा

दोड्डबल्लापुर/शुभ लाभ ब्यूरो। दोड्डबल्लापुर जैन स्थानक भवन में विराजित राष्ट्र संत कमल मुनि जी कमलेश ने मदर्स डे पर संबोधित करते कहा कि मां संपूर्ण सृष्टि की जननी है, मां नहीं होती तो संत और महा-पुरुष कहां से आते। इसीलिए महापुरुषों से भी मां का दर्जा अनंत गुना ऊंचा है। उन्होंने कहा कि जिनके व्यवहार से दुखी होकर मां की आंखों से दर्द के आंसू निकलते हैं तो उसके द्वारा किया गया तीर्थ त्याग तपस्या सेवा और दान सभी व्यर्थ चले जाते हैं। मुनि कमलेश ने कहा कि आध्यात्मिक देश के लिए वृद्धाश्रम एक कलंक और शर्मनाक घटना है। जो वहां पर भेजते हैं उन्हें इंसान कहलाने का अधिकार भी नहीं है। राष्ट्रसंत ने कहा कि मां के चरणों में जन्नत है उससे बड़ी धरती माता है, जिस पर हमें मां ने जन्म दिया। जन्म देने वाली मां तो कुछ समय दूध पिलाती है परंतु गाय माता जीवन पर्यंत पिलाती है। जिनवाणी माता आत्मा के कर्मों का प्रक्षालन करके पवित्र बनाती है। इन सब के लिए वफादार बनना मानवता के लक्षण है। अखिल भारतीय स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस शाखा कर्नाटक विहार सेवा ग्रुप बेंगलूरु के रमेश खाबिया, प्रकाश बोहरा, विकास कोठारी, दोड्डबल्लापुर से प्रकाश बोहरा, सुजीत मखाना, अशोक कोठारी, नेमीचंद मुथा ने बिहार सेवा का लाभ लिया।

एक शाम ज्योतिचरण के नाम भव्य आध्यात्मिक की भक्ति संध्या का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के 52वें दीक्षा दिवस युवा दिवस के पावन अवसर पर अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के निर्देशन में तेयुप विजयनगर द्वारा तेरापंथ भवन विजयनगर में महाश्रमण अभिवंदना एक शाम ज्योतिचरण के नाम भव्य आध्यात्मिक की भक्ति संध्या का आयोजन किया गया।

सायं 7:30 बजे से प्रारंभ इस पावन आयोजन में श्रद्धा, भक्ति एवं संगीत का अनुपम संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. मुनि पुलकित कुमार जी द्वारा अर्हत वंदना से हुई। सहवर्ती नचिकेता मुनि आदित्य कुमारजी द्वारा गुरुदेव को समर्पित गीत का संगान किया गया। इसके पश्चात कुमारी जानवी कवाड़िया ने मंगलाचरण के रूप में महाश्रमण अष्टक्रम का संगान किया। तेयुप विजयनगर अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत करते हुए युवा दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला। दीक्षा दिवस के संदर्भ में अपने भावपूर्ण विचार प्रकट करते हुए आचार्य के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। तेरापंथी सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने शुभकामनाएं संप्रेषित की।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण गायक ऋषभ आचलिया (तिरुपुर) द्वारा संगीतमय भक्ति-वंदना की प्रस्तुति दी गई। उनके मधुर भजनों ने उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं को आत्मविभोर कर दिया और गुरु भक्ति की अनोखी अनुभूति कराई। साथ में अपनी विशिष्ट गायन शैली के लिए प्रख्यात मनीष पगारिया ने भी अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं में भक्ति की अनोखी अलख जगाई। कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक शांतिलाल, प्रकाश, प्रदीप, लोकेशजी बाबेल (विजयनगर) परिवार का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन अभिषेक कवाड़िया द्वारा पूर्ण निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ किया गया। इस अवसर पर आभातेयुप से दिनेश मरोठी, गौतम खाबिया, राकेश पोखरणा, राजराजेश्वरी नगर सभा अध्यक्ष राकेश छाजेड़, तेयुप हनुमंत नगर अध्यक्ष कमलेश झाबक, तेयुप विजयनगर के पूर्व अध्यक्ष, प्रबंध मंडल, परिषद साथी, किशोर मंडल साथी, महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया, टीपीएफ अध्यक्ष ललित बैगानी सहित विजयनगर परिषद् परिवार एवं सैंकड़ों श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। तेयुप विजयनगर द्वारा मुख्य प्रायोजकों एवं मुख्य संगायिक का सम्मान कर आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के अंत में तेयुप विजयनगर मंत्री संजय भटेवरा ने सभी का आभार प्रकट करते हुए इस अलौकिक संध्या को सफल बनाने वाले सभी सहयोगियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गच्छाधिपति युगभूषणसूरीश्वरजी के मार्गदर्शन में सैकड़ों विद्वानों के 30 वर्षों से चल रहे अथक प्रयासों से निर्मित आर्ययुग विषय कोश खण्ड 2 एवं 3 का विमोचन समारोह वी.वी. पुरम स्थित संभवनाथ जैन मंदिर के प्रांगण में आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी के सान्निध्य में आयोजित किया गया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद बेंगलूरु शाखा के सदस्यों ने सोमवार को बसवनगुड़ी में चातुर्मास हेतु पहुंच रही गच्छगणिनी श्री सूर्यप्रभा श्री जी की सुशिष्या श्री हर्षपूर्णा श्री जी के हिरियूर में दर्शन वंदन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर श्री जिनकुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालाणी, अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद के अध्यक्ष पंकज बाफना, विहार संयोजक नीलेश मेहता, गौतम कोठारी, गिरीश राखेचा उपस्थित रहे। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालाणी ने हिरियूर श्री संघ का धन्यवाद सहित आभार प्रकट किया। कैलाश संखलेचा ने बताया गुरुवर्या से आगे के विहार एवं वैय्यावच्च पर विचार विमर्श कर आगे का कार्यक्रम तय किया गया।

नूतन शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय का शिलान्यास हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ ट्रस्ट मंडल के तत्वावधान में सोलस 2 भवन में श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ परमात्मा, श्री गौतम स्वामी जी, श्री नाकोड़ा भैरव देव जिनालय का शिलान्यास हर्षोल्लास से संपन्न हुआ। इस अवसर पर आचार्य भगवन्त अरिहंत सागर जी ने निश्रा प्रदान की और मंगल मुहूर्त समय में शिला का विधि विधान करवाते हुए अपने प्रवचन में फरमाया कि जब बहुत पुण्यबल एकत्रित होता है तभी हमारे द्वारा पुण्यानुबंधी पुण्य से प्राप्त लक्ष्मी का सदुपयोग जिनालय निर्माण में होता है। जिस प्रकार कछुआ अपने ऊपर विध्न आने पर अपने पूरे शरीर को संकुचित कर अपने ही कवच में कवर कर लेता है, ठीक उसी प्रकार जिनालय की नींव में बहुमूल्य धातुओं से बनी कछुए की प्रतिकृति मुख्य शिला पर रखने से जिनालय निर्माण में आने वाले विध्न अपने आप टाल जाते हैं।

ट्रस्ट के कार्यकारिणी सदस्य कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि छह माह के समय में मंदिर का काम पूरा करने की योजना है। ट्रस्ट के कार्यकारिणी सदस्य किशोर जैन ने बताया कि यह मन्दिर शंखेश्वर की तर्ज पर बिना लाइट वाला होगा। ट्रस्ट के कार्यकारिणी सदस्य महावीर मेहता ने पधारे हुए समस्त गणमान्यों का स्वागत एवं धन्यवाद प्रस्तुत किया। ट्रस्ट के कार्यकारिणी सदस्य अशोक नागोरी ने बताया कि गोडवाड जैन भवन और जेएटीएफ गर्ल्स हॉस्टल और जैन कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा जिनपूजा, दर्शन में ज्यादा से ज्यादा उपयोग होगा। ट्रस्ट के कार्यकारिणी सदस्य राजू सुजानी ने कहा कि कोई पूर्व भव का पुण्य होने से ही मंदिर बनाने में लक्ष्मी का सदुपयोग होता है। स्नात्र पूजा, दशदिकपाल पूजन, नवग्रह, अष्टमंगल पूजन और शिलान्यास का विधि विधान रोहित गरुजी ने करवाया। चेतन भाई सोमपुरा द्वारा शिल्पकला युक्त मन्दिर का निर्माण किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान अन्नदान प्रसादी का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में शहर के अनेक गणमान्य व्यक्तियों में चिकपेट संघ के अध्यक्ष गौतम सोलंकी, तेजराज मालानी, शांतिलाल नागोरी, तेजराज गुलेच्छा, बाबूलाल मेहता, विमल गांग, महावीर जैन, भरत रांका, उत्तम गुलेच्छा, मनोहर भंडारी, कुमारपाल सिसोदिया के साथ अनेक सदस्य उपस्थित थे। उपरोक्त जानकारी संघ के प्रवक्ता ललित डाकलिया ने दी।

सात दिवसीय कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला का आगाज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग की सप्त दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ तेरापंथ भवन, राजाजीनगर में साध्वी सोमयशा जी के सान्निध्य में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र के मंगल मंत्रोच्चार से हुई। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने ट्रेनर पलक दक एवं सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए शुभकामनाएं संप्रेषित की। राष्ट्रीय सीपीएस सलाहकार सतिश पोरवाड़, सीपीएस राष्टीय प्रभारी दिनेश मरोठी ने अपने विचार व्यक्त किए एवं किशोर मण्डल से आर्यन गोलेच्छा ने सीपीएस ट्रेनर पलक जैन का परिचय दिया। पलक जैन ने एक दूसरे का परिचय सत्र के माध्यम से कार्यशाला प्रारंभ करते हुए वक्तव्य कला की आवश्यकता बताते हुए एक अच्छे वक्ता के लिए उसके परिधान के महत्व, खड़े रहने का तरीका, बात करने की कला और लोगों को अपने वक्तव्य के प्रति आकर्षित करने के बारे में विस्तार से समझाया। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने बहुत ही उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर तेयुप से संजय मांडोत, सुनील मेहता, अजिंक्या चौधरी, ललित मुणोत, जितेंद्र कोठारी, सीपीएस ट्रेनर लता नवलखा, सीपीएस प्रोविजनल ट्रेनर वनिता बोल्या, प्रिया दक की उपस्थिति रही। मंच संचालन तेयुप मंत्री जयंतीलाल गांधी ने किया।

सैफायर ने इलेवन स्टार को हरा कर युगादि कप 2025 का फाइनल जीता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कोरमंगला के सैंट जॉन्स ग्राउंड में रविवार को आयोजित फाइनल मैच में टीम सैफायर के कैप्टन सुंदीप ने टॉस जीता और पहले बैटिंग की। टीम सैफायर ने 18 ओवरों में 135 रन बनाए और वहीं इसके जवाब में टीम इलेवन स्टार 9 विकेट पर 133 रन बना पाई। फाइनल मैच में मात्र 2 रन से बहुत रोमांचक जीत सैफायर ने हासिल कर बेंगलूरु जैन टेनिस बॉल क्रिकेट ट्रस्ट का युगादि कप 2025 जीता। सभी विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी दिए गए। जीतने वाली ट्रॉफी सैफायर टीम के कप्तान संदीप कोठारी को भेंट की। मैन ऑफ द फाइनल, बेस्ट बैट्समैन और मन ऑफ द सीरीज सुन्दीप कोठारी रहे, जिन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 166 रन बनाये और 12 विकेट्स लिए। ट्रस्ट के श्रेयांस कोठारी ने बताया कि इस टूर्नामेंट के बीजेटीसीटी कमेटी के सदस्य कमल पोरवाल, महेंद्र कोठारी, गिरीश गांधी, ज्ञान मांडोत, मोहित मुणोत, कीर्ति भंसाली, प्रमोद पोरवाल, दीपक बलिया, सुन्दीप कोठारी का सहयोग रहा।

ग्रेटर बेंगलूरु कुछ ही दिनों में अस्तित्व में आ जाएगा: डीके शिवकुमार

स्वच्छ बेंगलूरु का निर्माण किया जाएगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि ग्रेटर बेंगलूरु कुछ ही दिनों में अस्तित्व में आ जाएगा। तब स्वच्छता अभियान के माध्यम से शहर में कचरे का निपटान किया जाएगा और स्वच्छ बेंगलूरु का निर्माण किया जाएगा। इसके माध्यम से बेंगलूरु को एक नया रूप दिया जाएगा।

यहां पुलकेशिनगर विधानसभा क्षेत्र में बेंगलूरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड द्वारा 4 एमएलडी क्षमता वाले जलाशय के शिलान्यास समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा आज जिस परियोजना का शिलान्यास किया गया है, उससे करीब 30 हजार घरों और 2.50 लाख लोगों को पानी मिलेगा। इस क्षेत्र में सड़कों पर 130 करोड़, फ्लाईओवर पर 43 करोड़, अन्य वार्ड विकास पर 320 करोड़, 650 करोड़ की लागत से एक नया फ्लाईओवर, आपकी संपत्ति के दस्तावेजों को डिजिटल करके आपके दरवाजे तक मुफ्त में भेजा जाएगा। यह काम जल्द ही बड़े पैमाने पर किया जाएगा। क्षेत्र में घर बनाने के लिए योजना की अनुमति लेने के लिए कार्यालय जाने से बचने के लिए ट्रस्ट मैप परियोजना को लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा ग्रेटर बेंगलूरु के माध्यम से बेंगलूरु को नया रूप दिया जा रहा है। इसे दो से तीन दिनों में लॉन्च किया जाएगा। इसके तुरंत बाद बेंगलूरु में स्वच्छता अभियान शुरू किया जाएगा। अगर जनता निगम की हेल्पलाइन पर कॉल करके बताए कि बेंगलूरु में कहां-कहां कूड़ा है, तो निगम उसे साफ करेगा। इस तरह से स्वच्छ बेंगलूरु बनाया जाएगा। उन्होंने कहा हम वादे के मुताबिक योजनाएं दे रहे हैं। अगर कोई सरकार है जिसने अपने वादे ठीक से पूरे किए हैं, तो वह कांग्रेस सरकार है। हमने यह गारंटी योजना इसलिए दी है क्योंकि भाजपा सरकार के तहत आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं और आय घट रही है। हमने यह योजना इसलिए दी है ताकि मूल्य वृद्धि के बीच आपका जीवन सुचारू रूप से चल सके। विधायक श्रीनिवास कहा करते थे, इस क्षेत्र में एक स्कूल और एक अस्पताल बनाओ।

उन्होंने कहा जहां भी विधायक को जमीन मिलेगी या फिर कोई पुराना स्कूल होगा, डी.के. शिवकुमार वहां नया स्कूल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। निगम अस्पताल बनाने के लिए भी जमीन की तलाश कर रहा है। उन्होंने कहा अंबेडकर ने कहा था कि समाज की प्रगति के लिए महिलाओं का आगे बढ़ना जरूरी है। सभी जातियों, धर्मों और संविधान की रक्षा होनी चाहिए और संविधान के माध्यम से सभी वर्गों को न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने कहा एकता में ताकत है। कांग्रेस सभी को एकजुट करने की कोशिश कर रही है। लेकिन भाजपा सभी को बांटने की कोशिश कर रही है। इस निर्वाचन क्षेत्र में कई गरीब लोग हैं। हमारी सरकार आपके जीवन में आपकी मदद करने के लिए यहां है।

उन्होंने कहा अभी हाल ही में कावेरी, संचारी कावेरी परियोजना के माध्यम से 650 रुपये में हर घर में टैंकर से पानी पहुंचाया गया है। टैंकर पानी माफिया को रोकने के लिए इस परियोजना को लागू किया गया है। इस परियोजना के माध्यम से हर घर में शुद्ध कावेरी जल पहुंचाया जा रहा है। मेरे सत्ता में आने के बाद कावेरी पांचवें चरण की परियोजना को लागू किया गया है। इसके बाद, बेंगलूरु को अतिरिक्त 6 टीएमसी पानी उपलब्ध कराया गया है। इसके माध्यम से, अगले 30-40 वर्षों तक बेंगलूरु को पीने का पानी दिया जा सकता है। नेलमंगला और कोलार क्षेत्रों की झीलों में उपचारित जल की आपूर्ति की जा रही है। छोटे परिवार अब कावेरी जल कनेक्शन लेने के लिए केवल 1,000 रुपये का भुगतान कर सकते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में इस क्षेत्र के लोगों ने ए.सी. श्रीनिवास का साथ दिया और हमें 136 सीटें जीतने की ताकत दी। लोकसभा चुनाव के दौरान आपने बिना किसी हिचकिचाहट के भारी मतदान करके कांग्रेस पार्टी को आशीर्वाद दिया। मैं आपका यह कर्ज चुकाने के लिए यहां आया हूं। उन्होंने कहा भगवान आशीर्वाद या श्राप नहीं देते। वह केवल अवसर देते हैं। महत्वपूर्ण यह है कि अवसर मिलने पर हम क्या करते हैं। श्रीनिवास के विधायक बनने के बाद, वह सप्ताह में कम से कम तीन बार मेरे पास आते थे और आपके निर्वाचन क्षेत्र के बारे में चर्चा करते थे। वह पीने के पानी, सीवेज और सड़क जैसे मुद्दों का जिक्र करते रहते थे। वह हमारे द्वारा दी गई पांच गारंटी योजनाओं के बारे में बात नहीं करते थे। वह केवल उन कार्यों के बारे में बात करते थे जो उनके निर्वाचन क्षेत्र में किए जाने की आवश्यकता है।

बंदूक से लैस एक घुसपैठिए को बंद करने के बाद तीन मंजिला इमारत को घेरा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु सिटी पुलिस की हथियारबंद त्वरित प्रतिक्रिया टीमों (क्यूआरटी) ने सोमवार की सुबह सुब्रमण्य नगर के मल्लेश्वरम 17वें क्रॉस ब्रिज के पास इमारत के अंदर बंदूक से लैस एक घुसपैठिए को बंद करने के बाद तीन मंजिला इमारत को घेर लिया, जिसके बाद वहां बड़ा ड्रामा हुआ। ज्यामिति ब्रूअरी और किचन के सुरक्षा गार्ड ने सुबह 4:03 बजे पुलिस हेल्पलाइन 112 पर कॉल करके बताया कि इमारत की तीसरी मंजिल पर एक घुसपैठिया है और जब वह जांच करने गया, तो उसे बंदूक दिखाई गई, जिसके बाद वह भागकर नीचे गया और पब के दरवाजे बंद कर दिए और पुलिस को फोन किया। बेंगलूरु सिटी पुलिस के डिप्टी कमिश्नर (नॉर्थ डिवीजन) सैदुलु अदावथ की देखरेख में कई घंटों के ऑपरेशन के बाद, जिसमें इमारत के हर कमरे की जाँच की गई, पुलिस को इमारत में किसी घुसपैठिए के मौजूद होने का कोई संकेत नहीं मिला। सूत्रों ने बताया कि पुलिस के पहुँचने से पहले संदिग्ध भाग चुका था। बेंगलूरु सिटी पुलिस के अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (पश्चिम) विकास कुमार ने कहा कि सुरक्षा गार्ड ने दावा किया कि उसने काले कपड़े पहने, दस्ताने पहने, मास्क पहने और पिस्तौल लहराते हुए एक व्यक्ति को इमारत की तीसरी मंजिल पर घुसपैठ करते देखा। कहा जाता है कि उसने गार्ड को सचेत करने के लिए मैनेजर के कमरे की लाइट चालू की थी। उन्होंने कहा इमारत के सीसीटीवी फुटेज में भी शुरुआत में कुछ हलचल दिख रही है, लेकिन बाद में उन्हें रिकॉर्ड नहीं किया गया। आगे की जांच में पता चला कि घुसपैठिया पिछले दरवाजे को तोड़कर परिसर में घुसा, तीसरी मंजिल पर शराब बनाने वाले कार्यालय में घुसा, कुछ सीसीटीवी कैमरों को नुकसान पहुंचाया और कैशबॉक्स से करीब 50,000 रुपये की नकदी लूट ली। घुसपैठ और चोरी की पुष्टि हो गई है। ऐसा लगता है कि घुसपैठिया पिछले दरवाजे से अंदर आया और बाहर चला गया, जिसे उसने तोड़ दिया है। जिस तरह से वह तीसरी मंजिल पर गया, जहां आमतौर पर नकदी रखी जाती है, उससे कुछ संदेह पैदा हुए हैं। साथ ही, सुरक्षा गार्ड का कहना है कि उसे एक हथियार दिखाया गया था जो पिस्तौल जैसा दिख रहा था। घुसपैठिए के पास बंदूक थी या नहीं, इसकी पुष्टि होना अभी बाकी है। सुब्रमण्य नगर पुलिस पब के मालिकों द्वारा शिकायत दर्ज कराने का इंतजार कर रही है। हालांकि, उन्होंने घुसपैठिए की पहचान के लिए इलाके में और उसके आसपास के सीसीटीवी कैमरों से फुटेज का विश्लेषण करना शुरू कर दिया है।

राज्यपाल से मुजराई संशोधन विधेयक पर तुरंत हस्ताक्षर करने का अनुरोध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल कर्नाटक पुजारी, आगमिक और उपधिवंत एसोसिएशन ने राज्यपाल से विधानसभा और विधान परिषद द्वारा पारित मुजराई संशोधन विधेयक पर तुरंत हस्ताक्षर करने और उसे लागू करने की अपील की है।

एक बार स्वीकृत हो जाने पर, यह कानून ए और बी श्रेणी के मंदिरों को अपनी अधिशेष आय को गांवों में गैर-सहायता प्राप्त सी श्रेणी के मंदिरों के साथ साझा करने की अनुमति देगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए संघ के अध्यक्ष प्रो. के.ई. ने कहा कि इस अधिनियम में संशोधन किया गया है ताकि ए और बी श्रेणी के मंदिरों की अतिरिक्त आय से ग्रामीण क्षेत्रों में सी श्रेणी के मंदिरों के विकास के लिए आनुपातिक सहायता प्रदान की जा सके। लेकिन उन्होंने कहा कि यह संशोधित कानून पिछले 10 वर्षों से राज्यपाल के हस्ताक्षर की प्रतीक्षा में लटका हुआ है। पेजावर भिक्षुओं का यह कहना उचित नहीं है कि मुजराई मंदिरों का निजीकरण किया जाना चाहिए। उन्होंने अपील की कि मुजराई मंदिरों का निजीकरण नहीं किया जाना चाहिए या किसी भी कारण से उन्हें निजी पक्षों को नहीं दिया जाना चाहिए। विधेयक का दोनों सदनों में सभी दलों द्वारा सर्वसम्मति से स्वागत किया गया तथा सरकार ने नव संशोधित कानून को राज्यपाल के पास उनकी स्वीकृति के लिए भेज दिया है। लेकिन राज्यपाल ने बिना किसी कारण के अपनी स्वीकृति दिए इस गैर-राजनीतिक कार्य को अपने पास ही रखा है। हमने यूनियन के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल लेकर राज्यपाल से इस संबंध में अपील की है। प्रोफेसर राधाकृष्ण ने मांग की कि राज्यपाल तुरंत अधिनियम पर हस्ताक्षर करें और इसके कार्यान्वयन की अनुमति दें।

सैन्य जवाबी कार्रवाई का श्रेय भारतीय सशस्त्र बलों को जाना चाहिए, किसी राजनीतिक दल को नहीं: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि पाकिस्तान को भारत की कड़ी सैन्य प्रतिक्रिया का श्रेय सशस्त्र बलों को जाना चाहिए, किसी राजनीतिक दल को नहीं।

मैसूरु के निकट एच.डी. कोटे में अपने आगमन पर हेलीपैड पर पत्रकारों से बात करते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए देश के रक्षा बलों को श्रेय दिया जाना चाहिए।

जब पत्रकारों ने उनका ध्यान पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध का श्रेय लेने के लिए भाजपा द्वारा किए जा रहे कथित प्रयासों की ओर आकर्षित किया, तो उन्होंने कहा कोई भी राजनीतिक दल इसका श्रेय नहीं ले सकता। हालांकि मुख्यमंत्री ने दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम का स्वागत किया, लेकिन उन्होंने कहा कि संघर्ष विराम पर निर्णय लेने से पहले केंद्र को एक सर्वदलीय बैठक और संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए था, क्योंकि यह एक गंभीर मामला था। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कर्नाटक में सभी पाकिस्तानी नागरिक राज्य छोड़ चुके हैं, सिवाय तीन बच्चों के, जिनकी उम्र 6 साल से कम है। तीनों के पिता पाकिस्तानी नागरिक हैं, जबकि मां भारतीय हैं। हालांकि बच्चों को पाकिस्तान भेजने के लिए सीमा पर ले जाया गया, लेकिन उन्हें लेने के लिए कोई नहीं था।

उन्होंने कहा कि वह दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) के बीच होने वाली बैठक में घटनाक्रम का इंतजार करेंगे। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में पाकिस्तान के साथ 1971 के युद्ध और दोनों देशों के बीच वर्तमान युद्ध के बीच तुलना पर, सिद्धरामैया ने कहा कि पिछले युद्ध को 54 साल से अधिक समय बीत चुका है, और परिस्थितियां अलग हैं। कांग्रेस सरकार सत्ता में दो साल पूरे होने के उपलक्ष्य में समारोह आयोजित करने की योजना बना रही है। इससे पहले, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खड़गे को सूचित किया गया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष के बढ़ने के मद्देनजर समारोह स्थगित कर दिया जाएगा। पिछली बार राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में संघर्ष विराम पर निर्णय नहीं लिया गया था।

सिद्धरामैया ने कहा युद्ध विराम के बाद, कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला और के.सी. वेणुगोपाल गांधी और खड़गे के साथ समारोहों पर चर्चा करेंगे। इसके बाद वे राज्य कांग्रेस नेतृत्व के पास वापस लौटेंगे।

मंत्रिमंडल में संभावित फेरबदल के बारे में पूछे जाने पर सिद्धरामैया ने कहा कि वे इस बारे में मीडिया को जानकारी देंगे। उन्होंने बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दीं और कर्नाटक तथा भारत में शांति के लिए प्रार्थना की।

श्रीनगर में फंसे राज्य के 13 कृषि छात्र सुरक्षित बेंगलूरु लौटे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में पढ़ रहे राज्य के 13 छात्रों को सुरक्षित वापस लाया गया है। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के निर्देश पर कार्य करते हुए अधिकारी जम्मू से राज्य के छात्रों को सुरक्षित वापस लाने में सफल रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशानुसार छात्रों को निकालने के लिए सभी उपाय किए गए हैं। मैं इस ऑपरेशन में मदद करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं। शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच बस द्वारा श्रीनगर से जम्मू पहुंचे छात्र रविवार दोपहर तक ट्रेन से दिल्ली पहुंचे और फिर

बेंगलूरु पहुंचे। केंद्रीय मंत्री ने व्यक्तिगत रूप से छात्रों के स्थानांतरण और यात्रा की सभी प्रक्रियाओं की निगरानी की और अधिकारियों और छात्रों के साथ लगातार संपर्क में रहे। इससे पहले जेडीएस युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने कहा था कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण स्थिति के बीच कश्मीर में फंसे राज्य के 13 छात्रों को सुरक्षित वापस लाया गया है। उन्होंने इस संबंध में मीडिया को एक बयान जारी किया था। राज्य के ये छात्र कश्मीर कृषि विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे थे।

पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादियों द्वारा किये गए क्रूर हमले के बाद भारत ने अपने पड़ोसी देश के खिलाफ मुंहतोड़ जवाब दिया। इस समय युद्ध की स्थिति उत्पन्न हो गयी। उन्होंने बताया कि छात्रों ने अपने लिए सुरक्षा की मांग की थी। शुक्रवार को जब मैं चन्नपट्टना में एक कार्यक्रम में अतिथि था, तो तगा-चगेरे गांव के जेडीएस नेताओं ने इस संबंध में अनुरोध किया। उनका बेटा हर्षित कश्मीर में कृषि विश्वविद्यालय में पढ़ रहा था और युद्ध के डर से उन्होंने उसे कर्नाटक लाने के लिए मुझसे मदद मांगी। इसके अलावा, यह भी जानकारी मिली कि कर्नाटक के कई अन्य छात्र भी वहां पढ़ रहे हैं। मैंने तुरंत यह मुद्दा केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के ध्यान में लाया तो उन्होंने तुरंत संबंधित अधिकारियों से इस पर चर्चा की और बच्चों की सुरक्षा के लिए अपने मंत्रालय के अधिकारियों को नियुक्त किया। निखिल ने बताया कि इसके माध्यम से कृषि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत कर्नाटक के 13 छात्रों को शीघ्रता से वापस लाने की व्यवस्था की गई। सभी छात्र एक साथ रवाना हुए और शनिवार रात नई दिल्ली पहुंच गए। वहां से उन सभी को सुरक्षित रूप से बेंगलूरु लाने की व्यवस्था की गई। कश्मीर से कर्नाटक लौट रहे छात्रों के साथ मौजूद चन्नपट्टना तालुक के छात्र हर्षित ने कहा कि उन्होंने छात्रों से वीडियो कॉल पर बात की और सभी का हालचाल पूछा। निखिल कुमारस्वामी ने केंद्र सरकार के सभी विभागों के अधिकारियों को धन्यवाद दिया जिन्होंने छात्रों को बेंगलूरु लाने में मदद की।

राज्य के विभिन्न जिलों में अगले पांच दिनों तक बारिश की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में पिछले सप्ताह कमजोर रहा प्री-मानसून अब ठीक हो गया है तथा सप्ताहांत तक बारिश का अनुमान है। दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन से पहले वायुमंडल में प्रक्रियाएं चल रही हैं, वहीं राज्य के अंदरूनी हिस्से में द्रोणिका बनने के कारण वर्षा की मात्रा में वृद्धि होगी। मौसम में कुछ बदलाव के कारण आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे तथा शाम और रात के समय कुछ स्थानों पर गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ बारिश होगी। यह स्थिति अगले पांच दिनों तक जारी रहने की उम्मीद है। मंगलवार से तटीय, मलनाड और दक्षिणी आंतरिक क्षेत्रों के कई जिलों में वर्षा बढ़ जाएगी। हालांकि, उत्तरी आंतरिक भागों में शुष्क मौसम जारी रहेगा तथा छिटपुट वर्षा होगी। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार बेंगलूरु शहर, बेंगलूरु ग्रामीण, रामनगर, चिक्कबल्लापुर, कोलार, मांड्या, मैसूरु, चामराजनगर, शिवमोग्गा, तुमकुरु, विजयनगर, चित्रदुर्ग, दावणगेरे, हासन, कोडागु, चिक्कमगलूरु, उत्तर कन्नड़, उडुपी, दक्षिण कन्नड़, धारवाड़, हावेरी, कोप्पल, बागलकोट, बेलगावी, बीदर, रायचूर और यादगीर जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। कर्नाटक प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र के अनुसार, बीदर, कलबुर्गी, विजयपुरा, बेलगावी, धारवाड़, गदग, दावणगेरे, शिवमोग्गा, तुमकुरु, चित्रदुर्ग, चिक्कबल्लापुर, कोलार, बेंगलूरु ग्रामीण, बेंगलूरु शहरी, उत्तर कन्नड़, उडुपी और दक्षिण कन्नड़ जिलों में छिटपुट बारिश हुई है। कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश हुई, जबकि अन्य स्थानों पर हल्की बारिश हुई।

मंत्री ने नंदी हिल्स पर

निजी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाने का रखा प्रस्ताव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा तो आने वाले महीनों में निजी वाहनों को नंदी हिल्स पर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी, क्योंकि महत्वाकांक्षी नंदी रोपवे परियोजना गति पकड़ रही है। जैसे ही बागवानी विभाग रोपवे परियोजना के ऊपरी टर्मिनल के निर्माण के लिए पहाड़ी की चोटी पर दो एकड़ जमीन पर्यटन विभाग को सौंपने के लिए तैयार हो रहा है, पार्किंग की जगह के बारे में चिंताएँ पैदा हो रही हैं। चिकबल्लापुर जिले के प्रभारी मंत्री एम.सी. सुधाकर ने डिप्टी कमिश्नर और पर्यटन विभाग के शीर्ष अधिकारियों के साथ नंदी हिल्स का दौरा किया और इस समस्या के समाधान के लिए क्या किया जा सकता है, इसका निरीक्षण किया।

एक बार जब दो एकड़ जमीन छीन ली जाती है, तो पार्किंग की जगह अपने मूल आकार के एक तिहाई तक कम हो जाती है जिससे समस्या पैदा होती है। इसलिए, हम प्रस्ताव करते हैं कि लोगों को पहाड़ियों पर लाने-ले जाने के लिए बस जैसी वैकल्पिक व्यवस्था एक बेहतर विकल्प होगी।

उन्होंने आगे कहा रविवार सुबह करीब 5.15 बजे, लगभग 1,100 दोपहिया वाहन और 500 से ज्यादा चार पहिया वाहन थे। कुछ लोग सुबह 2.30 से 3 बजे के बीच ही आना शुरू हो जाते हैं। सर्दियों के महीनों में आगंतुकों की संख्या और भी ज्यादा होगी। हमने देवनहल्ली से मुख्य सड़क पर तलहटी से लगभग चार किलोमीटर दूर 20 एकड़ का एक भूखंड चिन्हित किया है, जहाँ बसें चलने पर इन वाहनों को पार्क किया जा सकता है। चामराजनगर जिले के एक अन्य लोकप्रिय पर्यटन स्थल हिमावद गोपालस्वामी बेट्टा में भी यही मॉडल अपनाया जा रहा है। मुल्लाय्यानगिरी पहाड़ियों पर छुट्टियों के मौसम में निजी वाहनों की वजह से ट्रैफिक जाम लगने के बाद चिक्कमगलूरु जिला प्रशासन ने भी यही प्रस्ताव रखा है। डॉ. सुधाकर ने कहा हम जल्द ही इस पर चर्चा करने के लिए मुख्य सचिव और पर्यटन मंत्री के साथ बैठक करेंगे। सरकार अगले एक या दो महीनों में नंदी हिल्स पर कैबिनेट की बैठक करने की भी योजना बना रही है और उस समय हम इस प्रस्ताव को कैबिनेट के समक्ष रखने जा रहे हैं, क्योंकि हमें बसों और अन्य चीजों की खरीद के लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता होगी। ऑनलाइन टिकटिंग, आपातकालीन सेवाएं मंत्री ने यह भी कहा कि तीन से चार टिकट काउंटर होने के बावजूद टिकट पाने के लिए लंबी कतारें लगी रहती हैं। उन्होंने कहा योजना एक ऑनलाइन टिकटिंग प्रणाली लागू करने की है, जहां आगंतुक यह भी बता सकते हैं कि वे कौन सा वाहन लेकर आ रहे हैं, ताकि पार्किंग की व्यवस्था भी उसी के अनुसार की जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि पहाड़ियों के ऊपर स्थित रेस्तरां में प्रीमियम बॉक्स लगाने और उसका नवीनीकरण करने की योजना है, जहां जल्दी पहुंचने वाले लोग बैठकर जलपान कर सकते हैं और साथ ही निजी दृश्य भी देख सकते हैं।

डॉ. सुधाकर ने कहा मैंने यह भी देखा कि एक बार जब आप मुख्य मेहराब में प्रवेश करते हैं, तो दमकल गाड़ियों और एम्बुलेंस के लिए पर्याप्त जगह नहीं होती है। एक बार जब हम रोपवे और अन्य साहसिक गतिविधियाँ शुरू करते हैं, तो यह महत्वपूर्ण है कि हमारे पास उन्हें सुरक्षा प्रदान करने के साधन हों। हमारे पास ये सभी योजनाएँ हैं और वित्तीय व्यवहार्यता के आधार पर, हम उन्हें लागू करेंगे। राज्य वन विभाग ने रोपवे परियोजना को अपनी मंजूरी दे दी है जबकि केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय से मंजूरी का इंतजार है।

मंत्री ने रंग मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए निनासम को धन देने का दिया आश्वासन

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। कन्नड़ और संस्कृति मंत्री शिवराज तंगादगी ने कर्नाटक के हेग्गोडु में निनासम के शिवराम कारंथा रंगमंदिर और अन्य बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों के जीर्णोद्धार के लिए धन देने का वादा किया है। उन्होंने हेग्गोडु में निनासम थिएटर फेस्टिवल का उद्घाटन करने के बाद यह घोषणा की। थिएटर संस्थान चलाने वाले निनासम ने 75 साल पूरे कर लिए हैं और उसने गांव में अपने बुनियादी ढांचे के जीर्णोद्धार के लिए कर्नाटक सरकार से धन मांगा है। मंत्री ने दशकों से निनासम की उपलब्धियों की सराहना की। संस्था ने प्रतिभाशाली कलाकारों को तैयार किया है। न्यूनतम खर्च के साथ, संस्थान ने प्रभावशाली उपलब्धियां दर्ज की हैं। उन्होंने कहा राज्य सरकार सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं सुनिश्चित करूंगा कि संस्था को चालू वित्तीय वर्ष में पर्याप्त धनराशि मिले। संस्थान में गतिविधियों का संचालन करने वाले के.वी. अक्षरा ने संस्थान के इतिहास और इसकी गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार ने 1980 से मार्च 2025 के बीच इसकी गतिविधियों के लिए कुल 8.5 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। 45 वर्षों में प्रदान की गई राशि वार्षिक कन्नड़ साहित्य सम्मेलन पर खर्च की गई राशि का लगभग एक तिहाई है। उन्होंने कहा राज्य सरकार के अलावा, केंद्र सरकार ने अब तक 5 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। कुछ निजी संस्थाओं ने गतिविधियों के लिए धन का योगदान दिया है। अब तक, थिएटर संस्थान ने 650 से अधिक छात्रों को प्रशिक्षित किया है, जो सिनेमा और टेलीविजन मीडिया सहित विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रहे हैं। अक्षरा ने कहा कि शिवराम कर्णनाथ रंग मंदिर का निर्माण 1978 में 85,000 रुपये की लागत से हुआ था। उन्होंने कहा संरचना के जीर्णोद्धार का समय आ गया है। केवल छत बदलने के लिए ही 75 लाख रुपये की आवश्यकता है। हमने 2024 में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को एक ज्ञापन सौंपा, जिस वर्ष निनासम के 75 वर्ष पूरे होंगे। हम गतिविधियों को जारी रखने के लिए धन की मांग कर रहे हैं। सागर विधायक बेलूर गोपाल कृष्ण ने कहा कि निनासम के संस्थापक के.वी. सुब्बान्ना का कन्नड़ साहित्य जगत और रंगमंच में बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने एक गांव में संगठन की स्थापना की और दुनिया के विभिन्न हिस्सों से बुद्धिजीवियों और रंगमंच की हस्तियों को लाया। संस्थान को अपनी गतिविधियों को जारी रखने के लिए धन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा मैं सुनिश्चित करूंगा कि संस्थान को सरकार से पर्याप्त धन मिले।

पहलगाम आतंकी हमले में भारतीय सेना द्वारा जवाबी कार्यवाई में शाहिद भारतीय वीरों के प्रति श्रद्धांजलि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अणुव्रत समिति, बेंगलूरु के अध्यक्ष देवराज रायसोनी के नेतृत्व में कार्यसमिति की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पहलगाम पर आतंकी हमले में भारतीय सेना द्वारा जवाबी कार्यवाई में शाहिद भारतीय वीरों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अध्यक्ष देवराज रायसोनी ने कहा कि देश की सीमाओं पर हमारे जवानों ने दुश्मनों की घिनौनी हरकतों का मुँहतोड़ जवाब दिया एवं तुच्छ गतिविधियो की निंदा करते हुए भारत सरकार के तुरंत एवं जवाबी निर्णय की सराहना की।

दुश्मनों के हमले से घायल एवं शहीद भारतीय नौजवानों के प्रति श्रद्धांजली व्यक्त की। समिति के पूर्व अध्यक्ष कन्हैयालाल चिप्पड़ ने कहा जल, वायु एवं नौसेना की वीरता से भारत सुरक्षित है। भारत अहिंसा वादी देश है। लेकिन अगर उसकी छवि पर कोई उंगली भी उठाता हैं तो मुंह तोड़ जवाब देता है। समिति सदस्य एवं भारतीय जनता पार्टी की महिला विंग अध्यक्षा कविता जैन ने भारतीय सेना के जवानों की सुरक्षा हेतु संपूर्ण कार्यकारिणी टीम के साथ नमस्कार महामंत्र का उच्चारण किया। मंत्री हरकचंद ओस्तवाल ने अपरिहार्य परिस्थिति में कोई भी आपातकालीन व्यवस्था में सभी सदस्यों से सहयोग का निवेदन किया। बैठक के अंत में सर्वसम्मति से साधारण सभा एवं चुनाव की तिथि की घोषणा की गई। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष शांतिलाल पोरवाल, उपाध्यक्ष माणकचंद संचेती, शांति सकलेचा, सह मंत्री प्रवीण बोहरा, संगठन मंत्री निर्मल पोखरणा, कोषाध्यक्ष महेंद्र दक, महासभा से प्रकाश लोढ़ा सहित समिति की कार्यकारिणी टीम की उपस्थिति रही।

टर्फ क्रिकेट टूर्नामेंट का 5वां संस्करण 18 मई को

खिलाड़ियों की निलामी सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नाहर सेवा संघ कर्नाटक द्वारा प्रस्तुत नाहर ग्रुप इंडिया एनपीएल 2025 का 5वां सीजन आगामी रविवार को रश एरीना, कुकटाउन, मारुति सेवनगर में आयोजित होगा।

यह टूर्नामेंट नाहर समुदाय के युवाओं के लिए खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करने का एक प्रमुख मंच है।

यहां आयोजित आक्शन एवं उद्घाटन समारोह में टीम मालिकों द्वारा खिलाड़ियों का चयन किया गया। यह आयोजन हर्षिल नाहर की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ, जो इस वर्ष के टूर्नामेंट के मुख्य अतिथि और टाइटल प्रायोजक भी हैं। उनके साथ प्रमुख अतिथियों में अनिल नाहर (मल्टी ग्रुप), को-स्पॉन्सर, रोशनलाल नाहर (केएनआर ग्रुप), फूड स्पॉन्सर और विकास नाहर (हैप्पीलो ग्रुप) जर्सी स्पॉन्सर शामिल रहे। नाहर सेवा संघ कर्नाटक के अध्यक्ष अनिल नाहर ने सभी अतिथियों, प्रायोजकों और टीम मालिकों का हृदय से स्वागत करते हुए टूर्नामेंट की निरंतर प्रगति में उनके सहयोग के लिए आभार प्रकट किया।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष टूर्नामेंट में कुल 8 पुरुष टीमों और 3 महिला टीमों की भागीदारी होगी। कर्नाटक भर से 110 से अधिक युवा प्रतिभागी इस वर्ष टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं, जो इस आयोजन की निरंतर सफलता को दर्शाता है।

संघ के सचिव कल्पेश नाहर ने टूर्नामेंट की प्रगति को लेकर कहा कि जब हमने लगभग पाँच वर्ष पहले पहला सीजन शुरू किया था, तब केवल 4 टीमें और करीब 40 खिलाड़ी थे। आज हम 11 टीमों और 110 से अधिक खिलाड़ियों के साथ इस स्तर पर पहुँच चुके हैं। यह प्रतियोगिता नाहर समुदाय के युवाओं के लिए एक जीवंत और प्रभावशाली मंच बन गई है। इस अवसर पर नाहर समुदाय के कई वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित सदस्य भी उपस्थित रहे, जिनमें आईपीपी गौतमचंद नाहर, यूथ चेयरमैन दीपेश नाहर, संयोजक प्रज्वल नाहर, वीरेन्द्र नाहर, प्रवीण नाहर, नारपतचंद नाहर, सुरेश नाहर, प्रमोद नाहर, राजीव नाहर और सुरेन्द्र नाहर शामिल थे।

देवसर माँ के संगीतमय मंगलपाठ एवं भजन संध्या में झूमे भक्तगण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हरियाणा के भिवानी जिले में स्थित सुप्रसिद्ध देवसर धाम की दिव्यता और माँ दुर्गा के प्रति अटूट श्रद्धा को समर्पित एक अद्वितीय आयोजन का सफलतापूर्वक आयोजन जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में किया गया। माँ देवसर भक्त परिवार, बेंगलूरु द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भक्तिभाव, सांस्कृतिक समर्पण और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला। माँ देवसर भक्त परिवार पिछले पाँच वर्षों से न्यू तिप्पसंद्रा स्थित मंदिर परिसर में नियमित रूप से मंगल पाठ एवं भंडारा आयोजित करता आ रहा है। यह आयोजन उस सिलसिले को और भव्य रूप देते हुए एक नई ऊँचाई पर ले गया। कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर 2 बजे संगीतमय मंगल पाठ से हुई। पाठ वाचक रामावतार अग्रवाल मुंबई और सहयोगी अनिल शर्मा कोलकाता ने पाठ का वाचन किया और कोलकाता से नृत्यनाटिका टीम ने देवी की महिमा पर आधारित झांकी प्रस्तुति से उपस्थित भक्तों को भावविभोर कर दिया। इस आयोजन की विशेष शोभा बने देवसर धाम, भिवानी से पधारे परम श्रद्धेय पूज्य गुरुजी वेद प्रकाश, जिनका सान्निध्य सम्पूर्ण कार्यक्रम को आध्यात्मिक ऊँचाई प्रदान करता रहा। भजन संध्या में वंदना तुलस्यान की सुरीली प्रस्तुतियाँ वातावरण को भक्तिमय करती रहीं। आयोजन में बेंगलूरु से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने तन-मन-धन से भाग लिया। कार्यक्रम के उपरांत श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी की उत्तम व्यवस्था की गई थी, जिससे सभी उपस्थित जन आनंदित हो उठे। इस दिव्य आयोजन को सफल बनाने में सुनील जैन (मित्तल), राजेश सांवरिया, हनुमान गुप्ता, गौरव जिंदल, नमन गोयल, सरोज जिंदल, शशि जैन एवं हेमलता सांवरिया की विशेष भूमिका रही।

सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से चोरी हुए मोबाइल फोन की सफल बरामदगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण पश्चिम रेलवे (एसडब्ल्यूआर) जोन के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने सीईआईआर (केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर) पोर्टल के प्रभावी उपयोग की बदौलत चोरी हुए मोबाइल फोन को बरामद करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। 23 अप्रैल, 2025 को एक रेल-मदद शिकायत जितेंद्र नामक व्यक्ति से प्राप्त हुई थी, जिसमें बताया गया था कि जनरल कोच में यात्रा करते समय उसका मोबाइल फोन खो गया था। आरपीएफ द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई और शिकायत को संबंधित अधिकारियों को भेज दिया गया।

आरपीएफ साइबर सेल/बेंगलूरु ने सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज की, जिसके परिणामस्वरूप मोबाइल फोन को ब्लॉक किया गया और बाद में आईएमईआई के माध्यम से ट्रैक किया गया। सावधानीपूर्वक जांच और सीनियर डिवीजनल सुरक्षा आयुक्त/आरपीएफ/मैसूरु के साथ समन्वय के माध्यम से मोबाइल फोन मैसूरु में एक मोबाइल मरम्मत की दुकान से बरामद किया गया, जहां इसे एक व्यक्ति द्वारा मरम्मत के लिए ले जाया गया था।

जिसके बाद फोन को उसके असली मालिक, जितेंद्र को सौंप दिया गया। यह सफल वसूली चोरी हुए मोबाइल उपकरणों का पता लगाने और उन्हें वापस पाने में पोर्टल की प्रभावशीलता को उजागर करती है। आरपीएफ/एसडब्ल्यूआर इस मामले में साइबर सेल/बेंगलूरु के प्रयासों की सराहना करता है, जो यात्रियों की संपत्तियों की सुरक्षा और अपराध से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आरपीएफ यात्रियों से आग्रह करता है कि वे अपने खोए हुए मोबाइल फोन को दूरसंचार विभाग के संचार साथी पर पोर्टल पर पंजीकृत करें और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए तुरंत रिपोर्ट करें।

कार की चपेट में आकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। शिरवा की वरिष्ठ कांग्रेस नेता लीना मथियास

ने सोमवार की सुबह उडुपी के एक निजी अस्पताल में कार की टक्कर लगने से दम तोड़ दिया। यह घटना उस समय हुई जब वह सड़क किनारे खड़ी थीं। दुर्घटना में उन्हें गंभीर चोटें आईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

लीना मथियास कांग्रेस की एक प्रमुख हस्ती थीं, जिन्होंने पार्टी के भीतर विभिन्न पदों पर काम किया था। वह दक्षिण कन्नड़ जिला पंचायत की उपाध्यक्ष, पूर्व राज्य महिला कांग्रेस सचिव और शिरवा ग्राम पंचायत की पूर्व सदस्य थीं। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

कॉमेडी खिलाड़ी फेम राकेश पुजारी हुड्डा का दिल का दौरा पड़ने से निधन

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। कन्नड़ रियलिटी शो कॉमेडी खिलाड़ी में अपने

अभिनय के लिए मशहूर कलाकार राकेश पुजारी हुड्डा का रविवार की रात अचानक दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 33 वर्ष के थे। राकेश ने निजी कन्नड़ मनोरंजन चैनल पर प्रसारित रियलिटी शो कॉमेडी खिलाड़ी में अपनी हास्य भूमिकाओं के माध्यम से व्यापक पहचान और प्रसिद्धि प्राप्त की। उन्हें उनकी स्वाभाविक कॉमिक टाइमिंग और बहुमुखी अभिनय के लिए सराहा गया, जिसने उन्हें दर्शकों के बीच एक जाना-पहचाना नाम बना दिया। रविवार की रात को वह करकला में एक दोस्त के मेहंदी समारोह में शामिल हुए थे, जहां कथित तौर पर वह बेहोश हो गए और उनकी मौत हो गई। राकेश पुजारी कॉमेडी खिलाड़ी के विजेता भी थे।

अणुव्रत क्रिएटिविटी प्रतिस्पर्धा 2025-26 के बैनर का अनावरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विजयनगर होसहल्ली स्थित बसवेश्वर सुगनना मंटप के प्रांगण में युवा दिवस के अवसर पर मुनि पुलकित कुमार जी, साध्वी पावनप्रभा जी, साध्वी संयमलता जी, साध्वी पुण्ययशा जी, साध्वी सोमयशा जी के पावन सानिध्य एवं अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के तत्वावधान में अणुव्रत समिति, बेंगलूरु द्वारा अणुव्रत क्रिएटिविटी प्रतिस्पर्धा (एसीसी) 2025 - 26 के बैनर का अनावरण किया गया। समिति अध्यक्ष देवराज रायसोनी ने कहा अणुव्रत समिति, बेंगलूरु पूरे तन, मन एवं धन से अणु विभा द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित इस कलाकृति आयोजन का संपूर्ण सहयोग करेगी। गत वर्ष की भ्रांति इस वर्ष भी बेंगलूरु नगर से लाभार्थियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान लाने हेतु सभी स्कूलों से परामर्श कर बच्चों को प्रोत्साहन करेगी। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं एसीसी के राष्ट्रीय संयोजक राजेश चावत ने बताया अणुव्रत समिति, बेंगलूरु की कार्यकुशलता को देखते हुए इस बार एसीसी कर्नाटक राज्य प्रभारी व सह प्रभारी का बेंगलूरु समिति से ही चयन किया गया। अतः राज्य प्रभारी सह प्रभारी एवं बेंगलूरु समिति के संयोजक, सहसंयोजक साथ जुड़कर इस कांटेस्ट को ऐतिहासिक बनाने का संपूर्ण प्रयास करेंगे। हर कार्य पर स्वयं का सहयोग हर पल प्राप्त होता रहेगा। इस अवसर पर एसीसी कर्नाटक राज्य प्रभारी शांति सकलेचा, अणुव्रत समिति निवर्तमान अध्यक्ष शांतिलाल पोरवाल, उपाध्यक्ष माणकचंद संचेती, मंत्री हरकचंद ओस्तवाल, गांधीनगर सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, महासभा से प्रकाश लोढ़ा सहित समिति सदस्यगण की उपस्थिति रही।

जम्मू कश्मीर के आतंकवादी नेटवर्क पर प्रहार

श्रीनगर में आठ ठिकानों पर हुई छापामारी

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 12 मई।

जम्मू कश्मीर के आतंकवादी नेटवर्क पर प्रहार तेज कर दिया गया है। इस सिलसिले में श्रीनगर के आठ ठिकानों पर छापामारी की गई। जम्मू कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर जिले में गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत आतंकवाद के सहयोगियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है।

पुलिस ने कहा कि आतंकवादी पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने और प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई करने के उद्देश्य से एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, श्रीनगर पुलिस ने गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। केंद्रित अभियान को जारी रखते हुए, पुलिस टीमों ने आतंकवादी सहयोगियों के आवासों को लक्षित करते हुए और यूएपीए अधिनियम के मामलों की जांच को आगे बढ़ाते हुए पूरे शहर में व्यापक तलाशी ली है। गौरतलब है कि अब तक 150 से अधिक आतंकवादी सहयोगियों के आवासों की तलाशी ली जा चुकी है।

इसी सिलसिले में श्रीनगर पुलिस ने जिन लोगों के घरों की तलाशी ली है, उनमें शामिल हैं- 1. आदिल मंजूर लंगू पुत्र मंजूर अहमद लंगू निवासी जलदगर, जो शहीद गंज पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर संख्या 08/2024 यू/एस 7/27 आईए एक्ट 302 आईपीसी 16,18,20 यूएलएपी एक्ट में शामिल है। 2. बासित बिलाल मकाया पुत्र बिलाल अहमद मकाया निवासी डूमकदल, जो चनपोरा पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर संख्या 156/2024 यू/एस 13, 19, 39 यूएपी एक्ट में शामिल है। 3. वसीम तारिक मट्टा पुत्र तारिक अहमद निवासी रामपोरा, जो चनपोरा पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर संख्या 46/2023 यू/एस 7/25 ए, एक्ट 4/5 एक्सपी एक्ट 18,23,38 यूएपी एक्ट में शामिल है। 4. फैयाज अहमद लोन (पूर्व उग्रवादी) पुत्र जीएच नबी लोन निवासी काव मोहल्ला, पुलिस स्टेशन खानयार की एफआईआर संख्या 31/2024 7/25 ए.एक्ट 13, 18, 20, 23, 39 यूएपी एक्ट के मामले में शामिल है। 5. मोहम्मद अशरफ कालू पुत्र अब गनी कालू निवासी आबी गुरपोरा पुलिस स्टेशन खानयार की एफआईआर संख्या 31/2024 7/25 ए.एक्ट 13, 18, 20, 23, 39 यूएपी एक्ट मामले में शामिल है। 6. काजी उस्मान पुत्र काजी मुजफ्फर निवासी देवी आंगन हवाल, पुलिस स्टेशन खानयार की एफआईआर संख्या 31/2024 7/25 ए.एक्ट 13, 18, 20, 23, 39 यूएपी एक्ट के मामले में शामिल। 7. मुजफ्फर अहमद मगरे पुत्र घ. मोहि-उद-दीन निवासी कलमदानपोरा, जो पुलिस स्टेशन एम.आर.गंज के तहत एफआईआर संख्या 49/2006 यू/एस 7/25 ए एक्ट के तहत मामला दर्ज है। 8. शाहबाज फारूक भट पुत्र फारूक अहमद भट निवासी पालपोरा नूरबाग, जो पुलिस स्टेशन एम.आर.गंज के तहत एफआईआर संख्या 11/2024 13, 39 यूएलएपी एक्ट के तहत मामला दर्ज है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस के अधिकारियों की देखरेख में कार्यकारी मजिस्ट्रेट और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में उचित कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार तलाशी ली गई। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के खिलाफ किसी भी साजिश या आतंकवादी गतिविधि का पता लगाने और उसे रोकने के लिए साक्ष्य संग्रह और खुफिया जानकारी जुटाने के उद्देश्य से हथियार, दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस आदि जब्त करने के लिए तलाशी ली गई। जम्मू-कश्मीर पुलिस की इस निर्णायक कार्रवाई का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट करना है, ताकि ऐसे राष्ट्र-विरोधी और आपराधिक गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों की पहचान की जा सके और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके। पुलिस के अनुसार, श्रीनगर पुलिस शहर में शांति और सुरक्षा की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। बयान में कहा गया है कि हिंसा, व्यवधान या गैरकानूनी गतिविधियों के एजेंडे को आगे बढ़ाने वाले किसी भी व्यक्ति को कानून के तहत सख्त कानूनी परिणामों का सामना करना पड़ेगा।

सीमावर्ती गांवों में सैकड़ों अनफूटे बमों से बना हुआ है खतरा

जम्मू, 12 मई (ब्यूरो)।

सीजफायर के तुरंत बाद सेना और पुलिस के बम डिस्पोजल दस्तों ने कई गांवों में पाक सेना द्वारा दागे गए अनफूटे बमों को नष्ट करने की कार्रवाई तेज कर दी। इसी का परिणाम है कि बारामुला जिला प्रशासन ने उड़ी सेक्टर में इन अनफूटे बमों के सुरक्षित निपटान के बाद छह गांवों में लोगों को लौटने की अनुमति दे दी है। हालांकि बहुत से एलओसी ओर इंटरनेशनल बॉर्डर के गांवों में अनफूटे गोलों को डिफ्यूज करने की कवायद जारी है। अधिकारियों ने बताया कि कमलकोट, मधान, गौहलान, सलामाबाद (बिजहामा), गंगरहिल और गवाल्टा गांवों में 7 अनफूटे बमों को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया गया है। एलओसी पर हाल ही में हुई तनातनी के बाद सुरक्षा एजेंसियों द्वारा क्षेत्र को सुरक्षित करने के निरंतर प्रयासों के बाद यह मंजूरी दी गई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इन छह गांवों से गए लोग अब अपने घर लौट सकते हैं। पता लगाए गए अनफूटे गोलों के सुरक्षित निपटान की पुष्टि के बाद यह निर्णय लिया गया। हालांकि, अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि इन और अन्य क्षेत्रों में अभी भी और अधिक अनफूटे बम मौजूद हो सकते हैं और उनका पता नहीं चल पाया है। जिले में 17 स्थानों पर कुल 20 अनफूटे बम की शुरुआत में सूचना मिली थी।

इस बीच, निवासियों को किसी भी संदिग्ध वस्तु को छूने या उसके पास जाने से बचने और तुरंत बारामुला पुलिस या निकटतम सुरक्षा कर्मियों को रिपोर्ट करने की सख्त सलाह दी गई है। जबकि बारामुला पुलिस ने एक सार्वजनिक सुरक्षा सलाह जारी की है, जिसमें अनफूटे बमों से जान-माल को होने वाले गंभीर खतरे को रेखांकित किया गया है, और निरंतर सतर्कता बरतने का आग्रह किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू संभाग के सीमावर्ती जिलों में रात भर स्थिति शांत रही और ड्रोन गतिविधि, गोलीबारी या गोलाबारी की कोई खबर नहीं मिली।

सेना और सुरक्षा बलों ने अपनी चौकसी कम नहीं की और पूरे केंद्र शासित प्रदेश में नियंत्रण रेखा (एलओसी) और अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर हाई अलर्ट पर बने रहे, लेकिन रात के दौरान उरी, कुपवाड़ा, पुंछ, राजौरी, जम्मू, सांबा, कठुआ और बांदीपोरा जिलों से किसी भी ड्रोन घुसपैठ या सीमा पार से गोलीबारी व गोलाबारी की खबर नहीं मिली।

वहीं नियंत्रण रेखा (एलओसी) और अंतराष्ट्रीय सीमा (आईबी) के निकट स्थित गांवों के दो लाख से अधिक निवासियों को सात मई को पाकिस्तान की ओर से गोलीबारी शुरू होने के बाद सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया था। कश्मीर घाटी में पुलिस की ओर से जारी एक परामर्श में कहा गया कि सीमावर्ती गांवों में वापस न लौटें। पाकिस्तानी गोलाबारी के बाद वहां गोला-बारूद के बिखरे होने से जान जोखिम में पड़ सकती है। परामर्श में कहा गया है कि बम निरोधक दस्तों को प्रभावित क्षेत्रों में भेजा जाएगा ताकि गांवों की गहनता से जांच की जा सके और उन सभी गोला-बारूद को हटाया जा सके, जिनसे जान का नुकसान हो सकता है। उल्लेखनीय है कि सीजफायर के बावजूद 2023 में एलओसी के पास बचे हुए गोला-बारूद में विस्फोट होने से 41 लोगों की जान चली गई थी।

तीन आतंकी सरगना मिटे तो कश्मीर से मिट जाएगा आतंकवाद

जम्मू, 12 मई (ब्यूरो)।

कश्मीर में 37 साल से फैले आतंकवाद की आग मात्र तीन आतंकवादियों के सफाए से बुझ सकती है। ये तीनों कमांडर आज पाकिस्तान में हैं, जिनके नाम उस सूची में सबसे प्रमुख स्थान पर हैं जिसे भारत ने पाकिस्तान को कई बार सौंपा है।

ये तीन आतंकी कमांडर हैं जैश-ए-मुहम्मद के सर्वेसर्वा मसूद अजहर। लश्करे तैयबा को चलाने वाले हाफिज मुहम्मद सईद और हिजबुल मुजाहिदीन के सुप्रीम कमांडर सैयद सलाहुद्दीन। अगर इन तीनों आतंकियों को पाकिस्तान भारत सरकार को सौंप दे तो कश्मीर में आतंकवाद की

कमर 90 प्रतिशत अवश्य टूट जाएगी। लश्करे तैयबा का प्रमुख हाफिज मुहम्मद सईद कभी कश्मीर नहीं आया लेकिन कश्मीर में फैले आतंकवाद का वह जिम्मेदार है। जैश-ए-मुहम्मद का सरगना मसूद अजहर और हिजबुल मुजाहिदीन सरगना सैयद सलाहुद्दीन कश्मीर में आतंकी घटनाओं का सीधा जिम्मेदार है।

इन तीनों आतंकी कमांडरों के खिलाफ कश्मीर घाटी में कई मामले दर्ज हैं। कई मामलों में उनकी संलिप्तता प्रत्यक्ष है तो कई में परोक्ष।

कश्मीर पुलिस के महानिदेशक के मुताबिक, यही तीन गुट कश्मीर में सक्रिय हैं, जबकि अन्य का सफाया हो चुका है। सैयद सलाहुद्दीन के खिलाफ जम्मू कश्मीर के तत्कालीन विद्युत मंत्री गुलाम हसन बट के कत्ल का मामला भी है। बट की एक बारूदी सुरंग विस्फोट में मौत हो गई थी। जैश-ए-मुहम्मद के सरगना मसूद अजहर के खिलाफ पहली अक्टूबर को कश्मीर विधानसभा के बाहर आत्मघाती हमला कराने का मामला है, जिसमें 46 लोग मारे गए थे।

भारत ने पाकिस्तान वायुसेना के कई बेस नष्ट किए

जम्मू, 12 मई (एजेंसियां)।

ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पकिस्तान द्वारा भारतीय शहरों और कस्बों पर एलओसी और इंटरनेशनल बॉर्डर पर किए गए हमलों के दौरान भारतीय पक्ष द्वारा दिए गए करारा जवाब ने पाकिस्तान को भारी क्षति पहुंचाई है। अगर उसे एलओसी पर 40 से अधिक जवानों और अफसरों को खोना पड़ा है तो भारतीय वायुसेना की सटीक कार्रवाई में उसके 12 के करीब एयरफोर्स बेसों पर हुए हमलों में उसके 52 से अधिक वायुसैनिक और अफसर भी मारे गए हैं।

एलओसी और इंटरनेशनल बार्डर पार हुई क्षति का ब्यौरा भारतीय डीजीएमओ दे चुके हैं और उस पार से मिलने वाले समाचार इसकी पुष्टि करते थे कि पाक वायुसेना को न सिर्फ हवाई पट्टियों, हैंगरों, एयर डिफेंस और राडारों के रूप में क्षति को सहन करना पड़ा है बल्कि उसे 1971 के युद्ध के बाद पहली बार इतनी संख्या में वायुसैनिकों और वायुसेना के अफसरों को खोना पड़ा है।

भारतीय एयरफोर्स के डीजीएमओ भी इसके प्रति खुलासा कर चुके हैं कि पाक वायुसेना के करीब आधा दर्जन फाइटर विमानों को मार गिराया गया था। इसमें पाक वायुसेना के पायलट भी मारे गए।

पर उसे सबसे बड़ा नुक्सान सिंध के बलौरी एयरबेस पर हुआ था जहां भारतीय वायुसेना की कार्रवाई में पाक वायुसेना के स्काड्रन लीडर उस्मान युसूफ समेत 12 पाक वायुसैनिक मारे गए। मिलने वाले समाचार कहते थे कि पाक वायुसेना के जिन 12 से अधिक एयरबेसों को नेस्तनाबूद कर दिया गया वहीं से भारतीक्ष क्षेत्रों में हमला बोला जा रहा था। हालांकि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय पक्ष को आठ जवानों की शहादत देनी पड़ी है।

नेपाल सीमा से सटे जिलों में अवैध कब्जों पर गरजा बुलडोजर

लखनऊ, 12 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सोमवार को भी नेपाल सीमा से सटे जिलों में अवैध कब्जों और बिना मान्यता संचालित धार्मिक संस्थानों के खिलाफ पूरे दिन बुलडोजर चला। प्रदेश के श्रावस्ती, बहराइच, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज और बलरामपुर में विशेष अभियान चलाया गया। बता दें कि सरहद की बेशकीमती भूमि पर इन लोगों ने लंबे समय से अवैध रूप से कब्जा जमाया हुआ था जिन्हें अब योगी सरकार ने मुक्त कराने का अभियान छेड़ा है।

बहराइच जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश सोमवार को भी अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की गयी। उन्होंने बताया कि जिले में एक अवैध मस्जिद को ध्वस्त किया गया। अब तक कुल 171 अवैध अतिक्रमण को हटाया गया है। वहीं सिद्धार्थनगर के शोहरतगढ़ के ग्राम बगुलहवा में गाटा संख्या 515 रकबा .018 हेक्टेयर पर बने मदरसे को हटाने के लिए नोटिस दी गयी थी। इस पर सोमवार को अतिक्रमणकारी गुलाम महीउद्दीन द्वारा स्वयं अतिक्रमण को हटाया गया। श्रावस्ती जिलाधिकारी

अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि सोमवार को बिना मान्यता के संचालित 5 मदरसों को चिन्हित किया गया। वहीं तहसील जमुनहा के ग्राम रहमतूगांव में शासकीय भूमि पर स्थित अवैध मदरसा को ध्वस्त किया गया। इसी तरह निजी भूमि पर स्थित 4 गैर मान्यता प्राप्त मदरसों के सीलिंग की कार्रवाई की गई।

महराजगंज जिलाधिकारी अनुनय झा ने बताया कि भारत नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा के 10 किमी की परिधि में अवैध निर्माण को चिन्हित करने की कार्रवाई के दौरान तहसील नौतनवा के ग्राम सिसवा उर्फ खोरिया के गाटा संख्या 266 है, जोकि राजस्व अभिलेखों में नवीन परती में बाजार प्रसार के लिए सुरक्षित जमीन पर बने अवैध मजार को हटवाकर खाली कराया गया। वहीं बलरामपुर के ग्राम रतनवा, तहसील बलरामपुर में वन विभाग की भूमि पर निर्मित 1 अवैध मजार को ध्वस्त किया गया। बता दें कि योगी सरकार ने स्पष्ट किया है कि नेपाल सीमा के 15 किलोमीटर दायरे में किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे, धार्मिक या शैक्षणिक संस्थान के अवैध संचालन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि चिन्हित अतिक्रमणों को शीघ्रता से हटाया जाए और नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

एलओसी पर रहने वालों ने बंकरों की मांग की

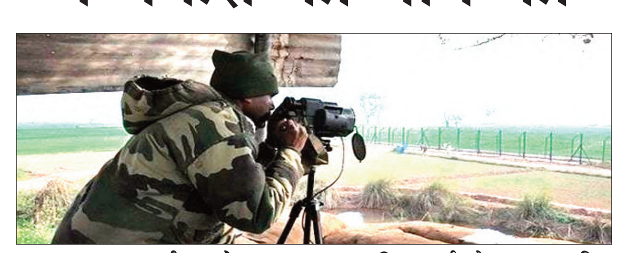

जम्मू, 12 मई (ब्यूरो)।

एलओसी के इलाकों में पाक गोलाबारी से हताहत हुए लोगों के परिजनों और घायलों से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को बस एक ही स्वर सुनाया गया। लोगों ने एक स्वर से यह मांग की कि या तो हमेशा के लिए आर-पार की लड़ाई हो जाए या फिर उन्हें जान बचाने के लिए बंकर बना कर दिए जाएं। वे घर-घर बंकर बनाने की मांग कर रहे हैं। लोगों ने अपनी सुरक्षा के लिए और पाक गोलाबारी से बचने के लिए प्रत्येक घर में बंकर बना कर देने की मांग की।

भाजपा के पूर्व विधायक अनिल सिंह पर मारपीट का आरोप, भाजपा कार्यकर्ता ने ही दर्ज करा दिया केस

नवादा, 12 मई (एजेंसियां)।

हिसुआ के बीजेपी से पूर्व विधायक अनिल सिंह पर एक बीजेपी कार्यकर्ता ने मारपीट और धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित कार्यकर्ता अविनाश कुमार ने नगर थाना में लिखित शिकायत दी है। उन्होंने जान-माल की सुरक्षा की मांग की है।

अविनाश कुमार वारिसलीगंज

थाना क्षेत्र के कोचगांव के रहने वाले हैं। वे बीजेपी के सोशल मीडिया क्षेत्रीय प्रभारी हैं। उन्होंने बताया कि 8 मई की शाम 5 बजे वे अपने साथी के साथ परिसदन भवन नवादा नगर विकास व आवास मंत्री सह जिला प्रभारी मंत्री जीवेश मिश्रा से मिलने गए थे। वहां हिसुआ के पूर्व विधायक अनिल सिंह, उनके सहयोगी मुरारी सिंह, चितरंजन कुमार और पकड़िया गांव के संतोष कुमार ने गाली-गलौज की। फिर लात-घूंसे से मारपीट की। जान से मारने की धमकी भी दी।

अविनाश ने शिकायत में कहा कि अगर भविष्य में उन्हें कोई नुकसान होता है तो इसके जिम्मेदार अनिल सिंह और उनके तीनों सहयोगी होंगे। नगर थाना पुलिस ने अनिल सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दुधवा टाइगर रिजर्व

शुल्क नहीं, सुविधाओं में वृद्धि करके सरकार ने बढ़ाई आय

लखनऊ, 12 मई (एजेंसियां)।

योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश को पर्यटन के क्षेत्र में शीर्ष पर ला दिया है। यही कारण है कि प्रदेश में आने वाले पर्यटकों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई। धार्मिक क्षेत्र हो या ईको टूरिज्म, उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों की तरफ देश-दुनिया के पर्यटक आकर्षित हुए। इसी क्रम में दुधवा टाइगर रिजर्व में भी साल दर साल पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होती गई। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था, सुरक्षा और सुविधा के कारण दुधवा टाइगर रिजर्व पर्यटकों की पसंद बन गया। नवंबर से जून तक चलने वाले ईको पर्यटन सत्र में यहां पर्यटकों की संख्या बढ़ी तो सरकार की आय में भी वृद्धि हुई। योगी सरकार ने इस सत्र में शुल्क में कोई बढ़ोतरी नहीं की, लेकिन सुविधाएं बढ़ाकर यहां से होने वाली आय से राजस्व में वृद्धि की। गौरतलब है कि पर्यटन सत्र 2024-25 के अंतर्गत दुधवा टाइगर रिजर्व में नवंबर से अप्रैल (मात्र छह महीने) तक 44070 भारतीय व 574 विदेशी पर्यटकों ने वातावरण का लुत्फ उठाया।

नवंबर में पर्यटन सत्र प्रारंभ होने पर ही यह तय किया गया था कि इस वर्ष पर्यटन शुल्क में कोई वृद्धि नहीं की है। दुधवा टाइगर रिजर्व के उप निदेशक डॉ. रंगा राजू टी ने बताया कि दुधवा में पर्यटकों के लिए प्रतिवर्ष सुविधाओं का विस्तार किया गया। यहां आने वाले पर्यटकों के लिए भी जंगल सफारी, रहने, स्वच्छता समेत सभी सुविधाओं में वृद्धि की गई। मुख्यमंत्री और वन मंत्री के निर्देशों के क्रम में अतिथि देवो भवः की तर्ज पर पर्यटकों की सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है।

योगी ने वाराणसी में की कानून व्यवस्था और विकास की समीक्षा

गौ तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश

वाराणसी, 12 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी में चल रही परियोजनाओं एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सोमवार को सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास परियोजनाओं की प्रगति एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की। वाराणसी जोन के सीमावर्ती जिलों में गौ तस्करी, खनन आदि गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने गौ तस्करों एवं उनके संपर्क सूत्रों पर और तेजी से कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश देते हुए उनके जब्त वाहनों को नियमानुसार नीलामी कराने की बात कही।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि गतिमान विकास परियोजनाओं को युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर तय समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा कराएं, इसमें किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने परियोजनाओं के निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों को हर हालत में सुनिश्चित कराए जाने पर विशेष जोर दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय सेना द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद जिले में सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था पर ध्यान दिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने अर्बन नक्सल एवं उनसे जुड़े संगठनों पर सतर्क निगरानी रखने एवं कड़ी कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पीड़ित व्यक्तियों को तत्काल न्याय मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। अधिकारी प्रतिदिन जनसुनवाई करते हुए समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करें।

उन्होंने कहा कि जन्म-मृत्यु आदि प्रमाण पत्रों के लिए किसी को अनावश्यक भटकना न पड़े। निर्धारित अवधि में इसका निस्तारण सुनिश्चित कराएं। लूट, चैन स्नैचिंग आदि की घटनाओं पर पुलिस सख्ती से रोक लगाए।

उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन विकास परियोजनाओं की नियमित समीक्षा करें तथा नामित नोडल अधिकारियों से कार्य के प्रगति एवं गुणवत्ता की मॉनिटरिंग सुनिश्चित कराएं। समीक्षा के दौरान कतिपय परियोजनाओं की प्रगति धीमी पाए जाने पर उप्र राजकीय निर्माण निगम, यूपीपीसीएल, पीडब्ल्यूडी, जलनिगम शहरी एवं ग्रामीण, सेतु निगम को कार्य पद्धति ठीक करने और तेजी से गुणवत्ता के साथ कार्यों को पूरा करने, वरुणा नदी के पुनरोद्धार कार्य को तेजी से आगे बढ़ाने, कमिश्नरी परिसर में बनने वाले इंटीग्रेटेड मंडलीय कार्यालय के निर्माण कार्य हेतु टेंडर आदि कार्यवाही तेजी से कराए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने नगर निगम, विकास प्राधिकरण को अपने विभागीय कार्य को बेहतर तरीके से करने पर जोर दिया।

सीएम योगी ने गर्मी के दृष्टिगत जनपद के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में समुचित पेयजलापूर्ति सहित साफ सफाई के व्यवस्था सुनिश्चित कराए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने सड़कों को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने का निर्देश दिया, ताकि यातायात व्यवस्था सुगमता से संचालित हो सकें। आमजन को आवागमन में कोई परेशानी न हो, इसके लिए बस स्टैंड, टैक्सी स्टैंड, रिक्शा स्टैंड हेतु उपयुक्त स्थल का चयन कर वाहनों को व्यवस्थित किए जाने का निर्देश दिया।

सेफ सिटी के दृष्टिगत पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरों का व्यवस्थापन, संदिग्ध व्यक्तियों का सत्यापन आदि का कार्य किए जाने हेतु भी निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने जनपद में घटित होने वाली घटनाओं पर क्विक एक्शन लिए जाने का निर्देश दिया। कहा कि अपराधियों पर जीरो टॉलरेंस के तहत कठोर कार्रवाई करें।

मुख्यमंत्री द्वारा कज्जाकपुरा फ्लाईओवर के कार्यों में रेलवे अधिकारियों से वार्ता कर कार्यों को पूर्ण कराए जाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने यूपी आरआरएन भदोही यूनिट को सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के बाउंड्रीवाल के कार्यों को हर हाल में जून 2025 तक पूरा करने को निर्देशित किया।

हर घर नल से जल योजना अंतर्गत जलनिगम ग्रामीण को जनप्रतिनिधियों के साथ 4-4 गांव का निरीक्षण कराने को निर्देशित किया, ताकि कार्य की गुणवत्ता जांची जा सके तथा रोड कटिंग के कार्य शत-प्रतिशत पूरे किए गए है कि नहीं, इसका भी सत्यापन ही सके। एयरपोर्ट विस्तारीकरण के दौरान लोकल लोगों के आवागमन में कोई बाधा नहीं आये, इसको सुनिश्चित किया जाए। राजस्व वादों का निस्तारण मेरिट के आधार पर तेजी से कराना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री द्वारा रामनगर-सूजाबाद क्षेत्र में सीवरेज नेटवर्क के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी दिये। विकास प्राधिकरण गंजारी में निर्माणाधीन इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के चारों तरफ टाउनशिप तथा कनेक्टिविटी के कार्यों में तेजी लाकर कार्य कराना सुनिश्चित करे। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को सड़कों के किनारे स्थित भवनों के नालियों को मेन नाले से जोड़ने हेतु कहा ताकि घरों में जलनिकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित हो। उन्होंने नगर निगम को बरसात से पहले सभी नालों की सफाई के साथ ही मौके से सिल्ट हटाए जाने का भी निर्देश दिया।

एमएलसी धर्मेन्द्र राय ने ट्रैफिक सिस्टम में सुधार और वाराणसी की थोक मंडियों को व्यवस्थित कराने का अनुरोध करते हुए सुझाव दिया कि सेंट्रल जेल की चौरासी एकड जमीन में बनारस के व्यापार को पुनर्वासित किया जाए। आज भी चंदुआ सट्टी से लगायत सब्जी मंडी और दूध सट्टी सड़कों पर हैं, वाराणसी विकास प्राधिकरण व्यावसायिक दर पर परिसर की खरीदारी करे और सब्जी फल एवं दुग्ध विक्रेताओं को व्यवस्थित परिसर उपलब्ध कराए। मंडलायुक्त एस. राजलिंगम द्वारा बताया कि वर्तमान में लगभग 14 हज़ार करोड़ की कुल 60 परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। सड़कों तथा पुलों के कुल 18 प्रोजेक्ट्स चल रहे। रिंग रोड फेज-2 में एक लेन को मई के अंत तक हर हाल में चालू कर दिया जायेगा, जिससे लोगों का आवागमन सुनिश्चित हो सकेगा तथा शेष कार्यों को दिसम्बर तक पूरा किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि कचहरी-संदहा मार्ग, पांडेयपुर-आजमगढ़ मार्ग तथा पड़ाव-टेंगरा सड़क के कार्य 90 प्रतिशत से ज्यादा पूरे हो चुके हैं तथा बचे कार्यों हेतु शासन से बजट आवंटन हो गया, जिसको तत्काल पूरा कराया जाएगा।

पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल व एडीजी जोन पीयूष मोर्डिया ने कानून व्यवस्था की जानकारी दी। बैठक में श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, स्टाम्प राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल, आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ दयाशंकर मिश्र दयालु, महापौर अशोक तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी, सौरभ श्रीवास्तव, त्रिभुवन राम, डॉ सुनील पटेल, डॉ. अवधेश सिंह, सुशील सिंह, सदस्य विधान परिषद हंसराज विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे

तथागत की महापरिनिर्वाण धरा को विकास के नक्शे पर संवार रही सरकार

लखनऊ/ कुशीनगर, 12 मई (एजेंसियां)। पूरी दुनिया को सत्य, अहिंसा, प्रेम व मानवता का संदेश देने वाले तथागत भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण धरा कुशीनगर को योगी सरकार न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय पर्यटन अपितु समग्र विकास के पैमाने पर संवार रही है। महापरिनिर्वाण स्थली और इससे जुड़े आयामों के पर्यटन विकास के लिए खजाना खोल देने वाली सरकार, मेडिकल कॉलेज की सौगात देने के बाद महात्मा बुद्ध के नाम कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का निर्माण करा रही है। बुद्ध पूर्णिमा के पावन पर्व पर सोमवार को प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने महापरिनिर्वाण मंदिर में चीवर चढ़ाने, रामाभार स्तूप पर कमल पुष्प अर्पित करने के बाद महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों का जायजा लिया और इस धरा के विकास को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता को प्रकट किया।

कुशीनगर की ख्याति भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली के रूप में है लेकिन इसे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन फलक पर निखारने की गंभीर पहल योगी सरकार में हुई। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विशेष प्रयासों से बनवाए गए इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों हो चुका है। हाल के दिनों में कुशीनगर के पर्यटन विकास के लिए करीब 62 करोड़ रुपए की जो परियोजनाएं मंजूर की गई हैं उनमें से करीब 28 करोड़ रुपए सिर्फ महापरिनिर्वाण स्थली से जुड़े आयामों पर खर्च किए जाएंगे। सोमवार को बुद्ध पूर्णिमा के पवित्र पर्व पर दुनिया के कई देशों से पहुंचे बौद्ध भिक्षुओं ने तथागत की धरा पर विकास कार्यों को देखकर प्रसन्नता जताई। प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही भी महापरिनिर्वाण मंदिर पहुंचे। उन्होंने महापरिनिर्वाण मंदिर में भगवान गौतम बुद्ध की शयन मुद्रा की प्रतिमा के दर्शन किए और भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर चीवर चढ़ाकर अपनी श्रद्धा निवेदित की। कृषि मंत्री ने महापरिनिर्वाण स्थल के रामाभार स्तूप पर कमल का पुष्प भी अर्पित किया। कमल के पुष्प को बौद्ध संस्कृति में पवित्रता, शुद्धता और ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। इस दौरान उन्होंने गणमान्यजन के साथ भगवान बुद्ध के विचारों पर चर्चा की। उन्होंने वर्तमान विश्व में शांति और सौहार्द की स्थापना के लिए भगवान बुद्ध के विचारों को अत्यधिक प्रासंगिक बताया। कृषि मंत्री ने सोमवार को ही निर्माणाधीन महात्मा गौतम बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का औचक निरीक्षण भी किया। यह विश्वविद्यालय योगी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। बुद्ध के नाम पर बनने वाला यह विश्वविद्यालय, कुशीनगर जिले का पहला विश्वविद्यालय भी होगा। 146 एकड़ में बन रहे इस विश्वविद्यालय पर 435 करोड़ रुपए की लागत आएगी। निरीक्षण के दौरान कृषि मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए इस परियोजना को समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाए।

सीएम योगी ने बाबा विश्वनाथ और काल भैरव का दर्शन-पूजन किया

वाराणसी, 12 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को काशी पहुंचे। यहां उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम और काशी के कोतवाल काल भैरव का दर्शन-पूजन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी विश्वनाथ गर्भगृह में षोडशोपचार पूजन कर लोक कल्याण की कामना की। सीएम योगी ने मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं का अभिवादन भी किया। मुख्यमंत्री ने काल भैरव मंदिर में भी विधि विधान से पूजा-अर्चना की। दर्शन-पूजन के दौरान कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, त्रिभुवन राम, विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ काल भैरव मंदिर दर्शन के उपरांत जब निकलने लगे तो रास्ते में उन्हें कुछ बच्चे दिखे। मुख्यमंत्री ने सभी को अपने पास बुलाया। उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा। फिर एक-एक कर सभी बच्चों को चॉकलेट दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नजर एक बच्चे पर गई। उन्होंने देखा कि बच्चा दुकान पर लस्सी बना रहा है। यह देख मुख्यमंत्री उसके पास पहुंच गए। उसका हालचाल जानते हुए पढ़ाई-लिखाई के बारे में पूछा। मुख्यमंत्री ने उसे चॉकलेट भी दिया और खूब मन लगाकर पढ़ने को कहा। दुकान पर बैठे लोगों से भी मुख्यमंत्री ने कुशलक्षेम जाना।

बीएचयू में बन रहे नेशनल एजिंग सेंटर का योगी ने किया निरीक्षण

वाराणसी, 12 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार शाम विकास परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने बीएचयू कैम्पस में 147.39 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन नेशनल सेण्टर फॉर एजिंग आईएमएस एवं ट्रॉमा सेन्टर में 119.47 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन न्यू बिल्डिंग ऑफ क्रिटिकल केयर सेण्टर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं के अभियंताओं को निर्देशित किया कि निर्धारित अवधि में मानक के अनुरूप गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण कराए।

गौरतलब हो कि आईएमएस बीएचयू में बन रहे देश के तीसरे नेशनल एजिंग सेंटर में बुजुर्गों को एक ही छत के नीचे इलाज की सुविधा मिलेगी। बीएचयू परिसर में सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक के पास पेट्रोल पंप और नर्सिंग हॉस्टल वाली खाली जगह पर सेंटर बनाया जा रहा है। अभी तक एम्स दिल्ली और मद्रास मेडिकल कॉलेज में ऐसा सेंटर चल रहा है। बीएचयू में देश का तीसरा सेंटर बनाया जा रहा है। बीएचयू अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर में हर दिन लगभग आठ हजार से अधिक मरीज आते हैं। इसमें 1500 से अधिक संख्या 60 साल से अधिक आयु वालों (महिला और पुरुष) की होती है। नेशनल प्रोग्राम फॉर हेल्थकेयर ऑफ द एल्डरली के तहत बनने वाले छह मंजिला सेंटर में 200 बेड पर बुजुर्गों को भर्ती करने की सुविधा होगी। इसी प्रकार 119.74 करोड़ की लागत से बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में बनने वाले 150 बेड के क्रिटिकल केयर यूनिट का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर कराया जा रहा है। बताते चलें कि ट्रॉमा सेंटर परिसर में ओपीडी ब्लॉक के पास बनने वाली यूनिट में तीन मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर होंगे। साथ ही यहां आईसीयू जैसी सभी सुविधाएं मिलेंगी। इसके अलावा 40 बेड का बर्न वार्ड भी बनवाया जाएगा। इस वार्ड के बाद आग लगने सहित जलने की अन्य घटनाओं में घायलों के इलाज में बड़ी सहूलियत होगी। निरीक्षण के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि व आलाधिकारी मौजूद रहे।

योगी सरकार ने यूपी से आतंकवाद का किया सफाया

142 स्लीपिंग माड्यूल अरेस्ट, एक को किया ढेर

लखनऊ, 12 मई (एजेंसियां)। योगी सरकार ने पिछले आठ वर्षों में न केवल अपराधियों की कमर तोड़कर रख दी बल्कि प्रदेश में आतंकवादी संगठनों के स्लीपिंग मॉड्यूल (सहयोगी) और असामाजिक तत्वों को पूरी तरह से नेस्तनाबूद कर दिया है। इस दौरान योगी सरकार ने न सिर्फ आतंकियों के नेटवर्क को ध्वस्त किया बल्कि टेरर फंडिंग, धार्मिक उन्माद, फर्जी दस्तावेज, विदेशी घुसपैठ पर सर्जिकल स्ट्राइक की है। सीएम योगी की जीरो टॉलरेंस नीति का ही असर है कि आज उत्तर प्रदेश आतंकियों की पनाहगाह नहीं, बल्कि उनके खात्मे का मैदान बन चुका है। योगी सरकार ने पिछले आठ वर्षों में जहां एक ओर 230 दुर्दांत अपराधियों को मुठभेड़ में ढेर किया, वहीं दूसरी ओर आतंकवादी संगठनों के 142 स्लीपिंग मॉड्यूल को गिरफ्तार किया है। इनमें प्रदेश में एक्टिव 131 स्लीपिंग मॉड्यूल आतंकवादी संगठनों को पनाह देने के साथ गोपनीय सूचनाएं पहुंचाते थे जबकि एक आतंकवादी को मुठभेड़ में मार गिराया। वहीं आतंकवादी संगठनों को टेरर फंडिंग करने वाले 11 स्लीपिंग मॉड्यूल को सलाखों के पीछे धकेला है।

वर्ष 2017 में सूबे की कमान संभालते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराध, अपराधियों, आतंकवादी संगठनों के स्लीपिंग मॉड्यूल, टेरर फंडिंग, विदेशी घुसपैठ पर करारा पहार करने के निर्देश दिये थे। उन्होंने कहा था कि उत्तर प्रदेश की धरती पर न तो आतंक और न ही देशविरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों को बर्दाश्त किया जाएगा। योगी सरकार की प्राथमिकता में शुरू से ही प्रदेश को सुरक्षा और कानून व्यवस्था के क्षेत्र में रोल मॉडल बनाना रहा है। यही वजह है कि एटीएस (उत्तर प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वायड) ने पूरे प्रदेश में अभियान चलाकर आतंकी संगठनों के स्लीपिंग माड्यूल पर कहर बरपाना शुरू कर दिया। एटीएस ने आधुनिक उपकरणों और अपनी इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कर आतंकवादी संगठनों के एक-एक स्लीपिंग मॉड्यूल को खोजना शुरू कर दिया। पिछले आठ वर्षों में एटीएस ने आतंकवादी संगठनों के 131 स्लीपिंग माड्यूल पर शिकंजा कसते हुए काल कोठरी के पीछे धकेला। यह आतंकवादी संगठन को पनाह देने के साथ गोपनीय सूचनाएं भेजते थे जबकि एक आतंकवादी को मुठभेड़ में ढेर किया।

आतंकवादी संगठनों के जिन स्लीपिंग मॉड्यूल को गिरफ्तार किया गया, वह आईएसआईएस, एक्यूआईएस, जेएमबी, एबीटी, एलईटी, जेईएम, एचएम, आईएम, सिमी, नक्सल, पीएफआई, आईएसआई जैसे संगठनों से ताल्लुक रखते थे। बीते आठ वर्षों में प्रदेश में आतंकवाद के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई बताती है कि यूपी एटीएस ने संगठित आतंकवादी नेटवर्क को जड़ से उखाड़ने में किस तरह काम किया। इसके साथ ही एटीएस ने टेरर फंडिंग के खिलाफ भी पूरी ताकत से एक्शन लिया। पिछले आठ वर्षों में आतंकवादी संगठनों को टेरर फंडिंग करने वाले 11 स्लीपिंग मॉड्यूल को गिरफ्तार किया गया है, जो अवैध धन के माध्यम से आतंकी गतिविधियों को पोषित करने में लिप्त थे। इसके अतिरिक्त भारतीय जाली मुद्रा के मामलों में 41 गिरफ्तारियां की गयी और 47.03 लाख रुपए की नकली मुद्रा बरामद की गई है।

वहीं, अयोध्या में राम मंदिर को लेकर धार्मिक उन्माद फैलाने या सड़क-जुलूस की साजिश में लिप्त अभियुक्तों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। इन मामलों में एटीएस ने एक गिरफ्तारी की है, जो दर्शाता है कि कोई भी प्रदेश की धार्मिक एकता को खंडित करने की कोशिश करेगा, तो कानून उसे बख्शेगा नहीं बल्कि करारा प्रहार करेगा। बीते आठ वर्षों में योगी सरकार ने आतंकवादी संगठनों और उनके नेटवर्क को तोड़ने के लिए जिस रणनीति और तत्परता से काम किया है, उसने प्रदेश को आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में एक नई ऊंचाई दी है। इतना ही नहीं प्रदेश में गैरकानूनी तरीके से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों पर भी एटीएस की पैनी नजर रही। इस अवधि में 173 ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया गया, जो देश की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते थे। वहीं, धर्मांतरण से जुड़े सिंडिकेट पर भी करारा वार किया गया और 20 से अधिक अभियुक्तों को अरेस्ट किया गया। एटीएस ने न केवल आतंकवाद बल्कि साइबर फ्रॉड और फर्जी नाम/पते पर सिम खरीदने जैसे मामलों में भी प्रभावी कदम उठाए। रिपोर्ट के मुताबिक, साइबर फ्रॉड गतिविधियों में लिप्त गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 19 आरोपियों को अरेस्ट किया गया। इनमें चार चाइनीज और 15 भारतीय आरोपी हैं

संपादकीय

दुनिया ने देखा सिंदूर का शौर्य

जब पाकिस्तान ने पहलगाम के बैसरान पर निर्दोष पर्यटकों की निर्मम हत्या नाम पूछकर की तो उसके पीछे उनकी नापाक नीति थी। भारत में हिंदू-मुस्लिम सौहार्द को बिगाड़ दें और दंगे करवा दें ताकि देश हिंदूमुस्लिम में बंट जाए पर हुआ इसका उल्टा। आज सारा देश एक है और चाहे वे सियासी पार्टियां हो, भारत की तमाम जनता हो वह सब अपनी बहादुर सेना के पीछे चट्टान की तरह खड़ी है। और रही पाकिस्तान की तो उसे शायद अब समझ आ रहा हो कि सिंदूर उजाड़ने की कितनी भारी कीमत अदा करनी पड़ रही है। सबसे पहले मैं अपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने न केवल अभूतपूर्व साहस दिखाया हमारी सेनाओं को जवाबी कार्रवाई करने की खुली छूट दी बल्कि पूरे ऑपरेशन का नाम ऑपरेशन सिंदूर रखा। सूत्रों ने कहा आतंकवादियों ने पहलगाम में 26 नागरिकों की हत्या कर दी थी जिनमें सभी पुरुष थे और उन मृतकों की पीड़ित पत्नियों को ध्यान में रखते हुए जवाबी अभियान के लिए ऑपरेशन सिंदूर नाम सबसे मुफीद समझा गया। यह न केवल एक सैन्य जवाबी कार्रवाई है बल्कि यह भारत की नारी शक्ति के सम्मान और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। सैन्य कार्रवाई की प्रेस ब्रीफिंग करने में भी विशेष ध्यान रखा गया। प्रेस ब्रीफिंग के लिए कर्नल सोफिया वुरैशी (मुस्लिम) और विंग कमांडर व्योमिका सिंह (हिंदू) को खासकर चुना गया ताकि पूरी दुनिया को यह संदेश जाए कि भारत एक है और नारी शक्ति के साथ खड़ा है। जिस किसी ने भी यह पैसला किया वह बधाई का पात्र है। जब जंग छिड़ती है तो दोनों तरफ के निर्दोष नागरिक मारे जाते हैं। पाकिस्तान ने जानबूझकर सोची-समझी रणनीति के तहत या यूं कहे बौखलाहट में भारत के सिविलियन इलाकों पर हमले किए हैं जिसमें बहुत से निर्दोष नागरिक मारे गए हैं। पर यह कीमत तो चुकानी होगी। आए दिन इन आतंकी हमलों में भी तो निर्दोष मारे जाते हैं। इसलिए बेहतर रणनीति यही है कि इस बार आतंकवाद और उनके प्रायोजकों को ही खत्म किया जाए। कई आतंकी अड्डों को तबाह कर दिया गया है पर असल समस्या पाकिस्तान सेना और उसकी आईएसआई है। जब तक इनको ऐसी जबरदस्त चोट न पहुंचाई जाए तब तक यह समस्या निपटने वाली नहीं। हमें खुशी है कि भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर सीधे हमले किए हैं और कइयों को तबाह किया है। ऑपरेशन सिंदूर का पहला निशाना पाकिस्तान में जैश-ए-मुहम्मद, हिजबुल मुजाहिद्दीन और लश्कर- ए- तैयाब के मुख्यालय और आतंकी प्रशिक्षण शिविर थे जिन्हें तबाह कर दिया गया है। अब सारे हमले पाकिस्तानी सेना के ठिकानों पर किए जा रहे हैं। गौरतलब बात यह है कि भारत ने किसी आम नागरिक या सिविलियन इलाकों पर हमले नहीं किए बल्कि सिर्प सैन्य ठिकानों पर। ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सेना ने हर लक्ष्य का चयन विश्वसनीय इंटेलिजेंस सूचनाओं के आधार पर किया। पहलगाम के 15 दिनों बाद जवाबी कार्रवाई कर पाकिस्तान को सुधरने का पूरा मौका दिया गया यानी पाकिस्तान अपनी गलती सुधारे और अपनी जमीन पर पल रहे आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई का पूरा मौका दिया गया। पर जब पाकिस्तान ने सुधार की जगह उल्टा धमकियां देनी शुरू कर दी तो जवाब देना जरूरी हो गया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से जब भारतीय हमलों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा हमने हनुमान के उस आदेश का पालन किया है जो उन्होंने अशोक वाटिका उजाड़ते समय दिया था। जिन मोहि मारा, तिन मोहि मारे अर्थात केवल उन्हीं को मारा है जिन्होंने हमारे मासूमों को मारा है। आज पूरा भारत देश एक है।

आज सारा देश एक है और चाहे वे सियासी पार्टियां हो, भारत की तमाम जनता हो वह सब अपनी बहादुर सेना के पीछे चट्टान की तरह खड़ी है। और रही पाकिस्तान की तो उसे शायद अब समझ आ रहा हो कि सिंदूर उजाड़ने की कितनी भारी कीमत अदा करनी पड़ रही है। सबसे पहले मैं अपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने न केवल अभूतपूर्व साहस दिखाया हमारी सेनाओं को जवाबी कार्रवाई करने की खुली छूट दी बल्कि पूरे ऑपरेशन का नाम ऑपरेशन सिंदूर रखा। सूत्रों ने कहा आतंकवादियों ने पहलगाम में 26 नागरिकों की हत्या कर दी थी जिनमें सभी पुरुष थे और उन मृतकों की पीड़ित पत्नियों को ध्यान में रखते हुए जवाबी अभियान के लिए ऑपरेशन सिंदूर नाम सबसे मुफीद समझा गया। यह न केवल एक सैन्य जवाबी कार्रवाई है बल्कि यह भारत की नारी शक्ति के सम्मान और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। सैन्य कार्रवाई की प्रेस ब्रीफिंग करने में भी विशेष ध्यान रखा गया। प्रेस ब्रीफिंग के लिए कर्नल सोफिया वुरैशी (मुस्लिम) और विंग कमांडर व्योमिका सिंह (हिंदू) को खासकर चुना गया ताकि पूरी दुनिया को यह संदेश जाए कि भारत एक है और नारी शक्ति के साथ खड़ा है। जिस किसी ने भी यह पैसला किया वह बधाई का पात्र है।

बुद्ध पूर्णिमा पर विशेष

दुनिया को युद्ध की नहीं, बुद्ध की जरूरत है

ललित गर्ग

ुद्ध जयन्ती वैशाख पूर्णिमा को मनायी जाती हैं। वैसे पूर्णिमा के दिन ही गौतम बुद्ध का जन्म, संबोधि एवं निर्वाण हुआ है। उनके जन्म से सिद्धार्थ बनने एवं बुद्धत्व तक की यात्रा एवं इससे जुड़ी कीर्ति किसी एक युग तक सीमित नहीं हैं। बुद्ध का लोकहितकारी चिन्तन एवं कर्म कालजयी, सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदैशिक है और युग-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करता रहेगा। गौतम बुद्ध एक प्रकाशस्तंभ है, जिसका प्रकाश केवल बाहरी दुनिया को ही नहीं, बल्कि भीतरी दुनिया को भी आलोकिक करता है। बुद्ध को सबसे महत्वपूर्ण भारतीय आध्यात्मिक महामनीषी, देवपुरुष, सिद्ध-संन्यासी, समाज-सुधारक धर्मगुरु माना जाता हैं। बुद्ध को भगवान विष्णु का नौवां अवतार भी माना जाता है, इस दृष्टि से हिन्दू धर्म में भी वे पूजनीय है। उन्हें धर्मक्रांति के साथ-साथ व्यक्ति एवं विचारक्रांति के सूत्रधार भी कह सकते हैं।

बुद्ध जयन्ती/बुद्ध पूर्णिमा बौद्ध अनुयायियों का ही नहीं, बल्कि मानवता में आस्था रखने वालों का एक प्रमुख त्यौहार है। बुद्ध जयन्ती वैशाख पूर्णिमा को मनायी जाती हैं। वैसे पूर्णिमा के दिन ही गौतम बुद्ध का जन्म, संबोधि एवं निर्वाण हुआ है। उनके जन्म से सिद्धार्थ बनने एवं बुद्धत्व तक की यात्रा एवं इससे जुड़ी कीर्ति किसी एक युग तक सीमित नहीं हैं। बुद्ध का लोकहितकारी चिन्तन एवं कर्म कालजयी, सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदैशिक है और युग-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करता रहेगा। गौतम बुद्ध एक प्रकाशस्तंभ है, जिसका प्रकाश केवल बाहरी दुनिया को ही नहीं, बल्कि भीतरी दुनिया को भी आलोकिक करता है। बुद्ध को सबसे महत्वपूर्ण भारतीय आध्यात्मिक महामनीषी, देवपुरुष, सिद्ध-संन्यासी, समाज-सुधारक धर्मगुरु माना जाता हैं। बुद्ध को भगवान विष्णु का नौवां अवतार भी माना जाता है, इस दृष्टि से हिन्दू धर्म में भी वे पूजनीय है। उन्हें धर्मक्रांति के साथ-साथ व्यक्ति एवं विचारक्रांति के सूत्रधार भी कह सकते हैं। उनकी क्रांतिवाणी उनके क्रांत व्यक्तित्व की द्योतक ही नहीं वरन् धार्मिक, सामाजिक विकृतियों एवं अंधरूढ़यों पर तीव्र कटाक्ष एवं परिवर्तन की प्रेरणा भी है, जिसने असंख्य मनुष्यों का जीवन-निर्माण किया एवं उनकी जीवन दिशा को बदला। बुद्ध संन्यासी बनने से पहले कपिलवस्तु के राजकुमार सिद्धार्थ थे। वे महलों में बंद न रह सके। उन्होंने सबसे पहले स्वयं ज्ञान-प्राप्ति का व्रत लिया था और वर्षों तक वनों में घूम-घूम कर तपस्या करके आत्मा को ज्ञान से आलोकित किया। उन्होंने अपने जीवन के प्रत्येक क्षण को जिस चैतन्य एवं प्रकाश के साथ जीया है, वह भारतीय ऋषि परम्परा के इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय है। स्वयं ने सत्य की ज्योति प्राप्त की, प्रेरक जीवन जीया और फिर जनता में बुराइयों के खिलाफ आवाज बुलन्द की। लोकजीवन को ऊंचा उठाने के उन्होंने जो हिमालयी प्रयत्न किये, वे अद्भुत और आश्चर्यकारी हैं। बुद्ध ने 27 वर्ष में राजपाट छोड़ा, गहन साधना एवं स्व की खोज के लिये भ्रमण करते हुए काशी के समीप सारनाथ पहुंचे, जहाँ उन्होंने धर्म परिवर्तन किया। यहाँ बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचें कठोर तप किया। कठोर तपस्या के बाद सिद्धार्थ को बुद्धत्व ज्ञान की प्राप्ति हुई और उसके बाद वह महान संन्यासी गौतम बुद्ध के नाम से जाने गये और अपने ज्ञान से समूचे विश्व को ज्योतिर्मय किया। कहा जाता है कि बुद्ध इतने गहरे ध्यान एवं साधना में लीन हो गये कि सारे देवता भी घबरा गये कि

यह दुर्लभता एवं अलौकिक-गहन साधना से मिली संबोधि बुद्ध के लीन रहने से व्यर्थ न चली जाये। इसी संबोधि से तो विश्व का कल्याण होना है। इसलिये देवताओं ने बुद्ध से जागृत रहने एवं प्राप्त संबोध से विश्व का कल्याण करने की प्रार्थना की। देवताओं की प्रार्थना को बुद्ध ने स्वीकारा और महानिर्वाण की अवस्था को त्याग कर जगत का कल्याण करने को अग्रसर हुए। बुद्ध ने जब अपने युग की जनता को धार्मिक-सामाजिक, आध्यात्मिक एवं अन्य यज्ञादि अनुष्ठानों को लेकर अज्ञान में घिरा देखा, साधारण जनता को धर्म के नाम पर अज्ञान में पाया, नारी को अपमानित होते देखा, शुद्रों के प्रति अत्याचार होते देखे- तो उनका मन जनता की सहानुभूति में उद्वेलित हो उठा। लोकजीवन को ऊंचा उठाने के लिये उन्होंने जो हिमालयी प्रयत्न किये, वे अद्भुत और आश्चर्यकारी है। बुद्ध के अनुसार जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त करना है। यदि स्वयं पर विजय प्राप्त कर लिया तो फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी। गौतम बुद्ध कहते हैं कि व्यक्ति कभी भी बुराई से बुराई को खत्म नहीं कर सकता है। इसे खत्म करने के लिए व्यक्ति को सत्य, प्रेम एवं करूणा का सहारा लेना पड़ता है। प्रेम से दुनिया की हर बड़ी चीजों को जीता जा सकता है। बुद्ध के अनुसार, खुशियां बांटने से हमेशा बढ़ती हैं, कभी कम नहीं होती हैं। गौतम बुद्ध के अनुसार, जीवन में तीन चीजें कभी भी छुपाकर नहीं रखी जा सकती है, वो है- सूर्य, चंद्रमा और सत्य। महात्मा गौतम बुद्ध बौद्ध धर्म के संस्थापक थे। उन्होंने अपने जीवन में हमेशा लोगों को अहिंसा, सत्य, संयम, प्रेम और करुणा का भाव सिखाया। बुद्ध पूर्णिमा पर अलग-अलग देशों में वहां के रीति-रिवाजों और संस्कृति के अनुसार समारोह आयोजित होते हैं। बुद्ध तो सम्राटों के सम्राट थे, राजाओं के राजा थे। इसलिये बुद्ध पूर्णिमा का दिन सिर्फ उनका जन्मोत्सव ही नहीं, उनका मरणोत्सव भी है, उनका ज्ञानोत्सव भी है एवं उनका संबोधि उत्सव भी है। बुद्ध पूर्णिमा को श्रीलंकाई 'वेसाक' उत्सव के रूप में मनाते हैं जो 'वैशाख' शब्द का अपभ्रंश है। बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए यह दिन ध्यान, तप, और करूणा के अभ्यास का प्रतीक है, जबकि हिंदू धर्म में इसे ईश्वर के अवतार के रूप में पूजा जाता है। महात्मा बुद्ध ने मध्यममार्ग अपनाते हुए अहिंसा युक्त दस शीलों का प्रचार किया तो लोगों ने उनकी बातों से स्वयं को सहज ही जुड़ा हुआ पाया। उनका मानना था कि मनुष्य यदि अपनी तृष्णाओं पर विजय प्राप्त कर ले तो वह निर्वाण प्राप्त कर सकता है। इस प्रकार उन्होंने पुरोहितवाद पर करारा प्रहार किया और व्यक्ति के महत्त्व को प्रतिष्ठित किया। जो मनुष्य बुद्ध की, धर्म की और संघ की शरण में आता है, वह सम्यक्ज्ञान से चार आर्य सत्यों को जानकर निर्वाण की परम स्थिति को पाने में सफल होता है। ये चार आर्य सत्य हैं - पहला दुःख, दूसरा दुःख का हेतु, तीसरा दुःख से मुक्ति और चौथा दुःख से मुक्ति की ओर ले जाने वाला अष्टांगिक मार्ग। इसी मार्ग की शरण लेने से मनुष्य का कल्याण होता है तथा वह सभी दुःखों से छुटकारा पा जाता है। निर्वाण के मायने है तृष्णाओं तथा वासनाओं का शान्त हो जाना। साथ ही दुखों से सर्वथा छुटकारे का नाम है- निर्वाण। बुद्ध का मानना था कि अति किसी बात की अच्छी नहीं होती है। मध्यम मार्ग ही ठीक होता है। बुद्ध ने कहा है - वैर से वैर कभी नहीं मिटता। अवैर (मैत्री) से ही वैर मिटता है - यही सनातन नियम है। गौतम बुद्ध ने बौद्ध धर्म का प्रवर्तन किया और अत्यन्त कुशलता से बौद्ध भिक्षुओं को संगठित किया और लोकतांत्रिक रूप में उनमें एकता की भावना का विकास किया। उनका अहिंसा एवं करुणा का सिद्धांत इतना लुभावना था कि सम्राट अशोक ने दो वर्ष बाद इससे प्रभावित होकर बौद्ध मत को स्वीकार किया और युद्धों पर रोक लगा दी। आज भी युद्ध एवं आतंक के दौर में बुद्ध का मार्ग ही कारगर है। क्योंकि बौद्ध मत एवं बुद्ध की शिक्षाएं देश की सीमाएँ लांघ कर विश्व के कोने-कोने तक अपनी ज्योति फैला रही है। आज भी इस धर्म की मानवतावादी, शांतिवादी, बुद्धिवादी और जनवादी परिकल्पनाओं को नकारा नहीं जा सकता और इनके माध्यम से भेद भावों से भरी व्यवस्था एवं हिंसा की मानसिकता पर जोरदार प्रहार किया जा सकता है। आज दुनिया को युद्ध नहीं, बुद्ध की आवश्यकता है। यही धर्म आज भी दुःखी, पीड़ति एवं अशान्त मानवता को शान्ति एवं सहजीवन प्रदान कर सकता है।

दृष्टि कोण

उम्दा रक्षा तकनीक से सधा 'ऑपरेशन सिंदूर'

भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा बीते 6-7 मई की रात को शुरू किया गया 'ऑपरेशन सिंदूर' एक सटीक सैन्य अभियान था, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करना था। यह अभियान 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया, जिसमें 26 पर्यटक मारे गए थे। ऑपरेशन का प्राथमिक उद्देश्य आतंकी संगठनों के बुनियादी ढांचे को ध्वस्त करना और भारत में भविष्य के हमलों को रोकना था। योजना की शुरुआत पहलगाम हमले के तुरंत बाद हुई, जब प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को खुफिया एजेंसियों और राष्ट्रीय तकनीकी अनुसंधान संगठन के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया। लक्ष्यों की पहचान के लिए सैटेलाइट इमेजरी, मानव खुफिया जानकारी और इंटरसेप्टेड संचार का उपयोग किया गया। ऑपरेशन को गोपनीय और सटीक रखने के लिए केवल शीर्ष सैन्य अधिकारियों और सरकारी नेतृत्व को इसकी जानकारी थी। यह सुनिश्चित किया गया कि हमले आतंकी ठिकानों तक सीमित रहें। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना, नौसेना, और वायुसेना ने संयुक्त रूप से काम किया, जो 54 वर्षों में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर हुआ। भारतीय वायुसेना ने राफेल और मिराज 2000 लड़ाकू विमानों को तैनात किया, जो सटीक हमलों के लिए महत्वपूर्ण थे। थल सेना ने एम777 हल्की होवित्जर तोपों के साथ सहायता प्रदान की, जबकि नौसेना ने समुद्री निगरानी और समर्थन

में योगदान दिया। विशेष बलों ने ऑपरेशन से पहले लक्ष्यों की टोह ली और हमलों के बाद नुकसान का आकलन किया। ऑपरेशन के बारे में प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी साझा की गई। जिसमें बताया गया कि नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया गया। खुफिया एजेंसियों, विशेष रूप से रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ), ने लक्ष्यों का चयन किया, जैसे कि बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद का मरकज सुभान अल्लाह और मुजफ्फराबाद में सैयदना बिलाल कैंप। ऑपरेशन में अत्याधुनिक हथियारों और उपकरणों का उपयोग किया गया। भारतीय वायुसेना ने राफेल विमानों से स्कैल्प क्रूज मिसाइलें और हैमर सटीक-निर्देशित बम दागे। स्कैल्प मिसाइलें स्टील्थ तकनीक से लैस थीं, जो रडार से बचकर कम ऊंचाई पर उड़ान भरती हैं और 450 किलोग्राम वॉरहेड के साथ बंकरों को नष्ट करने में सक्षम हैं। हैमर बमों में जीपीएस और लेजर गाइडेंस सिस्टम था, जो रात और प्रतिकूल मौसम में भी सटीक हमले सुनिश्चित करता है। मिराज 2000 जेट्स ने स्पाइस 2000 और पोपआई बमों का उपयोग किया, जबकि एम777 होवित्जर तोपों से एक्सकैलिबर 155 मिमी सटीक-निर्देशित गोले दागे गए। आत्मघाती ड्रोन, जैसे स्काईस्ट्राइकर लॉइटरिंग म्युनिशन, ने छोटे लेकिन महत्वपूर्ण लक्ष्यों को नष्ट किया। मेटियोर मिसाइलों ने हवाई सुरक्षा सुनिश्चित की। इन हथियारों ने भारत की सैन्य तकनीक में उन्नति को प्रदर्शित किया, जो 2019 के बालाकोट हमले की तुलना में अधिक सटीक और प्रभावी थी। ड्रोन और सैटेलाइट तकनीक ने ऑपरेशन सिंदूर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हेरॉन ड्रोन ने रीयल-टाइम सर्विलांस और माइक्रो-म्युनिशन हमलों में योगदान दिया। स्काईस्ट्राइकर जैसे कामिकेज ड्रोन ने लक्ष्यों पर लंबे समय तक मंडराकर सटीक हमले किए। सैटेलाइट इमेजरी ने लक्ष्यों की सटीक स्थिति और नुकसान के आकलन में मदद की।

कुछ अलग

पाक के परमाणु बम पर सोचें

युद्ध की आशंकाओं से लरजती शनिवार की शाम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ट्वीट शांति की समझ लेकर आया। उन्होंने दोनों देशों को बधाई दी कि वे संपूर्ण संघर्ष-विराम के लिए तैयार हो गए हैं। बाद में भारत और पाकिस्तान, दोनों ने इसकी पुष्टि की। जो लोग अमन चाहते थे, उनके लिए यह खबर यकीनन सुकूनदेह है। जंग किसी समस्या का हल नहीं, पर क्या हमारे ऊपर थोपे जाने वाले आतंकवाद की आहटें हमेशा के लिए थम गईं? तत्काल इसका जवाब देना असंभव है, पर एक बात तय है कि भारत ने अपना तात्कालिक लक्ष्य हासिल कर लिया है। पाकिस्तान में चल रहे आतंक के तमाम अड्डे ध्वस्त किए जा चुके हैं। पड़ोसी के साथ समूची दुनिया को संदेश मिल गया है कि अब पुरानी रवायत नहीं चल सकती। भारत का रुख हमेशा की तरह साफ था कि हम युद्ध नहीं चाहते। हमारी लड़ाई किसी मुल्क से नहीं, बल्कि आतंकवादियों से है। उन आतंकवादियों से, जो हमारे सपूतों के खून से अपने हाथ धोकर पाकिस्तान के अपने शरणालयों में चले जाना चाहते हैं। हम उनके उन आकाओं का खात्मा चाहते हैं, जिन्होंने पिछली 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में धार्मिक आधार पर 26 भारतीयों की हत्या की साजिश रची। उन्हें खत्म करना, हमारी पवित्र जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में नई दिल्ली की सरकार ने यही तो किया। दुर्भाग्य से पाकिस्तान अपनी पांच हजार साल पुरानी रवायत को भूल गया है। धर्म जोड़ने के लिए होता है, तोड़ने के लिए नहीं। भरोसा न हो, तो उनकी मिसाइलों के नाम देख लीजिए- गजनी, अब्दाली और न जाने क्या-क्या! वे भूल कैसे गए कि मध्य एशिया से आने वाले आक्रामकों ने सबसे पहले हिन्दुस्तान की उसी सरजमीं पर कदम रखा था, जिसे आज पाकिस्तान कहते हैं? सबसे पहली कत्लोगारत और महिलाओं पर अत्याचार वहीं हुए थे। पड़ोसी मुल्क का दुर्भाग्य है कि उसके रहनुमा हमेशा से नेकी के नाम पर बदी करते आए हैं। जुल्फिकार अली भुट्टो का नाम तो आपको याद होगा। उन्होंने कहा था- हम भारत से हजार साल तक लड़ेंगे। उनके दोस्त से जानलेवा दुश्मन बने जनरल जियाउल हक हमें हजार घाव देना चाहते थे, ताकि लहू (जान-माल) रिसता रहे और देश कमजोर होता रहे। आज पाकिस्तान के साथ यही हो रहा है। वह जो महंगे मिसाइल और ड्रोन हम पर दागता है, उनको आसमान में ही ठंडा कर दिया जाता है। यह उस देश का आत्मघात नहीं तो और क्या है, जहां एक बोरी आटे के लिए लोग एक-दूसरे की जान लेने पर आमादा हो जाते हैं! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देख-रेख में भारतीय सेनाओं ने सोची-समझी रणनीति और तालमेल के साथ पाक के तमाम शहरों पर सफल हमले किए हैं। पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठानों के साथ इस कार्रवाई के जरिये भारत सरकार ने न केवल पाकिस्तान, बल्कि समूची दुनिया को स्पष्ट संदेश दे दिया कि हमें संयम बरतना आता है, लेकिन अपने ऊपर हुआ हमला हमें बर्दाश्त नहीं। यकीनन, आने वाले वक्त में सैन्य विज्ञान के विद्यार्थी सगर्व पढ़ेंगे कि भारत ने किस तरह उरी, बालाकोट और मई 2025 के प्रतिकार के जरिये परत-दर-परत एक नई सुरक्षा नीति की सर्जना कर दी है। पाकिस्तान अगर इस मुकाम पर नहीं सुधरा, तो उसका अंजाम और भी बुरा हो सकता है। भारत ने यह भी साबित कर दिया कि हम पाकिस्तानी नेताओं और रावलपिंडी के जनरल साहबान की उन भभकियों से नहीं डरने वाले कि हम परमाणु हमला कर देंगे।

देश दुनिया से

भारत का अद्भुत पराक्रम

आतंकवाद के विरुद्ध भारत के अद्भुत पराक्रम को पूरे विश्व ने देखा। पाकिस्तान को भी उम्मीद नहीं होगी कि भारत इतनी तैयारी के साथ आधी रात के बाद न केवल पाक अधिकृत कश्मीर बल्कि पाक की अन्य सीमाओं में एक साथ अनेक जगहों पर सटीक मिसाइल हमले करेगा। उरी में सैनिकों पर आतंकवादी हमला में भारत ने 11वें दिन पाक अधिकृत कश्मीर में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक की। पुलवामा सीआरपीएफ शिविर पर हमले के 13वें दिन बालाकोट के आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक यानी हवाई बमबारी की गई। पहलगाम हमले के 15वें दिन भारत ने मिसाइल हमला करके अब तक के सबसे बड़े और साहसी करवाई को अंजाम दिया है। जैसा कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया कि रात 1:05 से 1:30 पर ऑपरेशन सिंदूर के नाम से भारत में 9 ठिकानों पर हमला किया जिनमें पांच पाक अधिकृत कश्मीर और चार पाकिस्तान के अंदर हैं। इस बार भारत ने इसके साथ 18 आधिकारिक तस्वीर भी जारी कर दी जिसे किसी के पास प्रश्न उठाने का कोई कारण नहीं रह गया। वैसे भी जब जैश ए मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर बयान जारी कर रो रहा है कि उसके 10 लोग मारे गए और वह क्यों नहीं मर गया तो फिर संदेह का कारण नहीं है। 2016 के सर्जिकल स्ट्राइक को तो छोड़िए 22 फरवरी 2019 के बालाकोट हवाई बमबारी पर भी हमारे देश के नेताओं ने कटाक्ष किया, उसका उपहास उड़ाया। इस बार सबके मुंह बंद है क्योंकि पाकिस्तान ने स्वयं स्वीकार किया है। पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के डॉयरेक्टर लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने सबसे पहले कहा कि भारत ने 24 मिसाइलें दागी हैं। वास्तव में जब प्रधानमंत्री ने मधुबनी की सभा से कहा कि इस बार की कार्रवाई दुश्मन की कल्पना से परे होगा तथा उनको मिट्टी में मिलाने का वक्त आ गया है तो साफ था कि पूर्व की दो कार्रवाइयों से ज्यादा बड़ी, विस्तृत और आतंकवाद की दृष्टि से प्रभावी एवं निर्णायक कार्रवाई हो सकती है। जैसा कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका ने बताया भारत ने अपनी रक्षा आत्मरक्षा के तहत कार्रवाई की है और इस बात का ध्यान रखा गया कि आम नागरिकों और सैनिक ठिकानों को हमारी मिसाइलें स्पर्श न करें। उन स्थानों को देखिए जहां-जहां मिसाइल हमले हुए तब पता चल जाएगा कि कितनी बड़ी कार्रवाई थी। बताया गया कि जिन नौ ठिकानों पर हमले किए गए, उसके पीछे भारतीय सेना का मकसद क्या था। दोनों महिला जवानों ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए वीभत्स आतंकी हमले के शिकार नागरिकों और उनके परिवारों को न्याय देने के लिए किया गया। जिन नौ ठिकानों की पहचान कर बर्बाद किया गया उनमें में आतंकियों को प्रशिक्षित किया जाता था। ये आतंकियों के लॉन्च पैड थे। एक, नियंत्रण रेखा से 30 किलोमीटर दूर मुजफ्फराबाद का सवाईनाला कैंप लश्कर का ट्रेनिंग सेंटर था। सोनमर्ग, गुलमर्ग और पहलगाम में आतंकी हमला करने वाले आतंकवादियों ने यहीं प्रशिक्षण लिया था। दो, सैयदना बिलाल कैंप (पीओजेके) जैश-ए-मोहम्मद का ठिकाना है जहां हथियारों और विस्फोटकों को

रखा जाता था, जंगल में जिंदा रहने का प्रशिक्षण मिलता था। तीन, कोटली गुलपुर भी संगठन- लश्कर-ए-तैय्यबा का अड्डा था। यहां के आतंकी जम्मू-कश्मीर के राजौरी-पुंछ में सक्रिय थे। चौथा निशाना नियंत्रण रेखा से 9 किलोमीटर दूर भींबर का बरनाला कैंप था जहां हथियारों की हैंडलिंग, बारुदी सुरंग आईईडी और जंगल में बचे रहने का प्रशिक्षण मिल जाता था। पांचवां मिसाइल हमला नियंत्रण रेखा से 13 किमी दूरअब्बास कैंप कोटली पर किया गया जहां लश्कर के आतंकवादी आत्मघाती तैयार किए जाते थे और एक बार में यहां 15 को प्रशिक्षण देने की क्षमता थी। पाक अधिकृत कश्मीर के इन ठिकानों को नष्ट करने के बाद मिसाइल पाकिस्तानी सीमा के भीतर चल रहे आतंकी ठिकानों पर गरजे। एक, सबसे पहले अंतरराष्ट्रीय सीमा से 6 किमी दूर और जम्मू-कश्मीर के सांबा-कठुआ के सामने सरजल कैंप सियालकोट पर हमला किया। दूसरे नंबर पर अंतरराष्ट्रीय सीमा से 12-18 किमी दूर सियालकोट का महमूना जोया कैंप था जो हिजबुल का बड़ा अड्डा था। यहां से कठुआ में आतंकवादी गतिविधियां चलतीं थीं। पठानकोट वायु सेवा अड्डे हमला का का पूरा षड्यंत्र उसे अंजाम देने की योजना यही बनी थी। तीसरे नंबर पर अंतर्राष्ट्रीय सीमा से 18-25 किमी दूर हाफिज सईद के मुरीदके में मरकज-तैयबा था जहां 2008 के मुंबई आतंकी हमले के आतंकवादी प्रशिक्षित हुए। कसाब और डेविड हेर्डली को यही प्रशिक्षित किया गया था। और सबसे अंत में अंतरराष्ट्रीय सीमासे करीब 100 किलोमीटर दूर बहावलपुर में मरकज सुभानअल्लाह पर हमला किया। यह जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय है जो आतंकवादियों का व्यापक सुरक्षित केंद्र है जहां भर्ती से लेकर वैचारिक हथियारों के प्रशिक्षण और उन्हें सीमा पार करने सहित सारी व्यवस्थाएं थी। मसूद अजहर के परिवार के 10 लोग भी मिसाइल के प्यार हो गए। भारत को बर्बाद करने की कसमें खाने वाले मसूद आज फूट-फूट कर रोए तो कल्पना कर सकते हैं कि हमला उसके सारे सपनों को एकबारगी ध्वस्त करने वाला साबित हुआ है। इसमें मसूद अजहर की बड़ी बहन और उसके पति, भांजे और उसकी पत्नी और अन्य भतीजों और परिवार के पांच बच्चों के साथ उसके करीबी सहयोगी और उसकी मां और दो अन्य करीबी सहयोगियों की भी मौत हुई है। इसमें आतंकवादी कमांडर इकबाल करी के साथ हमले में 10 अन्य आतंकी भी मारे गए हैं। बिलाल आतंकी शिविर के प्रमुख याकूब मुगल की भी मौत हुई है। बहावलपुर के बाहरी इलाके में कराची-तोरखाम राजमार्ग पर 15 एकड़ में फैले मरकज सुभान अल्लाह मसूद अजहर का किला था जो 2019 में पुलवामा आतंकवादी हमले सहित अनेक हमले का केंद्र रहा है। मसूद अजहर का घर मरकज सुभान अल्लाह में ही है। इस तरह देखें तो भारतीय सेना ने केवल पहलगाम हमले के दोषियों को ही सजा नहीं दी बल्कि पिछले लंबे समय से आतंकवादी हमला करने के मुख्य केंद्रों और भविष्य के षड्यंत्र रचने वालों केन्द्रों को भी तबाह कर दिया।

आप का नजरिया

अपनी मौत बुलाता पाकिस्तान

आतंकवाद का पोषण करने वाली पाकिस्तान की सेना अपने देश को खतरनाक रास्ते पर ले जा रहे हैं, जहाँ उसकी बर्बादी के अलावा और कोई अंजाम नहीं है। भविष्य में जनरल असीम मुनीर को पाकिस्तान की जनता बद्दुआएं देगी। आतंकवादियों के मारे जाने पर पाकिस्तान की सेना जिस तरह बौखलाकर भारत के नागरिक क्षेत्रों पर हमला कर रही है, उसमें उसकी कायरता ही सामने आती है। भारत पर हमला करके पाकिस्तान ने एक तरह से अपनी मौत बुलाई है। पाकिस्तानी सेना के आत्मघाती इरादों के सामने वहाँ की हुकूमत ने भी घुटने टेक दिए हैं। उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर में जब भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तानी कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में 9 आतंकी ठिकानों पर हमले करके उन्हें नेस्तनाबूद कर दिया था, तब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का पहला बयान इसी ओर इशारा कर रहा था कि वह कोई भड़काऊ जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा। जबकि, पहले वाले इनके बयान काफी भड़कीले रहे थे। लेकिन, मुनीर की सेना अपनी सरकार की बात मानने को तैयार नहीं हुई। उन्होंने बदला लेने की कसम खाई और शहबाज शरीफ की सरकार को अपनी बात मानने के लिए मजबूर कर दिया। पाकिस्तान की यही सबसे बड़ी त्रासदी है कि सरकार के पास कोई अधिकार नहीं है। सेना जो कहती है, वही होता है। ऐसा प्रतीत होता है कि पाकिस्तान की फौज अपने अस्तित्व और प्रभुत्व को बचाने के लिए पाकिस्तान को गहरे अंधकार में धकेलने का मन बना चुकी है। जब तक पाकिस्तान की सेना नियंत्रण रेखा पर युद्ध विराम का उल्लंघन करके गोली-बारी कर रही थी, तब तक भारत भी बर्दाश्त कर रहा था लेकिन अपने निर्दोष नागरिकों पर हमले भारत को स्वीकार नहीं है। पाकिस्तान की ओर से जिस प्रकार सीमारेखा से लगे रहवासी क्षेत्रों में ड्रोन और फाइटर प्लेन से हमला करने का प्रयास किया, उसको नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। भारतीय सेना की सराहना करनी चाहिए कि उसने पाकिस्तान की नापाक हरकतों का पहले ही अंदाजा लगा लिया था। इसलिए पाकिस्तान का एक भी हमला सफल नहीं हो सका। भारतीय सेना ने हवा में ही पाकिस्तान के सभी ड्रोन मार गिराए। उससे पहले भारत ने पाकिस्तान का एयर डिफेंस भी तबाह कर दिया। इसके बाद भी यदि पाकिस्तान को भारत की ताकत का अंदाजा नहीं हो पा रहा है, तो उससे अधिक मूर्ख और कोई नहीं। यह माना जा सकता है कि कुछ वैश्विक ताकतें अंदरखाने पाकिस्तान को भारत से युद्ध के लिए उकसा रही होंगी लेकिन ऐसा कुछ करने से पहले पाकिस्तान को अपने वर्तमान और भविष्य के बारे में ठीक प्रकार से विचार कर लेना चाहिए। पाकिस्तान यह भी देखे कि उसके साथ कोई भी देश खड़ा होने को तैयार नहीं है। यहाँ तक कि चीन ने भी पर्याप्त दूरी बना ली है। अरब देशों से भी पाकिस्तान को सहयोग नहीं मिल पा रहा है। यह भारत की कूटनीतिक जीत है कि उसने पिछले 10-12 वर्षों में अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को नये ढंग से मजबूत किया है।

अमेरिका में दवाएं होंगी सस्ती, ट्रंप का नागरिकों से वादा

वाशिंगटन,12 मई (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका में दवाएं 30 प्रतिशत तक सस्ती होने जा रही हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रिस्क्रिप्टिड और फार्मा प्रोडक्ट्स की कीमतें कम करने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे। ट्रंप ने रविवार को अपने फैसले से देशवासियों को अवगत कराया है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने अपना इरादा ट्रुथ सोशल पर जताया है। उन्होंने कहा कि वह इस आशय के कार्यकारी आदेश पर सोमवार को हस्ताक्षर करेंगे । इसके बाद दवाइयों की कीमतें तुरंत कम कर दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि कई सालों से देख रहा हूं कि संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रिस्क्रिप्टिड ड्रग्स और फार्मास्यूटिकल्स के दाम अन्य देश की तुलना में काफी ज्यादा हैं, लेकिन क्यों हैं, यह आज तक समझ नहीं पाया।

उन्होंने कहा कि कभी-कभी तो एक कंपनी की प्रयोगशाला या प्लांट में निर्मित एक दवा अन्य कंपनियों की दवा की तुलना में पांच से 10 गुना ज्यादा महंगी होती हैं। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर विस्तार से बात की है। उन्होंने लिखा कि फार्मा कंपनियां रिसर्च और निर्माण लागत को दवाइयों की ऊंची कीमतों का कारण बता रही हैं। वह दवाइयां सस्ती करने का आदेश जारी करेंगे।

कार्यकारी आदेश यूएस स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग को मेडिकेयर को निर्देश देगा कि वह डॉक्टर के कार्यालय में दी जाने वाली दवाओं के लिए भुगतान की जाने वाली राशि को अन्य देशों को भुगतान की जाने वाली न्यूनतम कीमत से जोड़े। राष्ट्रपति का मानना है कि यह सबसे पसंदीदा राष्ट्र नीति होगी। इससे देश के नागरिकों की स्वास्थ्य सेवा लागत में कमी आएगी।

ट्रंप प्रशासन के स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने पिछले मंगलवार को ऐसी नीति का संकेत दिया था, जिसमें ब्लॉकबस्टर मधुमेह की दवा ओजेम्पिक के लिए यूरोप की उच्च कीमतों की ओर इशारा किया गया था। कैनेडी ने कहा था कि हम दवा कंपनियों के साथ इस पर बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे मधुमेह ही नहीं कैंसर के उपचार में इस्तेमाल की जाने वाली दवाएं भी सस्ती होंगी।

ट्रंप ने दावा किया कि इस योजना से सरकार को खरबों डॉलर की बचत होगी। उल्लेखनीय है कि मेडिकेयर लगभग 70 मिलियन वृद्ध अमेरिकियों को स्वास्थ्य बीमा प्रदान करता है। अमेरिका में दवाओं की कीमतें अन्य बड़े और धनी देशों की तुलना में भी बहुत अधिक हैं।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में चारमंजिला अपार्टमेंट में आग लगने से चार की मौत

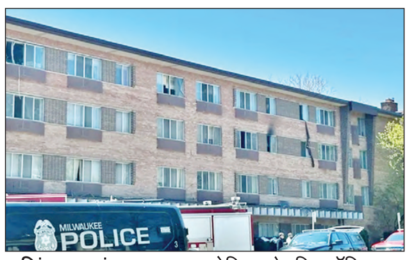

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के विस्कॉन्सिन प्रांत के मिल्वौकी में रविवार को एक चारमंजिला अपार्टमेंट में आग लगने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और चार अन्य झुलस हो गए। मिल्वौकी फायर चीफ आरोन लिप्स्की के अनुसार ने इसकी पुष्टि की। यूएस टुडे अखबार की खबर के अनुसार, स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 7 :45 बजे शहर के पश्चिमी हिस्से में स्थित चारमंजिला अपार्टमेंट में सबसे पहले बचावकर्मी पहुंचे। लगभग 22 दमकल गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। लिप्स्की ने बताया कि लगभग 30 लोगों को सीढ़ियों से बचाया गया या दमकलकर्मियों ने उन्हें बाहर निकाला। आग लगने की सूचना देने वाले ने यह आशंका जताई थी कि कुछ लोग दूसरी मंजिल से कूद भी गए हैं। लिप्स्की ने कहा कि आग इमारत के एक सार्वजनिक क्षेत्र में लगी थी। यह धीरे-धीरे सारे अपार्टमेंट में फैल गई। मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है।चार अन्य की हालत गंभीर है। यह इमारत 1968 में बनी थी।

तिब्बत में भूकंप से हिली धरती, उप्र और बिहार के सीमावर्ती क्षेत्र में महसूस किए गए झटके

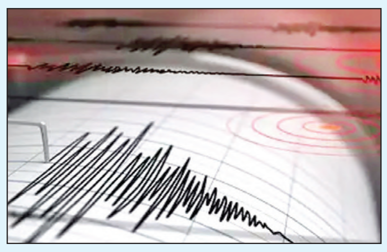

ल्हासा। तिब्बत में तड़के भूकंप के तेज झटकों ने सो रहे लोगों को हिलाकर रख दिया। तिब्बत में रिक्टर स्केल पर 5.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। इसका असर भारत के उत्तर प्रदेश और बिहार के सीमावर्ती इलाकों तक महसूस किया गया। झटके महसूस होते ही यहां के लोग दहशत में अपने घरों से बाहर निकल आए। भारत के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र 29.02ए उत्तरी अक्षांश और 87.48ए पूर्वी देशांतर पर स्थित था और इसकी गहराई जमीन पर करीब 10 किलोमीटर थी। यह इलाका हिमालयी भूगर्भीय क्षेत्र में आता है। भूकंप लिए क्षेत्र को अत्यधिक संवेदनशील माना जाता है। यहां अकसर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। बताया गया है कि उत्तर प्रदेश और बिहार के सीमावर्ती जिलों में अचानक आए झटकों से लोग नींद से जाग गए और आनन-फानन में घर छोड़कर बाहर आ गए। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि किस तरह भूकंप के झटकों ने उन्हें डराया। फिलहाल राहत की बात यह है कि इस भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र और स्थानीय प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए सतर्कता बरती जा रही है।

बदलेगी ट्रंप की सवारी, कतर से मिलेगा उपहार में हवाई महल बोइंग 747-8 जंबो जेट

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द ही एयर फोर्स वन के स्थान पर बोइंग 747-8 जंबो जेट से सवारी करते नजर आएंगे। बोइंग 747-8 जंबो जेट कतर का है। कतर का शाही परिवार उन्हें उपहार के रूप में बोइंग 747-8 जंबो जेट भेंट करने जा रहा है। यह बेहद मूल्यवान और आलीशान विमान है। इसे हवाई महल और उड़ता हुआ महल भी कहा जाता है। एबीसी न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की है अमेरिकी सरकार के लिए अब तक का सबसे बड़ा विदेशी उपहार होगा।ट्रंप प्रशासन कतर के शाही परिवार से इसे स्वीकार करने की तैयारी कर रहा है। एक ऐसा उपहार होगा जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पद छोड़ने से कुछ समय पहले नए एयर फोर्स वन के रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध होगा। उस समय विमान का स्वामित्व ट्रंप प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी फाउंडेशन को हस्तांतरित किया जाएगा। सोशल मीडिया पर रविवार रात एक पोस्ट में ट्रंप ने पुष्टि की कि उनका प्रशासन विमान को स्वीकार करने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने इसे रक्षा विभाग के साथ बहुत ही सार्वजनिक और पारदर्शी लेनदेन बताया। ट्रंप फरवरी में इस विमान का अवलोकन कर चुके हैं। यह इतना इतना भव्य और सुसज्जित है कि इसे हवाई महला और उड़ता हुआ महल कहा जाता है। इसे फरवरी में वेस्ट पाम बीच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पार्क किया गया था।

ट्रंप के मध्य पूर्व दौरे से पहले हमास का अमेरिकी बंधक एडन अलेक्जेंडर को रिहा करने का एलान

यरूशलम,12 मई (एजेंसियां)।

फिलिस्तीनी सशस्त्र समूह और कुख्यात आतंकी संगठन हमास ने आखिरी अमेरिकी बंधक एडन अलेक्जेंडर को रिहा करने की घोषणा की है। हालांकि घोषणा में यह नहीं बताया कि वह एडन अलेक्जेंडर को कब रिहा करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के मध्य पूर्व और इस क्षेत्र का दौरा करने की उम्मीद से कुछ ही दिन पहले हमास ने यह एलान किया है।

खबर के अनुसार, हमास के प्रमुख वार्ताकार खलील अल-हय्या ने रविवार देररात यह घोषणा की। उन्होंने बयान में कहा कि हमास ने संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ बातचीत के बाद 21 वर्षीय बंधक एडन अलेक्जेंडर को रिहा करने पर सहमति जताई है। खलील ने कहा कि हमास गाजा में बंदी बनाए गए अंतिम जीवित अमेरिकी नागरिक को रिहा कर देगा। हालांकि खलील ने यह साफ नहीं किया कि अलेक्जेंडर को कब रिहा किया जाएगा और इसके बदले में उसने समझौता किया है।

न्यू जर्सी के टेनाफली में पले-बढ़े अलेक्जेंडर के पास इस समय इजराइली और अमेरिकी (दोहरी) नागरिकता है। वह हाईस्कूल करने के बाद सेना में सेवा करने के लिए इजराइल चले गए। 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के आतंकवादियों ने उन्हें 200 लोगों के साथ सैन्य चौकी से अगवा कर लिया था। ट्रंप का कूटनीतिक दौरा मंगलवार को शुरू हो सकता है। ईरान के साथ अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत को लेकर इजराइल के साथ असहमति के मद्देनजर ट्रंप के सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर का दौरा करने की उम्मीद है। ट्रंप हालांकि इजराइल नहीं जा रहे हों।

एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ट्रंप प्रशासन को उम्मीद है कि एलन को सोमवार को रिहा किया जा सकता है। ट्रंप के मध्य पूर्व दूत स्टीव विटकॉफ और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अलेक्जेंडर की रिहाई सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ट्रंप ने अलेक्जेंडर की आसन्न रिहाई की खबर को संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रति सद्भावनापूर्वक उठाया गया कदम कहा है।

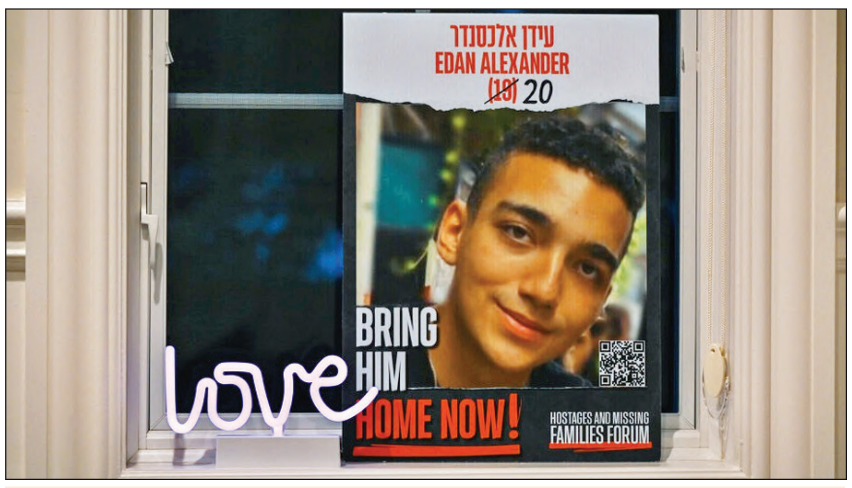

अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में महत्वपूर्ण प्रगति, व्यापार घाटा कम करने पर बनी सहमति

जेनेवा। अमेरिका और चीन के बीच चल रहे व्यापार युद्ध को कम करने की दिशा में दो दिवसीय वार्ता के बाद 'महत्वपूर्ण प्रगति' हुई है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने रविवार को यह जानकारी दी। हालांकि, उन्होंने समझौते का ब्योरा साझा नहीं किया और कहा कि इसकी घोषणा सोमवार को की जाएगी। उन्होंने यह जरूर कहा कि दोनों देशों के बीच लगाए गए अत्यधिक टैरिफ को कम करने की जरूरत है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि इस दिशा में कोई समझौता हुआ की नहीं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रियर ने इस वार्ता को एक सफल और व्यावहारिक समझौता बताया, जो अमेरिका के 1.2 ट्रिलियन डॉलर के वैश्विक व्यापार घाटे को कम करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा, दो दिन की बातचीत बेहद रचनात्मक रही। यह इस बात का संकेत है कि अमेरिका और चीन के बीच मतभेद उतने गंभीर नहीं थे जितना अनुमान लगाया गया था। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि चीनी वार्ताकार बेहद कठिन सौदाबाज थे। ग्रियर ने चीन के उप प्रधानमंत्री हे लिफेंग और दो अन्य चीनी उप मंत्रियों के साथ इस वार्ता में भाग लिया था। व्हाइट हाउस के आर्थिक सलाहकार केविन हैसेट ने भी कहा कि चीन अमेरिका के साथ व्यापार संतुलन बहाल करने को लेकर बेहद इच्छुक है और आने वाले दिनों में अन्य देशों के साथ भी व्यापार समझौते हो सकते हैं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन वार्ताओं को दोनों देशों के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, चीन के साथ एक बहुत अच्छी बैठक हुई। कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई और बहुत कुछ तय भी हुआ। दोनों देशों के लिए यह एक महान प्रगति है। यह वार्ता ऐसे समय पर हुई है जब अमेरिका और चीन एक-दूसरे के उत्पादों पर 100 फीसदी से अधिक शुल्क लगा चुके हैं, जिससे वैश्विक व्यापार और निवेश पर असर पड़ा है।

श्रीलंका में बस हादसा, 22 बौद्धों की मौत, राहत और बचाव अभियान तेज किया गया

कोलंबो,12 मई (एजेंसियां)।

श्रीलंका में कल सुबह हुई बस दुर्घटना में कम से कम 22 बौद्धों की मौत हो गई। यह हादसा गारडीला क्षेत्र के रामबोडा में फॉल्स के पास हुआ। यह सरकारी बस है। बस चट्टान से टकरा कर 100 फीट नीचे खाई में पलट गई। बस कटारगामा से कुरुनेगला तक चलती है।

खबर के अनुसार, दुर्घटनास्थल पर आपातकालीन निकासी के लिए हेलीकॉप्टर को स्टैंडबाय पर रखा गया है। सरकार ने राहत और बचाव अभियान तेज किया है। इस हादसे में 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। मृतकों में 16 पुरुष और छह महिलाएं शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, बस में 60-70 यात्री सवार थे। घायलों को कोटमाले, गमपोला, नवलपिटिया और नुवारा एलिया अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से कई की हालत गंभीर है।

बस में फंसे यात्रियों को निकालने के लिए बचाव अभियान जारी है। रक्षा मंत्रालय के सचिव के निर्देशों के तहत श्रीलंका वायु सेना ने रत्मालाना हवाई अड्डे पर दो बेल 412 हेलीकॉप्टरों को स्टैंडबाय पर रखा है, ताकि जरूरत पड़ने पर आपातकालीन निकासी में मदद मिल सके।

इस त्रासदी के जवाब में, सरकार ने घोषणा की है कि दुर्घटना के प्रत्येक पीड़ित के परिवारों को 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। इस निर्णय की पुष्टि परिवहन उपमंत्री डॉ. प्रसन्ना गुनासेना ने की। कोटमाले पुलिस घटना की जांच कर रही है।

मोटापा कम करने वाली दवाएं शराब की लत छुड़ाने में कारगर : शोध

मोटापा कम करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवाएं, जैसे लिराग्लूटाइड और सेमाग्लूटाइड, शराब की लत छुड़ाने में भी मददगार साबित हो सकती हैं। यह दावा किया है एक ताजा अध्ययन में। आमतौर पर ये दवाएं वजन घटाने के लिए दी जाती हैं, लेकिन वैज्ञानिकों ने पाया है कि इनका असर मस्तिष्क के उस हिस्से पर भी होता है जहां शराब की तलब पैदा होती है। इससे व्यक्ति की शराब पीने की इच्छा स्वतः ही कम हो जाती है। शराब की लत यानी अल्कोहल यूज डिसऑर्डर एक गंभीर वैश्विक समस्या है, जिससे हर साल करीब 26 लाख लोगों की जान चली जाती है। इसका इलाज आमतौर पर काउंसलिंग, कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी और दवाओं के जरिए किया जाता है, लेकिन इन तरीकों से लंबे समय तक सफलता नहीं मिलती। अधिकतर मरीज पहले साल में ही दोबारा शराब पीना शुरू कर देते हैं। इसी चुनौती के बीच वैज्ञानिकों ने देखा कि मोटापा घटाने वाली दवाएं न सिर्फ वजन कम करती हैं, बल्कि शराब पीने की इच्छा को भी नियंत्रित करती हैं।

नेपाल में राजतंत्र के पक्ष में अनिश्चितकालीन आंदोलन को 40 से अधिक संगठनों का समर्थन

काठमांडू,12 मई (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (राप्रपा) के नेतृत्व में राजतंत्र की पुनर्स्थापना की मांग को लेकर 29 मई से शुरू होने जा रहे काठमांडू केन्द्रित अनिश्चितकालीन आंदोलन को 40 से अधिक संगठनों का समर्थन मिला है।

काठमांडू में आयोजित बैठक में राप्रपा के अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन के नेतृत्व में संयुक्त जनआंदोलन समिति ने घोषणा की कि 40 से अधिक संस्थाओं ने अपना पूर्ण समर्थन जताते हुए इसमें सहभागी होने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है। बैठक के दौरान लिंगदेन ने कहा कि इस बार का अनिश्चितकालीन आंदोलन राजशाही की पुनर्स्थापना के बिना खत्म नहीं होने वाला है।

उन्होंने कहा कि जिस दिन नेपाल का नया संविधान जारी हुआ, जिस दिन नेपाल में राजतंत्र की समाप्ति की औपचारिक घोषणा की गई और जिस दिन नेपाल को गणतंत्र देश घोषित किया गया उसी दिन से राजशाही की पुनर्स्थापना के लिए अनिश्चितकालीन आंदोलन की शुरुआत की जा रही है। राजेन्द्र लिंगदेन ने कहा कि इस बार के आंदोलन में काठमांडू से बाहर की भी जनता से इस आंदोलन में सहभागी होने का आह्वान किया गया है।

राजशाही की मांग रख कर अपनी राजनीति करने वाले कमल थापा ने भी इसमें सहभागी होने की घोषणा की है।

कभी राप्रपा के वर्षों तक राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे और बाद में अपना अलग राजनीतिक दल बनाने वाले पूर्व उप प्रधानमंत्री थापा भी काठमांडू में आयोजित बैठक में सहभागी हुए और इस आंदोलन में अपना पूर्ण समर्थन होने की घोषणा की है। इसके अलावा पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह द्वारा गठित की गई संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक नवराज सुवेदी ने भी इसे अपना समर्थन दिया है। इसके अलावा विश्व हिन्दू महासंघ, शिव सेना नेपाल, हिन्दू सम्राट सेना, ओमकार परिवार, सनातन परिवार नेपाल आदि संस्थाओं ने आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन दिया है।

तालिबान सरकार ने अफगानिस्तान में शतरंज पर लगाया प्रतिबंध,जुए से जुड़ी आशंका को बताया कारण

काबुल,12 मई (एजेंसियां)।

तालिबान प्रशासन ने अफगानिस्तान में शतरंज खेलने और उससे जुड़ी सभी गतिविधियों पर अनिश्चितकालीन रोक लगा दी है। खेल निदेशालय के प्रवक्ता अतल मशवानी ने रविवार को जानकारी दी कि शतरंज को इस्लामी शरीयत के अंतर्गत जुए का माध्यम माना जाता है, जो देश में लागू नेकी का प्रचार और बुराई से रोकथाम कानून के अनुसार वर्जित है। अतल मशवानी ने कहा, शतरंज को लेकर धार्मिक आपत्तियां हैं और जब तक इन आपत्तियों का समाधान नहीं हो जाता, इस खेल को अफगानिस्तान में निलंबित रखा जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले दो वर्षों से राष्ट्रीय शतरंज महासंघ की ओर से कोई आधिकारिक टूर्नामेंट आयोजित नहीं किया गया है और नेतृत्व स्तर पर भी कुछ समस्याएं चल रही हैं। इस निर्णय से शतरंज प्रेमियों और संबंधित व्यवसायों में निराशा व्याप्त है। काबुल के एक कैफे संचालक

अजीजुल्लाह गुलजादा, जिनके यहां अनौपचारिक शतरंज प्रतियोगिताएं होती थीं, ने कहा कि उनके यहां कभी भी जुए की गतिविधियां नहीं हुईं। उन्होंने कहा, दुनिया के कई इस्लामिक देशों में अंतरराष्ट्रीय स्तर के शतरंज खिलाड़ी हैं। यह खेल सिर्फ एक मानसिक अभ्यास है।

कतर ने लेबनानी सेना को 62,000 टन ईंधन भेजा, सुरक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की पहल

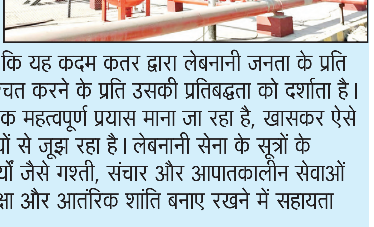

दोहा। कतर ने रविवार को लेबनानी सेना की परिचालन क्षमताओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 62,000 टन ईंधन की अंतिम खेप लेबनान के त्रिपोली बंदरगाह पर पहुंचाई। यह डिलीवरी कतर फंड फॉर डिवेलपमेंट द्वारा वर्ष 2025 के लिए दी गई तीन ईंधन खेपों में से अंतिम है। कतर समाचार एजेंसी (क्यूएनए) के अनुसार, यह सहायता लेबनानी सेना की क्षमता वृद्धि के साथ-साथ देश की सुरक्षा और स्थिरता में योगदान देने के लिए प्रदान की गई है। एजेंसी ने यह भी बताया कि यह कदम कतर द्वारा लेबनानी जनता के प्रति एकजुटता और देश में स्थायी शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस रणनीतिक पहल को क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब लेबनान राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है। लेबनानी सेना के सूत्रों के अनुसार, यह ईंधन खेप सेना के विभिन्न परिचालन कार्यों जैसे गश्ती, संचार और आपातकालीन सेवाओं में सीधे तौर पर उपयोग की जाएगी, जिससे सीमा सुरक्षा और आतंरिक शांति बनाए रखने में सहायता मिलेगी।

नीरज चोपड़ा समेत चार भारतीय एथलीट्स 16 मई को दोहा डायमंड लीग में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली ,12 मई (एजेंसियां)।

भारत के स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा 16 मई को दोहा में होने वाली प्रतिष्ठित डायमंड लीग मीटिंग में तीन अन्य भारतीय एथलीट्स के साथ हिस्सा लेंगे। यह पहली बार होगा जब डायमंड लीग के किसी एक इवेंट में भारत की तरफ से चार एथलीट्स भाग लेंगे।

नीरज चोपड़ा 2023 में दोहा डायमंड लीग का खिताब जीत चुके हैं, जहां उन्होंने 88.67 मीटर भाला फेंका था। वहीं, 2024 में वह 88.36 मीटर की थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। इस बार भी उनसे गोल्डन थ्रो की उम्मीद की जा रही है।

नीरज के साथ पुरुषों की जैवलिन थ्रो स्पर्धा में किशोर जेना भी नजर आएंगे। जेना ने 2024 में भी हिस्सा लिया था और 76.31 मीटर की थ्रो के साथ नौवें स्थान पर रहे थे। इस बार वह अपने प्रदर्शन में सुधार की कोशिश करेंगे।

अन्य दो भारतीय एथलीट्स का ट्रैक पर होगा दमदार प्रदर्शन

इस बार ट्रैक इवेंट्स में भी भारत की दमदार मौजूदगी देखने को मिलेगी। पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुलवीर सिंह अपना डायमंड लीग डेब्यू करने जा रहे हैं।

वहीं, महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में पारुल चौधरी उतरेंगी, जो इस इवेंट की भारतीय रिकॉर्डधारक हैं।

नीरज और जेना को इस बार सशक्त प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। मैदान में दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स (ग्रेनेडा), 2024 के विजेता याकुब वाडलेच (चेक गणराज्य), जूलियन वेबर और मैक्स डेनिंग (जर्मनी), जूलियस येगो (केन्या) और रोडरिक डीन (जापान) जैसे दिग्गज होंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

रियल मैड्रिड को हराकर ला लीगा खिताब के करीब पहुंचा बार्सिलोना

बार्सिलोना। ला लीगा में रविवार को खेले गए एल क्लासिको मुकाबले में बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 4-3 से हराकर खिताब की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिए। इस जीत के साथ बार्सिलोना ने तालिका में मैड्रिड पर सात अंकों की बढ़त बना ली है और अब सिर्फ तीन मैच बाकी हैं।4-3 की शानदार जीत, राफिन्हा ने दागे दो गोल, मबाप्पे की हैट्रिक बेकार मबाप्पे की हैट्रिक पर भारी पड़ा बार्सिलोना का जज़्बा रियल मैड्रिड की ओर से किलियन मबाप्पे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हैट्रिक लगाई, लेकिन बार्सिलोना की तरफ से राफिन्हा के दो गोल और लामिन यमाल व एरिक गार्सिया के एक-एक गोल ने मैच का पासा पलट दिया। चैंपियंस लीग से बाहर होने के बाद यह मैच बार्सिलोना के लिए 'करो या मरो' जैसा था, लेकिन कोच हैंसी फ्लिक की टीम ने शानदार वापसी करते हुए चौथे क्लासिको में भी जीत दर्ज की। मबाप्पे ने दिलाई शुरुआती बढ़त रियल मैड्रिड ने दमदार शुरुआत की और महज चौथे मिनट में मबाप्पे ने पेनल्टी पर गोल करके टीम को बढ़त दिला दी। यह पेनल्टी तब मिली जब गोलकीपर वोज्शेच शेचनी ने मबाप्पे को गिराया, हालांकि बार्सिलोना ने ऑफसाइड की मांग की थी। 14वें मिनट में मबाप्पे ने दूसरा गोल किया, जिससे मैड्रिड ने 2-0 की बढ़त ले ली। यह उनका 26वां लीग गोल था, जिससे उन्होंने रॉबर्ट लेवांडोव्स्की को पीछे छोड़ते हुए टॉप स्कोरर बन गए। राफिन्हा की जोड़ी और यमाल का जलवा मैड्रिड की बढ़त ज्यादा देर टिक नहीं सकी। राफिन्हा ने दो मिनट बाद ही गोल दागा, फिर पहले हाफ के अंतिम क्षणों में उन्होंने लुकास वाज़क्वेज़ से गेंद छीनकर दूसरा गोल भी कर डाला। लामिन यमाल ने भी मैच में शानदार खेल दिखाया। उन्होंने एक गोल भी किया, जबकि एक हैडर पर राफिन्हा को शानदार क्रॉस दिया जो गोल में तब्दील नहीं हो सका। मबाप्पे की तीसरी बार कामयाबी, पर जीत नहीं दिला सके दूसरे हाफ में मबाप्पे ने विनीसियस जूनियर की सहायता से तीसरा गोल करते हुए हैट्रिक पूरी की, लेकिन बार्सिलोना की डिफेंस और मिडफील्ड ने इसके बाद कोई बड़ी चूक नहीं की। विक्टर मुनोज के पास अंत में स्कोर बराबर करने का मौका था, लेकिन उन्होंने गेंद ऊपर मार दी।

इंग्लैंड दौरे में करुण नायर को मिल सकता है अवसर

मुम्बई। अगले माह होने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए बल्लेबाज करुण नायर को भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता है। करुण की आठ साल के बाद टीम में वापसी की इसलिए भी संभावन है क्योंकि कप्तान रोहित शर्मा ने टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया है। वहीं अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने भी संन्यास की इच्छा जतायी है। ऐसे में भारतीय टीम को पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए करीब दो अच्छे बल्लेबाजों की जरुरत है। करुण ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। उन्होंने 2024-25 घरेलू सीजन में विदर्भ की ओर से लगातार शतक लगाये हैं।.आईपीएल में भी इस बल्लेबाज ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी की है। करुण को अगर टीम में जगह मिलती है तो वह आठ साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते दिखेंगे।

इंग्लैंड दौरे में सुदर्शन को मिल सकती है जगह

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में गुजरात टाइटंस के युवा सलामी बल्लेबाज बी साई सुदर्शन का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है और वह ऑरेंज कैप के भी शीर्ष दावेदारों में शामिल हैं। सुदर्शन ने इससे पहले घरेलू क्रिकेट में भी काफी रन बनाये थे। ऐसे में ऐसे में अगले माह होने वाले इंग्लैंड दौरे में उन्हें जगह मिल सकती है। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद चयनसमिति को टीम के एक अच्छे बल्लेबाज की जरुरत है जिसमें सुदर्शन खरे उतरते हैं। सुदर्शन ने दिखाया है कि वह विपरीत हालातों के बीच ही दबाव के बीच भी रन बनाते हैं। सुदर्शन ने से कहा, 'वह पिछले चार साल से आईपीएल खेल रहे हैं। मुझे लगता है कि इससे मुझे काफी अनुभव मिला है। इसके कारण ही मुझे कठिन हालातों में खेलने का अवसर मिला है क्योंकि गुजरात टाइटंस की तरफ से खेलते हुए मुझे नेट्स में मुझे काफी तेज गेंदबाजी का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि सबसे अहम चीज जिसने मेरे खेल को बेहतर बनाने में मदद की है, वह खेल का समय है जो मुझे यहां मिलता है और टाइटंस के साथ मुझे अंतरराष्ट्रीय स्तर के गेंदबाजों के साथ अभ्यास का अवसर भी मिलता है। सुदर्शन ने कहा, 'इन तीन वर्ष में मैंने बहुत कुछ सीखा है।

विराट युग का अंत : टेस्ट क्रिकेट से कोहली का संन्यास, एक सुनहरा अध्याय हुआ समाप्त

सात दिन में दूसरा झटका, रोहित के बाद विराट ने भी लिया विदाई का फैसला, इंस्टाग्राम पोस्ट में जताया भावुक आभार

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट को एक हफ्ते के भीतर दूसरा बड़ा झटका लगा है। रोहित शर्मा के बाद अब विराट कोहली ने भी टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। सोमवार को विराट ने इंस्टाग्राम पोस्ट के ज़रिए अपने संन्यास का ऐलान किया। उन्होंने सफेद जर्सी में बिताए 14 सालों के सफर को शांत परिश्रम और जीवन भर के सबक वाला अनुभव बताया। कोहली ने लिखा, मैंने इस फॉर्मेट को अपना सब कुछ दिया और इसने मुझे मेरी उम्मीद से कहीं ज़्यादा दिया है।

9,230 रन, 30 शतक और एक बैगी ब्लू गर्व

36 वर्षीय विराट कोहली ने अपने टेस्ट करियर में 123 मैच खेले और 9,230 रन बनाए। उन्होंने 30 शतक और 31 अर्धशतक जमाए। कोहली ने सबसे ज्यादा नौ शतक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बनाए, जबकि सबसे कम दो बांग्लादेश के खिलाफ। उनकी तकनीक, जुनून और मानसिक मजबूती ने उन्हें दुनिया के बेहतरीन टेस्ट बल्लेबाजों में शामिल किया।

सबसे सफल भारतीय टेस्ट कप्तान

विराट कोहली ने 2014 में भारत की टेस्ट कप्तानी संभाली और 2022 में उससे इस्तीफा दिया। उनके नेतृत्व में टीम इंडिया ने 68 में से 40 टेस्ट मैच जीते, जो किसी भी भारतीय कप्तान के लिए अब तक का सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड है। उन्होंने भारत को न सिर्फ घरेलू मैदानों पर बल्कि विदेशों में भी बड़ी जीत दिलाई।

ऑस्ट्रेलिया में इतिहास रचने वाला पहला एशियाई कप्तान

2018-19 की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में विराट कोहली की कप्तानी में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसकी ज़मीन पर 2-1 से हराया। यह भारतीय क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी विदेशों में टेस्ट जीतों में से एक थी। यह पहली बार था जब भारत ने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर टेस्ट सीरीज अपने नाम की थी।

वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड को भी दी करारी शिकस्त

कोहली की कप्तानी में भारत ने 2019 में वेस्टइंडीज को उसके घर में 2-0 से हराया। 2015 में नंबर-1 दक्षिण अफ्रीका को 3-0 से मात दी। इसके अलावा 2016-17 में इंग्लैंड को 4-0 से हराकर भारत ने अपनी घरेलू ताकत का भी जबरदस्त प्रदर्शन किया।

एक आक्रामक सोच की शुरुआत

कोहली के नेतृत्व में भारतीय टेस्ट टीम में आक्रामकता, फिटनेस और जुझारूपन की नई परिभाषा बनी। उन्होंने खिलाड़ियों को न सिर्फ मानसिक रूप से मज़बूत बनाया, बल्कि टीम में आत्मविश्वास का नया माहौल तैयार किया, जो किसी भी चुनौती से पीछे न हटे।

विदाई नहीं, विरासत है ये

विराट कोहली का टेस्ट क्रिकेट से जाना भारतीय क्रिकेट में एक युग के अंत की तरह है। लेकिन उनके द्वारा स्थापित की गई संस्कृति, उपलब्धियाँ और सोच आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनकर जीवित रहेंगी। कोहली ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, मैं हमेशा अपने टेस्ट करियर को मुस्कुराते हुए देखूंगा।

सऊदी अरब के प्रसिद्ध अभिनेता अब्दुल्ला अली अजीजनगर में एकाडेमिया स्पोर्ट्स विलेज का दौरा किया

हैदराबाद, 12 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सऊदी अरब के प्रसिद्ध अभिनेता अब्दुल्ला अली ने हाल ही में अजीजनगर स्थित एकेडेमिया स्पोर्ट्स विलेज का दौरा किया। उनके साथ मल्टी-स्पोर्ट्स प्रमोटर और एकाडेमिया स्पोर्ट्स विलेज के सीईओ मोहम्मद शम्सुद्दीन भी उपस्थित थे। उनकी यात्रा ने भारत में युवा विकास को बढ़ावा देने और भविष्य के खेल प्रयासों का समर्थन करने की साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

स्पोर्ट्स विलेज के साथ साझेदारी भारत के तेजी से बढ़ते टेनिस इकोसिस्टम में सार्थक योगदान देने का एक रणनीतिक अवसर प्रस्तुत करती है। यह हितधारकों को कुलीन खेल मंडलियों में प्रदर्शन प्राप्त करने और देश के दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ जुड़ने का मौका देता है, जिसमें 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने की महत्वाकांक्षी बोली भी शामिल है। लक्षित आयोजनों, मजबूत मीडिया सहयोग और दीर्घकालिक ब्रांड निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, यह पहल उन लोगों के लिए एक शक्तिशाली मंच है जो खेल विकास को बढ़ावा देना चाहते हैं, युवा एथलीटों को सशक्त बनाना चाहते हैं और वैश्विक खेल कथाओं से जुड़ना चाहते हैं। अब्दुल्ला अली बॉर्न ए किंग (किंग फैसल पर एक फिल्म) फिल्म में मुख्य अभिनेता हैं। यह फिल्म का निर्माण: एंड्रेस विसेंट गोमेज़ ने किया है और इसके निर्देशक: अगस्टी विलारोंगा है। इसका शोध और सहायता: इस्लामिक अध्ययन अनुसंधान केंद्र ने किया। फिल्म में मुख्य कलाकारों में- अब्दुल्ला अली ने प्रिंस फैसल का किरदार निभाया है उनका साथ रावकन बिनबेला एवं एड स्क्रेन ने दिया है। यह फिल्म 2019 में हुई थी। फिल्म सऊदी अरब के प्रिंस फैसल की असाधारण सच्ची कहानी बताती है, जिन्हें 13 साल की उम्र में लंदन में एक राजनयिक मिशन पर भेजा गया था। फिल्म राजनीति, शक्ति, पहचान और सांस्कृतिक मतभेदों से जूझते हुए उनके वयस्क होने के सफर को दर्शाती है। फैसल का मिशन इतिहास की दिशा बदल देता है और आधुनिक सऊदी अरब को आकार देने में मदद करता है। कहानी बड़े होने, अपने देश और परिवार में अपनी जगह पाने, व्यक्तिगत मान्यताओं के लिए खड़े होने और विविधता को ताकत के रूप में पहचानने के बारे में है।

आईपीएल का दूसरा चरण 17 से

छह जगहों पर होंगे मैच

क्वालिफायर-1	29 मई
एलिमिनेटर	30 मई
क्वालिफायर-2	1 जून
फाइनल	3 जून

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ रहे तनाव के चलते आईपीएल 2025 को बीच में ही एक हफ्ते के लिए सस्पेंड कर दिया गया था। लेकिन अब 17 मई से एक बार फिर आईपीएल शुरू हो रहा है। कोलकाता नाइटराइडर्स और आरसीबी के मैच के साथ आईपीएल के 18वें सीजन का फिर से आगाज हो रहा है। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में केकेआर और आरसीबी का मैच खेला जाएगा। बता दें कि 6 वेन्यू पर आईपीएल के बचे हुए मुकाबले खेले जाएंगे। जो फाइनल 25 मई को खेला जाना था वो अब 3 जून को खेला जाएगा। हालांकि, बीसीसीआई ने इस बात की जानकारी नहीं दी है कि आईपीएस के प्लेऑफ के मुकाबले कहां-कहां खेले जाएंगे।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप में खेलेंगे रैना धवन, गुप्टिल-दिलशान जैसे दिग्गज करेंगे शिरकत

27 मई से ग्रेटर नोएडा में होगी लीग की शुरुआत, छह महाद्वीपों की टीमें होंगी आमने-सामने

ग्रेटर नोएडा, 12 मई (एजेंसियां)।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप (आईएलसी) में हिस्सा लेने जा रहे हैं। यह टूर्नामेंट 27 मई से 5 जून के बीच ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेला जाएगा। इस ग्लोबल क्रिकेट लीग में श्रीलंका के पूर्व ओपनर तिलकरत्ने दिलशान, न्यूजीलैंड के मार्टिन गप्टिल और अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असगर अफगान जैसे इंटरनेशनल दिग्गज खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे।

इस टूर्नामेंट में भारत की ओर से इंडियन वॉरियर्स टीम उतरेगी, जिसमें रैना और धवन के अलावा पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार और मनप्रीत गोनी जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल होंगे। कुल 6 टीमें टूर्नामेंट में भाग लेंगी, जो दुनिया के छह अलग-अलग महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व करेंगी। ये टीमें हैं - इंडियन वॉरियर्स, अफ्रीकन लायंस, ट्रांस टाइटन्स (ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड), यूरो ग्लैडिएटर्स, अमेरिकन स्ट्राइकर्स और एशियन एवेंजर्स।

आईएलसी के डायरेक्टर गौरव कमल ने सोमवार को टूर्नामेंट को लेकर एक बयान में कहा, इन दिग्गज खिलाड़ियों ने सालों तक हमें रोमांचित किया है, और अब एक बार फिर ये मैदान में लौटकर हमें पुरानी यादें ताजा कराएंगे। उनके क्रिकेटिंग करियर को सम्मान देने के साथ-साथ खेल की वैश्विक एकता का उत्सव भी है।

आईएलसी के एक और निदेशक मनीष भट्ट ने कहा, शिखर धवन की क्लासिक बल्लेबाजी और सुरेश रैना की धमाकेदार स्ट्रोक्स इस टूर्नामेंट को बेहद खास बना देंगे। इनका अनुभव और करिश्मा युवा क्रिकेट फैंस को प्रेरित करेगा।

इस लीग में कुल 18 मुकाबले खेले जाएंगे और सभी मैच सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर लाइव प्रसारित किए जाएंगे।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो की अल नास्र सऊदी प्रो लीग के खिताबी दौड़ से बाहर

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)।

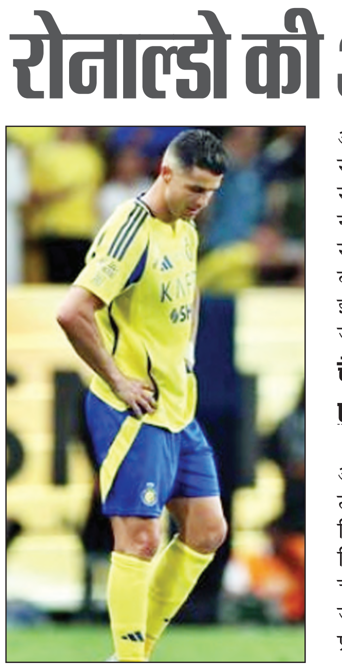

क्रिस्टियानो रोनाल्डो की अगुवाई वाली अल नास्र टीम को सऊदी प्रो लीग खिताब के लिए अब अगले सीजन तक इंतजार करना होगा। रविवार को मिली ताज़ा हार के बाद टीम 2024-25 सीजन के खिताबी दौड़ से बाहर हो गई है। अब एएफसी चैंपियंस लीग एलीट में क्वालीफाई करना ही उसका प्रमुख लक्ष्य रह गया है।

अल इत्तिहाद की जीत ने तोड़ी अल नास्र की उम्मीदें

लीग में टॉप पर चल रही अल इत्तिहाद ने करीम बेंजेमा के दो गोलों की मदद से अल फैहा को 3-0 से हराकर अपने शीर्ष स्थान को और मजबूत कर लिया। 31 मैचों के बाद इत्तिहाद के 74 अंक हो चुके हैं, जबकि अल नास्र अधिकतम 72 अंक ही हासिल कर सकती है। इस तरह वह खिताब की दौड़ से बाहर हो गई है। गौरतलब है कि अल नास्र ने पिछली बार 2018-19 सीजन में सऊदी प्रो लीग खिताब जीता था। इसके बाद अल हिलाल ने चार बार और इत्तिहाद ने एक बार खिताब पर कब्जा जमाया है।

चैंपियंस लीग एलीट में कैसे पहुंचेगी अल नास्र

2024-25 एएफसी टूर्नामेंट के अनुसार, सऊदी प्रो लीग की शीर्ष तीन टीमें एएफसी चैंपियंस लीग एलीट के लिए क्वालीफाई करेंगी। इसके अलावा, किंग्स कप का विजेता एएफसी चैंपियंस लीग टू (एसीएल 2) में जाएगा, जो एशिया की द्वितीय श्रेणी की प्रतियोगिता है। अगर किंग्स कप विजेता पहले से लीग की टॉप-3 में है, तो चौथे स्थान की टीम को एसीएल 2 का टिकट मिलेगा। इस साल के किंग्स कप फाइनल में पहुंची अल इत्तिहाद और अल क़दीसिया दोनों ही लीग की टॉप तीन की दौड़ में हैं। ऐसे में अगर इनमें से कोई एक कप जीतता है और लीग में भी टॉप-3 में रहता है, तो चौथे स्थान वाली टीम एसीएल 2 में पहुंचेगी।

रोनाल्डो की टीम के लिए समीकरण

अभी अल नास्र अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। टीम को एएफसी चैंपियंस लीग एलीट में जगह बनाने के लिए अपने बाकी बचे चारों मुकाबले जीतने होंगे और साथ ही टॉप टीमों के नतीजे भी उसके पक्ष में आने चाहिए।

फ्रेंच ओपन के लिए फार्म हासिल करना चाहते हैं जोकोविच

लंदन। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच का लक्ष्य 25 मई से शुरु होने वाले फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट से पहले अपना फार्म हासिल करना है। इसी कारण 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच ने जिनेवा ओपन में वाइल्डकार्ड वे प्रवेश लिया है। जिससे वह अपना फॉर्म और फिटनेस हासिल कर सकें। जोकोविच का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है। मोंटे कार्लो और मैड्रिड ओपन में शुरुआती दौर में ही बाहर हो गए थे, और अपने पिछले तीन मैच लगातार हार चुके हैं। वहीं उन्होंने इस बार एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट रोम ओपन से नाम वापस ले लिया था हालांकि उन्होंने टूर्नामेंट से हटने का कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया है पर कहा जा रहा है कि वह फ्रेंच ओपन की तैयारियों पर ही ध्यान देना चाहते हैं। जोकोविच का यह सत्र अब तक अच्छा नहीं रहा है। वह ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे पर जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ चोटिल होन के कारण बीच में ही उन्हें हटना पड़ा था। इसके बाद मियामी ओपन में वापसी से पहले उन्हें लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। यहां तक कि चेक गणराज्य के युवा खिलाड़ी जैकब मेनसिक से भी वह हार गये थे। उनके नाम अब तक 99 एटीप एटीपी खिताब है और वह उनका लक्ष्य फ्रैंच ओपन जीतकर सौवां एटीपी खिताब अपने नाम करना रहेगा।

एप्पल के आईफोन का भारत से अमेरिका में निर्यात में भारी बढ़ोतरी, 17,000 करोड़ का आंकड़ा पार

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। एप्पल ने 2025 के अप्रैल में भारत से अमेरिका के लिए आईफोन के निर्यात में बड़ी बढ़ोतरी देखी है। कंपनी के तीन वेन्डर्स द्वारा सरकार को दी गई रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल में आईफोन का निर्यात 17,219 करोड़ से अधिक हुआ, जो पिछले साल के 7,971 करोड़ से 116 प्रतिशत अधिक है। एप्पल ने दूसरी तिमाही की इनकम कॉल में घोषणा की है कि अब से अमेरिका के लिए ज्यादातर आईफोन भारत से ही भेजे जाएंगे। इस गतिविधि के दौरान, चेन्नई से शिकागो तक कई विमानों में आईफोन भेजे गए हैं। 2023 में, एप्पल ने भारत में तीसरी सालगिरह मनाते हुए 8,772 करोड़ मूल्य के आईफोन का उत्पादन किया था, जिसमें से 57 प्रतिशत यानी 4,987 करोड़ का निर्यात हुआ था। अप्रैल 2024 में उत्पादन 10,894 करोड़ हुआ और निर्यात 7,971 करोड़ रहा, जो कुल उत्पादन का 73 प्रतिशत था। अब, अप्रैल 2025 में कुल उत्पादन 21,400 करोड़ तक पहुंच गया, जिसमें 81 प्रतिशत यानी 17,300 करोड़ का निर्यात भारत से हुआ और ज्यादातर इन आईफोन को अमेरिका के लिए भेजा गया। एप्पल ने 2024 के दिसंबर से निर्यात में वृद्धि की है क्योंकि अमेरिका ने चीन से आईफोन आयात पर 20 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है, जबकि भारत से आईफोन निर्यात पर कोई शुल्क नहीं है। अगर अमेरिका भारत से पूरी तरह आईफोन की मांग पूरी करता है, तो अगले 18 महीनों में भारत में आईफोन उत्पादन को दोगुना करना पड़ेगा, जो 1.89 लाख करोड़ से बढ़कर 3.5 लाख करोड़ हो सकता है। 7,971 करोड़ से बढ़ते हुए 17,219 करोड़, भारत से अमेरिका के लिए आईफोन निर्यात में भारी वृद्धि दर्ज की गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नूर खां और ...

विश्लेषकों का दावा है कि यह इस फैसिलिटी पर भारत ने कोई ब्रह्मोस जैसी मिसाइल दागी है, जिसने वहां बड़ा नुकसान पहुंचाया। यह भी दावा है कि यहां पर भारत ने एक से अधिक हमले एक साथ किए हैं, जिसके चलते इस फैसिलिटी को नुकसान पहुंचा है। विश्लेषकों के अनुसार, यह हमला भारत ने 10 मई को सिरसा पर मिसाइल छोड़े जाने के बाद भारत ने किया।

किराना हिल्स को लेकर सबसे पहले दावा करने वाले विश्लेषक जयदेव जमवाल ने बताया है कि इस हमले में पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को नुकसान पहुंचा है। हमला संभवतः इस जगह पर बनाई गई सुरंगों के ऊपर था। कुछ वर्ष पहले सामने आई तस्वीरों से पता चलता है कि इस पहाड़ में जाने के लिए पाकिस्तान ने कई सुरंगें बना रखी हैं। उनका दावा है कि लगातार हुए हमलों के चलते इस इन्फ्रा को नुकसान पहुंचा और इसके चलते अंदर रखे परमाणु हथियार भी डैमेज हुए। इसका असर भी देखने को मिला।

भारत के पाकिस्तान की इस किराना हिल्स फैसिलिटी पर हमले की थ्योरी को और भी बल कुछ और घटनाओं से मिला। 10 मई 2025 को पाकिस्तान में दोपहर में ही रिक्टर स्केल पर 4.0 की तीव्रता का एक भूकंप आया। दरअसल, परमाणु हमलों के समय भी ऐसे ही भूकंप महसूस किए जाते हैं। विश्लेषकों ने दावा किया कि कहीं यह भूकंप परमाणु हथियारों के फटने के चलते तो नहीं आया। इसके बाद 11 मई 2025 को एक और घटना घटी। इस दिन पाकिस्तान में एक अमेरिकी विमान की आमद हुई। यह बीच क्राफ्ट कम्पनी का एक विमान था। इसका नम्बर एन।11एसजेड था। विश्लेषकों ने दावा किया कि यह विमान अमेरिका के एनर्जी विभाग का है। एनर्जी विभाग ही अमेरिका और उससे जुड़े देशों में परमाणु हथियारों की देखरेख करता है। विश्लेषकों का दावा है कि यह एयरक्राफ्ट पाकिस्तान में परमाणु हथियार फटने हुए रेडियो विकिरण को जांचने आया है।

यह एयरक्राफ्ट इस्लामाबाद और आसपास के इलाकों में उड़ान भरता देखा गया। विश्लेषकों का कहना है कि किराना हिल्स से हुए विकिरण को जांचने यह विमान हवा में चक्कर काट रहा था। हालांकि, किसी भी पक्ष की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हो सकी। इस विमान की उड़ान के भी कई सबूत सोशल मीडिया पर रखे गए। भारत के पाकिस्तान के परमाणु हथियारों पर हमला करने और उसके बाद सीजफायर होने की थ्योरी को एक और घटना ने बल दिया है। फ्लाइट की आवाजाही पर नजर रखने वाली एजेंसी ने बताया कि मिस्र से 11 मई 2025 को एक विमान पाकिस्तान पहुंचा। इसके एक दिन बाद एक और विमान मिस्र से पाकिस्तान आया। इसका नम्बर ईजीवाई-1916 बताया गया। यह विमान ईजिप्ट की एयरफोर्स के थे। इसके बाद लोगों के मन में प्रश्न उठे।

इन विमानों की आमद को लोगों ने बोरान लाए जाने से जोड़ा। विश्लेषकों ने कहा कि बोरान का इस्तेमाल परमाणु हथियार फटने से हुए रेडियो विकिरण को कम करने में किया जाता है। ऐसे में संभवत पाकिस्तान मिस्र से बोरान ही मंगा रहा था। इस दावे को इस बात से बल मिला कि मिस्र बोरान का एक बड़ा उत्पादक है और यह मिस्र के नील नदी के डेल्टा में बड़ी मात्रा में उत्खनन होता है। हालांकि, इसको लेकर न ही मिस्र और न ही पाकिस्तान ने आधिकारिक तौर कोई जानकारी दी है।

भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच 10 मई 2025 को ही शाम 5 बजे सीजफायर का ऐलान हुआ। इसका ऐलान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने किया। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भी इसमें भूमिका बताई गई। यह बात जितनी महत्वपूर्ण थी, उससे महत्वपूर्ण थी यह क्यों हुआ। अमेरिकी मीडिया संस्थान ने एक रिपोर्ट में बताया कि जेडी वेंस ने दोनों देशों से बातचीत और शांति समझौते के लिए प्रयास का यह कदम एक चिंताजनक खुफिया जानकारी के बाद उठाया। भारतीय सेनाओं के किराना हिल्स पर हमले और अमेरिका के उसके बाद सक्रिय होने को लेकर यही एक कड़ी है। यह बात स्पष्ट नहीं है कि किन संभवतः परमाणु फैसिलिटी पर हमला या फिर भारत का इस संबंध में स्पष्ट कर देना कि अब उसका निशाना सामान्य पाकिस्तानी एयरबेस या सैन्य अड्डे न होकर परमाणु फैसिलिटी होंगी, अमेरिका को चिंतित कर गया। इसके समर्थन में एक बात और भी है। दरअसल, 10 मई 2025 तक दोनों देश लगातार एक दूसरे पर हमला कर रहे थे और भारत को बढ़त हासिल थी।यह स्थिति 10 मई 2025 को 2 बजे दोपहर तक थी। लेकिन इसी बीच ऐसा क्या हुआ कि 5 बजे सीजफायर का ऐलान दोनों देशों ने कर दिया। एक और प्रश्न उठता है कि इस सीजफायर को लेकर अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रम्प ने जहां पीठ ठोंकी वहीं दो दिन पहले वह इस मामले से दूर भाग रहे थे। उनका मत था कि यह मामला दोनों देशों के बीच का है और वही इसे निपटाएंगे। ऐसे में कुछ घंटों के भीतर क्या हुआ कि अमेरिका इस पूरे बवाल में इंटरेस्टेड हो गया।इस परिस्थिति को लेकर जितने भी प्रश्न अभी चल रहे हैं, उनमें से एक का जवाब भी अभी आधिकारिक तौर पर नहीं आया है। अधिकांश जगह एक सिरे से दूसरा मिला कर ही बातें कही जा रही हैं। संभवतः यह जानकारी इतनी संवेदनशील है कि इसको लेकर कभी कुछ सामने ही न आए। इसे लेकर अभी से टालमटोल का रवैया चल रहा है।

अर्से से चुभ रही...

की नींद उड़ गई। सीएनएन से लेकर न्यूयॉर्क टाइम्स तक की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि शुरुआत में संघर्ष को नियंत्रण में रखने की बात कर रहा ट्रंप प्रशासन एकाएक परमाणु आपदा के खतरे को देखते हुए एक्शन में आया और लगातार बढ़ते संघर्ष को रुकवाने में बड़ी भूमिका निभाई।

पाकिस्तान को सबसे बड़ा झटका 10 मई की सुबह लगा, जब भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के आठ सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए, जिनमें हवाई अड्डे, रडार इकाइयां और गोला-बारूद के भंडार शामिल थे। यह हमला पड़ोसी देश की ओर से लड़ाकू विमानों, मानवरहित लड़ाकू हवाई वाहनों (यूसीएवी) और मिसाइलों का इस्तेमाल कर भारत के सैन्य बुनियादी ढांचे और नागरिक क्षेत्रों पर किए गए हमले के जवाब में किया गया था।

भारतीय वायुसेना ने रफीकी, मुरीद, चकलाला, रहीम यार खान, सुक्कुर, चुनियन, पसरूर और सियालकोट में सैन्य ठिकानों पर हमला किया। रात भर चले घटनाक्रम ने भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर शुरू किए जाने के बाद से दोनों सेनाओं के बीच सबसे भीषण संघर्ष को चिह्नित किया। भारत द्वारा निशाना बनाए गए लक्ष्यों में तकनीकी अवसंरचना, कमांड और नियंत्रण केंद्र, रडार साइट और हथियार भंडारण क्षेत्र शामिल थे। युद्ध विराम की घोषणा के बाद एक ब्रीफिंग के दौरान विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में भारतीय प्रतिष्ठानों पर अकारण हमले के बाद पाकिस्तान को बहुत भारी और असहनीय क्षति हुई है।

उन्होंने कहा, स्कार्दू, सरगोधा, जैकोबाबाद और भोलारी जैसे महत्वपूर्ण पाकिस्तानी एयरबेस को भारी नुकसान पहुंचा है। साथ ही, वायु रक्षा हथियारों और रडार के नुकसान ने पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र की रक्षा को अस्थिर बना दिया है। एलओसी के पार, सैन्य बुनियादी ढांचे, कमांड और नियंत्रण केंद्रों और रसद प्रतिष्ठानों को व्यापक और सटीक नुकसान ने इसकी रक्षात्मक और आक्रामक क्षमताओं को पूरी तरह से खत्म कर दिया है।

किराना हिल्स पहली बार दुनिया में चर्चा में तब आई थीं, जब अमेरिकी सैटेलाइट्स ने यह पकड़ा कि पाकिस्तान 1983 से 1990 के बीच लगातार परमाणु परीक्षण की तैयारी करता रहा। बाद में अमेरिका ने पाकिस्तान के परमाणु परीक्षणों पर आपत्ति जताई और इसी के साथ इस केंद्र पर परमाणु परीक्षणों को रोक दिया गया। हालांकि, पाकिस्तान ने यहां चीन की तरफ से सप्लाई होने वाली एम-11 मिसाइलों का भंडारण जारी रखा।

पाकिस्तान ने 2000 के दशक में किराना हिल्स के नीचे भूमिगत सुरंगें बनाने की शुरुआत की। सैन्य सेवाओं ने 2016 तक इन्हें अंतिम रूप देने का काम किया। इन सुरंगों में घुसने का रास्ता करीब 5 से 15 मीटर तक चौड़ा है और जमीनी सतह से काफी ऊंचाई पर है। यह सुरंगें अलग-अलग जगह पर तीन मंजिला ऊंची बनाई गई हैं और जुड़ी हुई हैं। 2009 से 2017 के दौरान इन सुरंगों के निर्माण की जो तस्वीरें सामने आईं, उनके विश्लेषण के बाद सामने आया कि पाकिस्तान ने इन सुरंगों को बम झेलने की क्षमता लायक बनाया है। हालांकि, आधुनिक समय में वायुसेनाओं के पास जमीन चीरकर धमाका करने वाले बम भी हैं, जो कि ऐसी भंडारण फैसिलिटी को पूरी तरह तबाह कर सकते हैं। इतना ही नहीं इस भंडारण केंद्र की दीवारें करीब 2.5 से 5 मीटर तक चौड़ी बनाई गई हैं, जिनके अंदर लोहे की रॉड्स तीन लेयर्स में लगाई गई हैं। इसके अलावा इस केंद्र में दो लेयर्स में स्टील प्लेट्स भी लगाई गई हैं, ताकि किसी मिसाइल हमले को भी झेला जा सके।

पूरी दुनिया ने ...

भारत के सैन्य अधिकारी सेना द्वारा की जा रही कार्रवाई की लगातार जानकारी दे रहे हैं।भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार को सीजफायर हुआ था। इसके बाद पिछले तीन दिन से तीनों सेनाओं के डीजीएमओ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे है। सोमवार की डीजीएमओ ने बताया कि, पाकिस्तान ने भारत को निशाना बनाने के लिए चीन निर्मित मिसाइलों और तुर्की के बने हथियारों का भारत के खिलाफ उपयोग किया है। डीजीएमओ की प्रेस ब्रीफिंग के दौरान एयर मार्शल एके भारती ने कहा कि 'पाकिस्तान द्वारा चीन में बनी पीएल-15 मिसाइल का इस्तेमाल किया गया, लेकिन वह भी निशाना नहीं साध पाई और हमारे एयर डिफेंस ने उसे इंटरसेप्ट कर हवा में ही तबाह कर दिया। एयर मार्शल एके भारती ने कहा कि उसका मलबा हमारे सशस्त्र बलों ने बरामद किया है।'एयर मार्शल एके भारती ने कहा कि लॉन्ग रेंज रॉकेट, अनमैन्ड एरियल सिस्टम का भी पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल किया गया, जिन्हें भी हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने तबाह कर दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान द्वारा बड़ी संख्या में ड्रोन और अनमैन्ड कॉम्बैट एरियल व्हीकल्स से हमले की कोशिश की गई, लेकिन उन्हें भारत के स्वदेशी सॉफ्ट एंड हार्ड किल काउंटर यूएएस सिस्टम और शानदार प्रशिक्षित एयर डिफेंस सैनिकों ने तबाह कर दिया। डीजीएमओ की प्रेस ब्रीफिंग के दौरान एक सवाल किया गया कि तुर्की के ड्रोन को लेकर दुनिया में बहुत ज्यादा हल्ला मचा हुआ था, लेकिन लगता है कि बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए तुर्की के ड्रोन भारत में धराशायी हो गया और दुनिया को एक संदेश चला गया है कि अब हाइब्रिड वारफेयर में इसकी औकात नहीं बची? इसके जवाब में एयर मार्शल एके भारती ने कहा कि तुर्की के ड्रोन हों या कहीं अन्य देश के ड्रोन हो, आपने देखा यहां कि तरह से ड्रोन के मलबे की तस्वीरें सामने आईं। हमने दिखा दिया कि हमारे काउंटर डिफेंस सिस्टम और हमारे ट्रेंड डिफेंस ऑपरेटर्स पूरी तरह से सक्षम हैं। हमारे देश की स्वदेशी तकनीक किसी भी तरह के ड्रोन हमलों या किसी भी तरह की तकनीक से निपटने के लिए तैयार हैं। हमें यहां ज्यादा बोलने की जरूरत नहीं है। आपने खुद अपनी आंखों से देखा है कि हमने इनका क्या हश्र किया है।भारत ने सोमवार को पुष्टि की कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एक पाकिस्तानी मिराज लड़ाकू विमान मार गिराया गया था। भारतीय सेना की तरफ से शेयर किए गए एक वीडियो में पाकिस्तानी मिराज का मलबा देखा जा सकता है। एयर वाइस मार्शल एके भारती ने कहा, भारत की युद्ध में आजमाई हुई प्रणाली ने समय की कसौटी पर खरा उतरते हुए दुश्मन का डटकर सामना किया। उन्होंने यह भी बताया कि भारत में बनी वायु रक्षा प्रणाली आकाश ने इस ऑपरेशन में शानदार काम किया। उन्होंने कहा कि बीते एक दशक में सरकार की ओर से जारी किए गए बजट और नीतिगत मदद से इस तरह की ताकत तैयार हो पाई है।

भारत को न्यूक्लियर ...

मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से यह पीड़ा बहुत बड़ी थी। इस आतंकी हमले के बाद सारा राष्ट्र, हर नागरिक, हर समाज, हर वर्ग, हर राजनीतिक दल, एक स्वर में, आतंक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए उठ खड़ा हुआ। हमने आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने के लिए भारत की सेनाओं को पूरी छूट दे दी। और आज हर आतंकी, आतंक का हर संगठन जान चुका है कि हमारी बहनों-बेटियों के माथे से सिंदूर हटाने का अंजाम क्या होता है।प्रधानमंत्री ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर, सिर्फ नाम नहीं है, यह देश के कोटि-कोटि लोगों की भावनाओं का प्रतिबिंब है। ऑपरेशन सिंदूर न्याय की अखंड प्रतिज्ञा है। 6 मई की देर रात, 7 मई की सुबह, पूरी दुनिया ने इस प्रतिज्ञा को परिणाम में बदलते देखा है। भारत की सेनाओं ने पाकिस्तान में आतंक के ठिकानों पर, उनके ट्रेनिंग सेंटर पर सटीक प्रहार किया। आतंकियों ने सपने में भी नहीं सोचा था कि भारत इतना बड़ा फैसला ले सकता है। लेकिन जब देश एकजुट होता है, राष्ट्र प्रथम की भावना से भरा होता है, राष्ट्र सर्वोपरि होता है, तो फौलादी फैसले लिए जाते हैं, परिणाम लाकर दिखाए जाते हैं। जब पाकिस्तान में आतंक के अड्डों पर भारत की मिसाइलों ने हमला बोला, भारत के ड्रोन ने हमला बोला, तो आतंकी संगठनों की इमारतें ही नहीं, बल्कि उनका हौसला भी थर्रा गया। बहावलपुर और मुरीदके जैसे आतंकी ठिकाने, एक प्रकार से ग्लोबल टेररिज्म की यूनिवर्सिटीज रही हैं। दुनिया में कहीं पर भी जो बड़े आतंकी हमले हुए हैं, चाहे नाइन इलेवन हो, चाहे लंदन ट्यूब बॉम्बिंग हो, या फिर भारत में दशकों में जो बड़े-बड़े आतंकी हमले हुए हैं, उनके तार कहीं न कहीं आतंक के इन्हीं ठिकानों से जुड़ते रहे हैं। आतंकियों ने हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा था, इसलिए भारत ने आतंक के ये हेडक्वार्टर उजाड़ दिए। भारत के इन हमलों में 100 से अधिक खूंखार आतंकवादियों को मौत के घाट उतारा गया है। आतंक के बहुत सारे आका, बीते ढाई-तीन दशकों से खुलेआम पाकिस्तान में घूम रहे थे, जो भारत के खिलाफ साजिशें करते थे, उन्हें भारत ने एक झटके में खत्म कर दिया।प्रधानमंत्री ने कहा, भारत की इस कार्रवाई से पाकिस्तान घोर निराशा में घिर गया था, हताशा में घिर गया था, बौखला गया था, और इसी बौखलाहट में उसने एक और दुस्साहस किया। आतंक पर भारत की कार्रवाई का साथ देने के बजाय पाकिस्तान ने भारत पर ही हमला करना शुरू कर दिया। पाकिस्तान ने हमारे स्कूलों-कॉलेजों को, गुरुद्वारों को, मंदिरों को, सामान्य नागरिकों के घरों को निशाना बनाया, पाकिस्तान ने हमारे सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, लेकिन इसमें भी पाकिस्तान खुद बेनकाब हो गया। दुनिया ने देखा कि कैसे पाकिस्तान के ड्रोन्स और पाकिस्तान की मिसाइलें, भारत के सामने तिनके की तरह बिखर गईं। भारत के सशक्त एयर डिफेंस सिस्टम ने, उन्हें आसमान में ही नष्ट कर दिया। पाकिस्तान की तैयारी सीमा पर वार की थी, लेकिन भारत ने पाकिस्तान के सीने पर वार कर दिया। भारत के ड्रोन, भारत की मिसाइलों ने सटीकता के साथ हमला किया। पाकिस्तानी वायुसेना के उन एयरबेस को नुकसान पहुंचाया, जिस पर पाकिस्तान को बहुत घमंड था। भारत ने पहले तीन दिनों में ही पाकिस्तान को इतना तबाह कर दिया, जिसका उसे अंदाजा भी नहीं था।

इसलिए, भारत की आक्रामक कार्रवाई के बाद, पाकिस्तान बचने के रास्ते खोजने लगा। पाकिस्तान, दुनिया भर में तनाव कम करने की गुहार लगा रहा था। और बुरी तरह पिटने के बाद इसी मजबूरी में 10 मई की दोपहर को पाकिस्तानी सेना ने हमारे डीजीएमओ से सम्पर्क किया। तब तक हम आतंकवाद के इंफ्रास्ट्रक्चर को बड़े पैमाने पर तबाह कर चुके थे, आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया गया था, पाकिस्तान के सीने में बसाए गए आतंक के अड्डों को हमने खंडहर बना दिया था, इसलिए, जब पाकिस्तान की तरफ से गुहार लगाई गई, पाकिस्तान की तरफ से जब ये कहा गया, कि उसकी ओर से आगे कोई आतंकी गतिविधि और सैन्य दुस्साहस नहीं दिखाया जाएगा। तो भारत ने भी उस पर विचार किया। और मैं फिर दोहरा रहा हूं, हमने पाकिस्तान के आतंकी और सैन्य ठिकानों पर अपनी जवाबी कार्रवाई को अभी सिर्फ स्थगित किया है। आने वाले दिनों में, हम पाकिस्तान के हर कदम को इस कसौटी पर मापेंगे, कि वो क्या रवैया अपनाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को बताया कि भारत की तीनों सेनाएं, हमारी एयरफोर्स, हमारी आर्मी, और हमारी नेवी, हमारी बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स, भारत के अर्धसैनिक बल, लगातार अलर्ट पर हैं। सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के बाद, अब ऑपरेशन सिंदूर आतंक के खिलाफ भारत की नीति है। ऑपरेशन सिंदूर ने आतंक के खिलाफ लड़ाई में एक नई लकीर खींच दी है, एक नया पैमाना, न्यू नॉर्मल तय कर दिया है। पहला यह कि भारत पर आतंकी हमला हुआ तो मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। हम अपने तरीके से, अपनी शर्तों पर जवाब देकर रहेंगे। हर उस जगह जाकर कठोर कार्रवाई करेंगे, जहां से आतंक की जड़ें निकलती हैं। दूसरा यह कि कोई भी न्यूक्लियर ब्लैकमेल भारत नहीं सहेगा। न्यूक्लियर ब्लैकमेल की आड़ में पनप रहे आतंकी ठिकानों पर भारत सटीक और निर्णायक प्रहार करेगा। तीसरा यह कि हम आतंक की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखेंगे। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, दुनिया ने, पाकिस्तान का वो घिनौना सच फिर देखा है, जब मारे गए आतंकियों को विदाई देने, पाकिस्तानी सेना के बड़े-बड़े अफसर उमड़ पड़े। स्टेट स्पॉन्सर्ड टेररिज्म का ये बहुत बड़ा सबूत है। हम भारत और अपने नागरिकों को किसी भी खतरे से बचाने के लिए लगातार निर्णायक कदम उठाते रहेंगे।प्रधानमंत्री ने कहा, युद्ध के मैदान पर हमने हर बार पाकिस्तान को धूल चटाई है। और इस बार ऑपरेशन सिंदूर ने नया आयाम जोड़ा है। हमने रेगिस्तानों और पहाड़ों में अपनी क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया, और साथ ही, न्यू एज वॉरफेयर में भी अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। इस ऑपरेशन के दौरान, हमारे मेड इन इंडिया हथियारों की प्रमाणिकता सिद्ध हुई। आज दुनिया देख रही है, 21वीं सदी के वॉरफेयर में मेड इन इंडिया डिफेंस इक्विपमेंट्स, इसका समय आ चुका है। हर प्रकार के आतंकवाद के खिलाफ हम सभी का एकजुट रहना, हमारी एकता, हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। निश्चित तौर पर ये युग युद्ध का नहीं है, लेकिन ये युग आतंकवाद का भी नहीं है। टैररिज्म के खिलाफ जीरो टॉलरेंस, ये एक बेहतर दुनिया की गारंटी है। प्रधानमंत्री ने कहा, पाकिस्तानी फौज और पाकिस्तान की सरकार, जिस तरह आतंकवाद को खाद-पानी दी रही है, वह एक दिन पाकिस्तान को ही समाप्त कर देगा। पाकिस्तान को अगर बचना है तो उसे अपने टेरर इंफ्रास्ट्रक्चर का सफाया करना ही होगा। इसके अलावा शांति का कोई रास्ता नहीं है। भारत का मत एकदम स्पष्ट है, टेरर और टॉक, एक साथ नहीं हो सकते, टेरर और ट्रेड, एक साथ नहीं चल सकते। और, पानी और खून भी एक साथ नहीं बह सकता। मैं आज विश्व समुदाय को भी कहूंगा, हमारी घोषित नीति रही है, अगर पाकिस्तान से बात होगी, तो टेररिज्म पर ही होगी, अगर पाकिस्तान से बात होगी, तो पाकिस्तान ऑक्यूपाइड कश्मीर (पीओके) पर ही होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज बुद्ध पूर्णिमा है। भगवान बुद्ध ने हमें शांति का रास्ता दिखाया है। शांति का मार्ग भी शक्ति से होकर जाता है। मानवता, शांति और समृद्धि की तरफ बढ़े, हर भारतीय शांति से जी सके, विकसित भारत के सपने को पूरा कर सके, इसके लिए भारत का शक्तिशाली होना बहुत जरूरी है, और आवश्यकता पड़ने पर इस शक्ति का इस्तेमाल भी जरूरी है। और पिछले कुछ दिनों में, भारत ने यही किया है। मैं एक बार फिर भारत की सेना और सशस्त्र बलों को सैल्यूट करता हूं। हम भारतवासी के हौसले, हर भारतवासी की एकजुटता का शपथ, संकल्प, मैं उसे नमन करता हूं।

मोदी के भाषण से...

अपना राष्ट्र के नाम संबोधन समाप्त किया था। जिन इलाकों में पाकिस्तानी ड्रोन देखे गए वहां भारतीय एयर डिफेंस की ओर से उन पर गोलियां और गोले बरसा कर उन्हें नाकाम बना दिया गया।

ब्रह्मोस ने तोड़ ...

की छवि को कमजोर करने के लिए किया गया था। यह एक ऐसा मोड़ था, जिसने पाकिस्तान को झकझोर कर रख दिया और सेना प्रमुख असीम मुनीर सहित सैन्य नेतृत्व को कदम पीछे खींचने पर मजबूर किया। एक दिन पहले भारत ने लाहौर में वायु रक्षा प्रणाली पर हमला किया था। इससे पाकिस्तान की कमजोरियां उजागर हो गई थीं कि भारत की मिसाइलें उसके क्षेत्र में बहुत अंदर तक सटीकता से लक्ष्य को भेद सकती हैं। ब्रह्मोस समेत भारत की मिसाइलों ने रफीकी, मुरीदके, नूर खान, रहीम यार खान, सुक्कुर, चुनियन, स्कार्दू, भोलारी, जैकबाबाद में भारी नुकसान पहुंचाया।ब्रह्मोस दो-चरणीय मिसाइल है। इसे रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूस के एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। इसका नाम दो नदियों भारत की ब्रह्मपुत्र और रूस की मोस्कवा से मिलाकर रखा गया है। यह भारत-रूस साझेदारी का प्रतीक भी है। मिसाइल ठोस ईंधन बूस्टर के साथ लॉन्च होती है जो उड़ान भरने के बाद अलग हो जाता है। इसके बाद तरल ईंधन से चलने वाला रैमजेट इंजन इसे मैक 3 की गति से आगे बढ़ाता है। यह 15 किलोमीटर की ऊंचाई तक उड़ान भर सकती है और जमीन से 10 मीटर की ऊंचाई पर भी हमला कर सकती है। इसे दागो और भूल जाओ के सिद्धांत पर डिजाइन किया गया है। एक बार लॉन्च होने के बाद इसे किसी और मार्गदर्शन की जरूरत नहीं होती। मिसाइल का कम रडार सिग्नेचर और उच्च गतिज ऊर्जा के कारण इसे रोकना बेहद कठिन हो जाता है।ब्रह्मोस मिसाइलों की मानक मारक क्षमता 290 किलोमीटर है। हालांकि, हाल ही में 450 किलोमीटर से अधिक और 800 किलोमीटर तक की विस्तारित मारक क्षमता वाले संस्करणों का सफलतापूर्वक परीक्षण भी किया गया है। भविष्य के वेरिएंट का लक्ष्य 1,500 किलोमीटर दूर तक के लक्ष्यों पर हमला करना है। ब्रह्मोस का पहला परीक्षण 12 जून, 2001 हुआ था। भारतीय नौसेना ने 2005 में आईएनएस राजपूत पर अपना पहली ब्रह्मोस प्रणाली शामिल की थी। भारतीय सेना ने 2007 में अपनी रेजिमेंट के साथ इसे शामिल किया और बाद में वायुसेना ने सुखोई-30एमकेआई विमान से हवाई-लॉन्च वाले संस्करण को शामिल किया। 2025 तक इसके दो संस्करण सेवा में हैं।

भारत-पाकिस्तान...

गौरतलब है कि भारत-पाक के बीच सैन्य टकराव के कारण 9 मई से 15 मई तक देश के उत्तर और पश्चिमी हिस्सों में स्थित 32 हवाई अड्डों, जिनमें श्रीनगर और अमृतसर जैसे प्रमुख एयरपोर्ट शामिल हैं, से नागरिक उड़ानों का संचालन अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था। एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया और अन्य उड्डयन प्राधिकरणों ने नोटिस टू एयरमेन जारी कर इन हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद करने की सूचना दी थी। अब स्थिति में सुधार के संकेत मिलने के बाद इन हवाई अड्डों को चरणबद्ध तरीके से दोबारा खोलने की प्रक्रिया शुरू की गई है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के नोटिस के मुताबिक बंद किए गए सभी 32 हवाई अड्डों पर उड़ानें शुरू हो चुकी हैं। इन हवाई अड्डों में उधमपुर, अंबाला, अमृतसर, अवंतीपुर, बठिंडा, भुज, बीकानेर, चंडीगढ़, हलवारा, हिंडन, जम्मू और जैसलमेर, जामनगर, जोधपुर, कांडला, कांगड़ा (गग्गल), केशोद, किशनगढ़, कुल्लू मनाली (भुंतर) और लेह शामिल हैं। इसके अलावा, लुधियाना, मुंद्रा, नलिया, पठानकोट, पटियाला, पोरबंदर, राजकोट (हीरासर), सरसावा, शिमला, श्रीनगर, थोइस और उत्तरलाई में भी परिचालन कर दिया गया है।

आधिकारिक ...

इस कंपनी ने आइसोटोनिटाज़ीन और कार्फेंटानिल जैसे अत्यधिक शक्तिशाली सिंथेटिक ओपिओइड के वितरण में भूमिका निभाई। कार्फेंटानिल फेंटेनाइल से प्राप्त सबसे मजबूत सिंथेटिक ओपिओइड में से एक है। यह मॉर्फिन से 1000 गुना अधिक शक्तिशाली है। ये अमेरिका में नशीले पदार्थों से सबसे ज्यादा मौत के लिए जिम्मेदार हैं। जनवरी से जून 2023 के बीच, 37 राज्यों में कार्फेंटानिल से जुड़ी ओवरडोज़ होने के कारण मौत के 238 मामले दर्ज किए गए। अदालती दस्तावेजों के अनुसार ईवर्ल्डट्रेड ज़नीम बिलवानी के नाम पर पंजीकृत था, जो कराची, पाकिस्तान में रहता है। बिलवानी एबटैच लिमिटेड नामक पाकिस्तानी आईटी और मार्केटिंग फर्म का निदेशक भी है। इस कंपनी को पहले ट्रेडमार्क पंजीकरण घोटालों में संलिप्तता के चलते यूएस पेटेंट एंड ट्रेडमार्क ऑफिस और गूगल द्वारा चिह्नित किया गया था। 2021 में एबटैच पर फाइलिंग फीस की अधिक वसूली, दस्तावेजों में हेरफेर कर धोखाधड़ी करने का आरोप लगा था। इसके बाद अमेरिकी अधिकारियों ने एबटैच पर प्रतिबंध लगा दिया था। कुछ समय बाद, एबटैच ने अपना नाम बदलकर इंटरसिस लिमिटेड कर लिया, लेकिन उसका कराची का पता वही रहा।जांच में खुलासा हुआ कि एबटैच और बदनाम पाकिस्तानी कंपनी एक्सैक्ट के बीच गहरा संबंध है। 2015 में एक्सैक्ट को फर्जी डिग्रियां बेचने और ब्लैकमेल पर आधारित जबरन वसूली की अंतरराष्ट्रीय योजनाएं चलाने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था। शुरुआती दौर में पाकिस्तानी अदालतों ने कई एक्सैक्ट अधिकारियों को गिरफ्तार कर दोषी ठहराया, लेकिन रिपोर्टों के अनुसार इनमें से किसी ने भी अपनी सजा पूरी नहीं की। इनमें से कई ने बाद में एबटैच और अन्य मोर्चों के तहत धोखाधड़ी गतिविधियां फिर से शुरू कर दीं। अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ कॉलेजिएट रजिस्ट्रार्स एंड एडमिशन ऑफिसर्स ने रिपोर्ट में खुलासा किया है कि 2016 में पाकिस्तानी जज ने रिश्वत लेकर एक्सैक्ट के अधिकारियों को बरी करने की बात मानी।

2021 में, पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने अज़नीम बिलवानी और लगभग 50 अन्य लोगों पर एक घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया, जिनमें से अधिकांश एबटैच से जुड़े थे। एफआईए के अनुसार, कराची स्थित डिजिटोनिक्स लैब्स, जिसे जुनैद मंसूर संचालित करता था, उसने जबरन वसूली और फर्जी प्रमाणपत्रों की बिक्री के जरिए हर महीने लगभग 2.5 मिलियन डॉलर यानी 21.18 करोड़ की कमाई की। कंपनी पर ट्रेडमार्क बनाने और फर्जीवाड़े के अन्य कई आरोप भी लगे। जांच में सामने आया कि ईबुक पब्लिशिंग, मोबाइल ऐप डेवलपमेंट, फिशिंग वेबसाइट्स और लोगो डिजाइन जैसी सेवाओं के नाम पर ग्राहकों से अग्रिम भुगतान लेकर धोखाधड़ी की जाती थी, और बाद में उनकी जानकारी को बाहर लाने की धमकी देकर उन्हें ब्लैकमेल किया जाता था। इस घोटाले में जुनैद मंसूर के भाई कासिम मंसूर का भी नाम शामिल था। एफआईए ने यह भी बताया कि इन पाकिस्तानी कंपनियों के नेटवर्क ने दुनियाभर में लोगों को निशाना बनाया और उससे दर्जनों फ्रंट वेबसाइट्स संचालित की।अमेरिकी अदालत के दस्तावेजों और साइबर सुरक्षा शोधकर्ताओं द्वारा की गई जांच से यह सामने आया कि वही पाकिस्तानी आरोपित जिन्होंने एक्सैक्ट और एबटैच के संचालन को बढ़ाया, उन्होंने ही टेक्सास में भी अपना कारोबार को बढ़ाया। रेट्रोक्यूब एलएलसी, 360 डिजिटल मार्केटिंग एलएलसी, मैजेस्टिक घोस्टराइटिंग और इंटरसिस लिमिटेड जैसी कई कंपनियाँ 1910 पैसिफ़िक एवेन्यू, डलास में एक ही पते से काम करती पाई गईं। इन कंपनियों में मुहम्मद बुरहान मिर्ज़ा और मुहम्मद सलमान यूसुफ जैसे एक्सैक्ट और एबटैच से जुड़े कई व्यक्ति शामिल थे। इन कंपनियों के खिलाफ धोखाधड़ी, अनुबंध का उल्लंघन जैसे कई मुकदमे भी दायर किए गए थे। इन आरोपों में धोखाधड़ी वाली घोस्टराइटिंग सेवाएँ, अकादमिक धोखाधड़ी सेवाएं और अमेरिकी उपभोक्ताओं को धोखा देने के लिए बनाई गई अपसेलिंग योजनाएं शामिल थीं। ईवर्ल्डट्रेड के आरोपों के अलावा, जांचकर्ताओं ने यह भी पाया कि कराची स्थित वेबसाइट एक्सपोर्टहबडॉटकॉम, जो उसी क्षेत्र से जुड़ी संस्थाओं द्वारा संचालित है, पर चीन और अन्य देशों के आपूर्तिकर्ताओं से फेंटेनाइल साइट्रेट की लाइव लिस्टिंग मौजूद थी। ट्रंप ने न केवल पाकिस्तान के साथ व्यापार बढ़ाने का वादा किया है, बल्कि उन्होंने कश्मीर पर भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता के तरीकों को ढूंढ़ने की बात भी कही है, जिसे उन्होंने 1,000 साल पुराना संघर्ष बताया। हालांकि पाकिस्तान का गठन 1947 में हुआ था, यानी 100 साल से भी कम समय पहले। पाकिस्तान से जुड़े नेटवर्क, जो आइसोटोनीटाज़ीन, कार्फेंटानिल और फेंटेनाइल साइट्रेट जैसे घातक सिंथेटिक ओपिओइड की तस्करी में लिप्त हैं, एक बार फिर इस दुष्ट राष्ट्र के खतरनाक दोहरे खेल को उजागर करते हैं। इस्लामाबाद को आईएमएफ से लोन मिल रहा है। खुद अमेरिका में भी सैकड़ों मौतें ड्रग्स की वजह से हो रही है जिसका संचालन कराची स्थित एक्सैक्ट और एबटैच से जुड़ी संस्थाएं कर रही हैं।

देश की सुरक्षा...

इसे हासिल नहीं कर सकते। इसरो चीफ का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब भारत पाकिस्तान के बीच संघर्ष के बाद शनिवार शाम में ही संघर्ष विराम हुआ है। सेना ने बताया कि रविवार रात सीमा पर पूरी तरह से शांति रही और फायरिंग की कोई घटना नहीं हुई। गौरतलब है कि बीती 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोगों की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद भारत और पाकिस्तान में संघर्ष छिड़ गया। भारत ने 6-7 मई की मध्य रात्रि सटीकता से हमला करते हुए पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। भारत के हमले में कई आतंकियों के मारे जाने की खबर है। इसके बाद पाकिस्तान ने भारत के कई शहरों को निशाना बनाने की नाकाम कोशिश की, लेकिन भारत के आगे उसकी एक न चली।

आज से 11 जून तक रहेगा जेष्ठ माह

हिंदू पंचांग का तीसरा महीना यानी ज्येष्ठ माह आरंभ हो चुका है। यह महीना 13 मई से 11 जून तक चलेगा। ज्येष्ठ माह में गर्मी अपने चरम पर होती है और सूर्य के तेज प्रकाश के कारण नदी व तालाब सूख जाते हैं। इसलिए इस महीने में जल का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ज्येष्ठ माह में हनुमान जी, सूर्य देव और वरुण देव की विशेष उपासना की जाती है। वरुण जल के देवता हैं, सूर्य देव अग्नि के और हनुमान जी कलयुग के देवता माने जाते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू पंचांग का तीसरा महीना यानी ज्येष्ठ माह आरंभ हो चुका है। यह महीना 13 मई से 11 जून तक चलेगा। ज्योतिष शास्त्र में भी ज्येष्ठ माह को बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है। इस पवित्र महीने में पूजा-पाठ और दान-धर्म करने से कई प्रकार के ग्रह दोष से मुक्ति प्राप्त हो जाती है। साथ ही इस महीने में निर्जला एकादशी और गंगा दशहरा जैसे महत्वपूर्ण व्रत एवं त्योहार मनाए जाते हैं। धार्मिक मान्यता है कि ज्येष्ठ माह में ही हनुमान जी की मुलाकात भगवान श्रीराम से हुई थी, इसलिए इस महीने में मंगलवार का व्रत रखने से साधक को विशेष लाभ मिलता है। साथ ही बजरंगबली की विशेष पूजा अर्चना करने से कई प्रकार के कष्टों का नाश हो जाता है।

हिंदू पंचांग का तीसरा महीना यानी ज्येष्ठ माह आरंभ हो चुका है। यह महीना 13 मई से 11 जून चलेगा। इसके बाद आषाढ़ महीना प्रारंभ हो जाएगा। इस पवित्र महीने में जल संरक्षण और पेड़-पौधों को जल देने से कई कष्टों का नाश होता है, साथ ही पितर प्रसन्न होते हैं। ज्येष्ठ माह में गंगा दशहरा और निर्जला एकादशी जैसे महत्वपूर्ण व्रत एवं त्योहार मनाए जाएंगे। साथ ही इस महीने में कुछ महत्वपूर्ण ग्रह राशि परिवर्तन भी करेंगे, जिसका प्रभाव सभी राशियों पर पड़ेगा। शास्त्रों में बताया गया है कि ज्येष्ठ माह में दान-धर्म करने से व्यक्ति को विशेष लाभ मिलता है। साथ ही इस माह में किसी जरूरतमंद और पशु-पक्षियों को पानी पिलाने से विशेष लाभ मिलता है। इस महीने में उत्तर भारत समेत तमाम क्षेत्रों में अधिक गर्मी पड़ती है और इस माह में कई तीज-त्योहार और पर्व आते हैं। इस माह में हर महीने में पड़ने वाली एकादशी प्रदोष, पूर्णिमा, नारद जयंती, शीतलाष्टमी, वट सावित्री व्रत, गंगा दशहरा और निर्जला एकादशी जैसे प्रमुख व्रत और त्योहार पड़ते हैं।

पूजा करना फलदायी

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, जेठ माह में सूर्य देव, वरुण देव, शनि देव और हनुमान जी की पूजा करना सबसे शुभ माना जाता है।

न करें ये काम

पंचांग के अनुसार जेठ महीने में दिन में नहीं सोना चाहिए। ऐसा करने वाले व्यक्ति को तमाम तरह के रोग घेरते हैं। ज्येष्ठ के महीने मसालेदार चीज का सेवन नहीं करना चाहिए और दिन में एक बार भोजन करने का प्रयास करना चाहिए। लहसुन, राई के अलावा गर्म चीजों का सेवन करने से बचना चाहिए। क्योंकि इस माह में सबसे अधिक गर्मी होती है। इस माह में बैंगन का सेवन करने से बचना चाहिए। क्योंकि इसका सेवन करने से संतान के लिए शुभ नहीं माना जाता है। जेठ के महीने में कभी किसी प्यासे व्यक्ति को बगैर पानी पिलाए नहीं भेजना चाहिए। हिंदू मान्यता के अनुसार जेठ के महीने में परिवार में बड़े पुत्र या फिर पुत्री का विवाह नहीं करना चाहिए। ज्येष्ठ माह में गर्मी पड़ती है और शरीर में जल स्तर गिरने लगता है। इस माह जल का सही इस्तेमाल करना चाहिए और बेकार में जल का व्यर्थ करने से बचना चाहिए।

हिंदू पंचांग का सर्वश्रेष्ठ माह होता है ज्येष्ठ

ज्येष्ठ मास शुभ

शास्त्रों में ज्येष्ठ मास को सभी मास में शुभ माना गया है। ज्येष्ठ के स्वामी मंगल है और मंगल ग्रह को ज्योतिष शास्त्र में साहस का प्रतीक माना गया है। सभी नवग्रहों में मंगल को सेनापति का दर्जा प्राप्त है। ज्येष्ठ मास भगवान विष्णु का प्रिय मास है। इस मास में भगवान विष्णु की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। भगवान विष्णु और उनके चरणों से निकलने वाली मां गंगा और पवनपुत्र हनुमान की पूजा का बहुत ज्यादा महत्व माना गया है। हिंदू धर्म में ज्येष्ठ मास में पड़ने वाले मंगलवार को बड़ा मंगल या फिर बुढ़वा मंगल के नाम से जाना जाता है। ज्येष्ठ मास में पड़ने वाले चार बड़ा मंगल की पूजा करने पर व्यक्ति को मनचाहा फल प्राप्त होता है।

जल का दान सबसे श्रेष्ठ

ज्येष्ठ मास में सबसे ज्याद गर्मी पड़ती है। इस महीने में जल का दान पुण्यदान माना गया है। इस माह में न सिर्फ आम लोगों को बल्कि पशु-पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए जल उपलब्ध कराना चाहिए। इससे भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है। जीवन में आने वाले कष्ट दूर होते हैं। ज्येष्ठ मास में प्याऊ लगाना, नल लगवाना और पोखर, तलाबों का सरंक्षण करना विशेष फलदायी माना गया है।

महत्व

हिंदू धर्म में ज्येष्ठ मास का विशेष महत्व भी बता गया है। माना जाता है कि इसी मास में गंगा का धरती पर अवतरण हुआ था। इसी के कारण इस मास, में गंगा दशहरा का पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन गंगा स्नान करने के बाद दान करने से व्यक्ति को हर तरह के पापों से मुक्ति मिल जाती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही इसी महीने में भगवान राम अपने परम भक्त हनुमान जी से मिले थे। इसके साथ ही ज्येष्ठ महीने में ही भगवान शनिदेव का जन्म भी हुआ था।

ज्येष्ठ माह व्रत त्यौहार

13 मई 2025: नारद जयंती, ज्येष्ठ माह प्रारंभ,
14 मई 2025: वृषभ संक्रांति
16 मई 2025: एकदन्त संकष्टी चतुर्थी
20 मई 2025: मासिक कालाष्टमी और मासिक कृष्ण जन्माष्टमी
23 मई 2025: अपरा एकादशी
24 मई 2025: शनि प्रदोष व्रत
25 मई 2025: मासिक शिवरात्रि
26 मई 2025: वट सावित्री व्रत, दर्श अमावस्या
27 मई 2025:, शनि जयंती, ज्येष्ठ अमावस्या, रोहिणी व्रत
29 मई 2025: महाराणा प्रताप जयंती
30 मई 2025: विनायक चतुर्थी
1 जून 2025: स्कन्द षष्ठी
3 जून 2025: धूमावती जयंती, मासिक दुर्गाष्टमी
4 जून 2025: महेश नवमी
5 जून 2025: गंगा दशहरा
6 जून 2025: निर्जला एकादशी, गायत्री जयंती
8 जून 2025: प्रदोष व्रत
10 जून 2025: वट पूर्णिमा व्रत, ज्येष्ठ पूर्णिमा व्रत
11 जून 2025: ज्येष्ठ पूर्णिमा स्नान और दान, कबीरदास जयंती

बड़े मंगल के दिन इन राशियों पर बरसेगी हनुमान जी की कृपा

बड़े मंगल का त्योहार हर वर्ष ज्येष्ठ माह के सभी मंगलवार को मनाया जाता है। इस खास अवसर पर भक्त भगवान श्रीराम और उनके परम भक्त हनुमान जी की पूजा-अर्चना करते हैं। साथ ही फल और मिठाई समेत आदि चीजों का भोग लगाते हैं।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, बड़े मंगल के दिन व्रत और पूजा करने से साधक को सभी संकटों से छुटकारा मिलता है। साथ ही सभी सुखों की प्राप्ति होती है। लेकिन क्या जानते हैं कि बड़े मंगल के दिन किन राशियों की किस्मत चमकने वाली और बजरंगबली की कृपा प्राप्त होती है।

मेष – बड़े मंगल के दिन मेष राशि के जातकों की सरकारी जॉब लग सकती है। एग्जाम में सफलता मिलेगी। इसके अलावा सेहतमंद रहेंगे। किसी काम में कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। साथ ही कारोबार में लाभ मिलेगा। गुस्से पर काबू रखें। बड़े भाई का प्यार मिलेगा। पूजा के समय हनुमान चालीसा का पाठ करें। इसके बाद लाल चीजों का दान करें।

वृश्चिक –वृश्चिक राशि के जातकों की सैलरी में वृद्धि होगी। सरकारी जॉब लगने के योग बनेंगे। कोई गुड न्यूज मिलेगी। सुबह स्नान करने के बाद सूर्य देव को जल अर्पित करें। पूजा के समय सच्चे मन से हनुमान चालीसा का पाठ करें और लाल रंग की चीजों का दान करें। मान्यता के अनुसार, हनुमान चालीसा का पाठ और दान करने से साधक को जीवन में कोई कमी नहीं होती है।

कब-कब है बड़ा मंगल

पहला बड़ा मंगल – 13 मई 2025
दूसरा बड़ा मंगल – 20 मई 2025
तीसरा बड़ा मंगल – 27 मई 2025
चौथा बड़ा मंगल – 2 जून 2025
पांचवा बड़ा मंगल – 10 जून 2025

हनुमान जी के मंत्र

* अतुलितबलधामं हेमशैलाभदेहम्
दनुजवनकृशानुं ज्ञानिनामग्रगण्यम् ।
सकलगुणनिधानं वानराणामधीशम्
रघुपतिप्रियभक्तं वातजातं नमामि।।
* ॐ ऐं ह्रीं हनुमते श्री रामदूताय नमः
* ऊँ नमो हनुमते रुद्रावताराय विश्वरूपाय अमितविक्रमाय
प्रकट-पराक्रमाय महाबलाय सूर्यकोटिसमप्रभाय रामदूताय स्वाहा।
* ऊँ नमो हनुमते रुद्रावताराय रामसेवकाय रामभक्तितत्पराय रामहृदयाय लक्ष्मणशक्ति भेदनिवावरणाय लक्ष्मणरक्षकाय दुष्टनिबर्हणाय रामदूताय स्वाहा।
* ऊँ नमो हनुमते रुद्रावताराय सर्वशत्रुसंहरणाय सर्वरोगहराय सर्ववशीकरणाय रामदूताय स्वाहा।
* ऊँ नमो हनुमते रुद्रावताराय देवदानवर्षिमुनिवरदाय रामदूताय स्वाहा।
* ऊँ नमो हनुमते रुद्रावताराय भक्तजनमनः कल्पनाकल्पद्रुमायं

शनि प्रकोप से बचाएंगे ये उपाय साथ ही दिलाएंगे मां लक्ष्मी की कृपा

हिंदू धर्म में शनिवार का दिन मुख्य रूप से शनि देव की आराधना के लिए समर्पित माना जाता है। इस दिन पर शनिदेव की आराधना करने वाले जातक को जीवन में अच्छे परिणाम मिलते हैं। इसी के साथ, जो लोग शनि की पीड़ा झेल रहे हैं, उनके लिए भी शनिवार का दिन एक उत्तम दिन है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप किस तरह शनि प्रकोप से बचे रह सकते हैं। इसके साथ ही आपको लक्ष्मी जी की कृपा भी मिल सकती है।

मिलेंगी लक्ष्मी जी की भी कृपा

शनिदेव को कर्मफल दाता भी कहा जाता है, क्योंकि वह व्यक्ति को उसके कर्मों के आधार पर दंड या शुभ फल देते हैं। शनि की पीड़ा से बचने का सबसे अच्छा उपाय यही है कि आप अपने कर्म ठीक रखें। अगर आप अच्छे कर्म करते रहेंगे, तो शनि प्रकोप से बचे रहेंगे। साथ ही आपको ऊपर धन की देवी मां लक्ष्मी की कृपा भी बनी रहेगी।

पीपल के पेड़ के उपाय

हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, पीपल के पेड़ में कई देवी-देवताओं का वास होता है। शनिदेव की कृपा प्राप्ति के लिए शनिवार की शाम को पीपल के नीचे घी का दीपक जला सकते हैं।

इसी के साथ पीपल के पेड़ की छाया में खड़े होकर एक लोहे के बर्तन में पानी, चीनी, घी और दूध मिलाएं। इसके बाद इसे पीपल के पेड़ की जड़ में अर्पित कर दें। ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि का माहौल बना रहता है।

शनि दोष से मिलेगी राहत

शनिवार के दिन शनिदेव के साथ-साथ हनुमान जी की आराधना करने से भी व्यक्ति को शनि की बाधा से राहत मिल सकती है। इसी के साथ आप शनिवार के दिन शनि मंदिर जाकर सरसों के तेल का दीपक जला सकते हैं। ऐसा करने से भी साधक शनि प्रकोप से बचा रहता है।

संकष्टी चतुर्थी पर सिद्ध योग समेत बन रहे हैं कई मंगलकारी संयोग, शुरू होंगे अच्छे दिन

वैदिक पंचांग के अनुसार, शुक्रवार 16 मई को एकदंत संकष्टी चतुर्थी है। यह पर्व ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन देवों के देव महादेव के पुत्र भगवान गणेश की पूजा की जाती है। साथ ही विशेष कामों में सिद्धि और सफलता पाने के लिए चतुर्थी का व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक के सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

ज्योतिषियों की मानें तो ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर कई शुभ और मंगलकारी योग बन रहे हैं। इन योग में भगवान गणेश की पूजा करने से साधक के जीवन में खुशियों का आगमन होगा। साथ ही भगवान गणेश की कृपा से शुभ कामों में सफलता मिलेगी।

एकदंत संकष्टी चतुर्थी

वैदिक पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 16 मई को सुबह 04 बजकर 02 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, 17 मई को सुबह 05 बजकर 13 मिनट पर चतुर्थी तिथि समाप्त होगी। उदया तिथि से 16 मई को एकदंत संकष्टी चतुर्थी मनाई जाएगी।

शिववास योग

ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर दुर्लभ शिववास योग का संयोग बन रहा है। शिववास योग रात भर है। इस योग का समापन 17 मई को सुबह 05 बजकर 13 मिनट पर होगा। इस दौरान देवों के देव महादेव कैलाश पर विराजमान रहेंगे।

सिद्ध योग

ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर सिद्ध योग का भी निर्माण हो रहा है। सिद्ध योग का संयोग सुबह 07 बजकर 15 मिनट तक है। इस योग में भगवान गणेश की पूजा करने से शुभ कामों में सफलता मिलेगी।

नक्षत्र और करण

ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर मूल एवं पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र का संयोग है। वहीं, बव एवं बालव करण के संयोग हैं। इन योग में भगवान गणेश की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी।

पंचांग

सूर्योदय – सुबह 05 बजकर 13 मिनट पर
सूर्यास्त – शाम 07 बजकर 06 मिनट पर
चंद्रोदय– रात 10 बजकर 39 मिनट से
चंद्रास्त– सुबह 07 बजकर 51 मिनट पर
ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 04 बजकर 06 मिनट से 04 बजकर 48 मिनट तक
विजय मुहूर्त – दोपहर 02 बजकर 34 मिनट से 03 बजकर 28 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त – शाम 07 बजकर 04 मिनट से 07 बजकर 25 मिनट तक
निशिता मुहूर्त– रात 11 बजकर 57 मिनट से 12 बजकर 38 मिनट तक

मूलांक 3 वाली लड़कियां होती हैं संस्कारी और स्वाभिमानी

अंक ज्योतिष में किसी व्यक्ति का मूलांक जानकर उसके भविष्य और जीवन के बारे में पता लगाया जा सकता है। जन्मतिथि के कुल योग को निकालकर अपना मूलांक देखा जा सकता है। अंक ज्योतिष के अनुसार, मूलांक 1 से लेकर 9 तक होते हैं। हर मूलांक के स्वामी ग्रह होते हैं। जिसका प्रभाव जातक के जीवन पर देखने को मिलता। साथ ही, किसी मूलांक के स्वामी ग्रह के अनुसार ही व्यक्ति के स्वभाव और भविष्य के बारे में भी जाना जा सकता है। आज हम आपको बताएंगे कि मूलांक 1 से मूलांक 9 के बीच में किस मूलांक की लड़कियों का जीवन शादी के बाद सदैव खुशहाल रहता है और अपनी खूबियों के चलते ये सास की लाडली बन जाती हैं।

अंक ज्योतिष के अनुसार, जिन लड़कियों का जन्म किसी भी महीने की 3, 12, 21 और 30 तारीख को हुआ हो उनका मूलांक 3 होता है। इन चार तारीखों पर जन्मे लोग अपने सिद्धांतों के पक्के होते हैं और उन्हीं पर चलना पसंद करते हैं। मूलांक 3 के स्वामी ग्रह गुरु होते हैं। ऐसे में गुरु का प्रभाव इनके जीवन पर देखने को मिलता है। इन लोगों को अपने आसपास के लोगों का ख्याल रखना बहुत अच्छा लगता है और इनका यही स्वभाव लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। 3, 12, 21 और 30 तारीख पर जन्मी लड़कियां स्वाभिमानी और संस्कारी होती है।

शादी के बाद सास की बन जाती हैं फेवरेट

मूलांक 3 वाली लड़कियों का जीवन विवाह के पश्चात बहुत अच्छा बीतता है। इन लोगों का स्वभाव और गुण इनकी सास को बहुत पसंद आता है। यही कारण है कि शादी के बाद 3, 12, 21 और 30 तारीख जन्मी लड़कियां अपनी सास की सबसे लाडली बहू बन जाती हैं। मूलांक 3 वाली लड़कियों का स्वभाव भी बहुत हंसमुख होता है और यह अपने जीवनसाथी से भी बहुत प्रेम करती हैं। ऐसे में इनका वैवाहिक जीवन बहुत खुशहाल रहता है और जीवनसाथी के साथ रिश्तों में बहुत कम लड़ाई-झगड़े होते हैं। मूलांक 3 वाली लड़कियां अपने बड़े-बुजुर्गों के बनाए नियमों का भी बहुत सम्मान करती हैं। बड़ों द्वारा बनाए गए नियमों के दायरे में ही रखकर यह कोई भी निर्णय लेना पसंद करती हैं।

ज्ञान प्राप्त करने और दूसरों को सलाह देना करती हैं पसंद

3, 12, 21 और 30 तारीख पर जन्मीं लड़कियां अनुशासन पसंद करती हैं और अपने परिवार वालों का बहुत अच्छी तरह ख्याल रखती हैं। साथ ही, इनका संबंध गुरु से होने के चलते ये जगह-जगह से ज्ञान प्राप्त करना पसंद करती हैं और किताबें पढ़ने में भी रुचि रखती हैं। अगर इनके पास को सलाह मांगने आ जाए, तो ये उससे भी पीछे नहीं हटती हैं। इन्हें दूसरों का सुझाव देना भी बहुत पसंद आता है। हालांकि, कई बार मूलांक 3 वाली लड़कियों को नई चीजें सीखने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। लेकिन ये धीरे-धीरे सब सीख जाती हैं और सफलता प्राप्त कर लेती हैं।

विराट कोहली के संन्यास पर बोले सितारे

दिलों पर आपका राज कभी खत्म नहीं होगा

भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद अब दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने भी सोमवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। उनके इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी। उनके इस फैसले के बाद सिर्फ आम क्रिकेट फैंस ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड सितारे भी दुखी हैं। विराट कोहली के संन्यास के ऐलान के बाद अभिनेता रणवीर सिंह ने कमेंट करते हुए उन्हें करोड़ों में एक बताया। साथ ही उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने लिखा, आप करोड़ों में एक, गो वेल किंग

नेहा धूपिया ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर विराट की द किंग रिटायर टैगलाइन के साथ एक तस्वीर पोस्ट की। साथ ही लिखा, एक राजा जिसका दिलों पर राज कभी खत्म नहीं होगा।

नेहा धूपिया के पति और एक्टर अंगद बेदी ने लिखा, यादें, आंसू, पसीने और आपने जो खून बहाया है, उसके लिए धन्यवाद। मैं 269 टेस्ट कैप को मैदान से जाते देखना चाहता था। टेस्ट क्रिकेट कभी भी वैसा नहीं रहेगा। यह लिखते समय मेरा गला रुंध रहा है, लेकिन आपने अपनी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए मानक बहुत ऊंचा कर दिया है। आपको व्यक्तिगत रूप से जानना और आपके करियर को इतने करीब से देखना अद्भुत रहा है। स्वस्थ रहिए, मेरे चीकू।

वहीं, एक्ट्रेस साहिबा बाली ने अपने पोस्ट में दिल को छू लेने वाली लाइन लिखी, अब तो इंग्लैंड सीरीज को बैकयार्ड क्रिकेट मान के खेल लो। बता दें कि विराट ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की जानकारी अपने पोस्ट के जरिए दी। उन्होंने लिखा, 14 साल पहले मैंने पहली बार टेस्ट क्रिकेट में कैप पहनी थी। ईमानदारी से कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह प्रारूप मुझे ऐसी यात्रा पर ले जाएगा। इसने मुझे परखा, मुझे गढ़ा और ऐसी सीख दी जो मैं जीवनभर साथ रखूंगा। सफेद जर्सी में खेलने में कुछ खास है। ये एक शांत, लंबा और धैर्य से भरा सफर होता है। ये छोटे-छोटे पल जो कोई नहीं देखता, लेकिन जो हमेशा आपके साथ रहते हैं। अब जब मैं इस फॉर्मेट से विदा ले रहा हूं, तो मन भारी है, लेकिन अंदर से सही लग रहा है। मैंने टेस्ट क्रिकेट को अपना सब कुछ दिया और इसने मुझे उससे कहीं ज्यादा लौटाया। कोहली ने पोस्ट में आगे लिखा, मैं कृतज्ञता से भरा हुआ हूं। इस खेल के लिए, उन सभी साथियों के लिए जिनके साथ मैंने मैदान साझा किया, और हर उस व्यक्ति के लिए जिन्होंने मुझे इस सफर में सराहा। हमेशा अपने टेस्ट करियर को मुस्कान के साथ याद करूंगा।

घबराई, उलझी थीं अनन्या, कुछ ऐसा था फिल्मी शुरुआत!

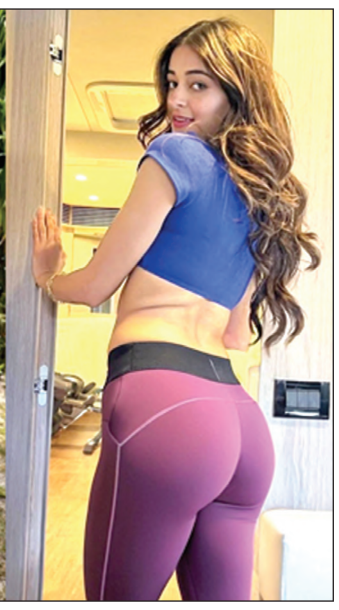

अनन्या पांडे बॉलीवुड की उभरती हुई अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने फिल्ममेकर करण जौहर की स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 के साथ अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी, यह फिल्म 10 मई 2019 को रिलीज हुई थी। अनन्या पिछले 6 साल से हिंदी सिनेमा पर राज कर रही हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि जब उन्होंने शुरुआत की थी, तब वह नर्वस थीं और खुद को लेकर असमंजस में थीं, लेकिन अब उन्हें कुछ नया आजमाने या जोखिम लेने से डर नहीं लगता। अनन्या ने कहा, मैं जब शुरू कर रही थी, तब मेरी उम्र 19 साल थी। मैं बहुत घबराई हुई थी, सपनों से भरी हुई थी और खुद को पहचानने की कोशिश कर रही थी। मैं यह समझने की कोशिश कर रही थी कि मैं कौन हूं, अपने व्यक्तित्व और करियर को लेकर थोड़ी उलझन में थी।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, अब, मुझे लगता है कि मैं खुद के एक ऐसे रूप में ढाल चुकी हूं जो कोशिश करने से, गिरने से, फिर उठने से और लोगों को चौंकाने से नहीं डरती। मैं अब भी सीख रही हूं। खुद को लगातार बेहतर बनाने की कोशिश कर रही हूं। उन्होंने कहा, मेरे पास हर सवाल का जवाब नहीं है, लेकिन मुझे पता है कि मैं खुद को बेहतर बनाते रहना चाहती हूं और ऐसे किरदार चुनना चाहती हूं जो मुझे चुनौती दें, मेरे भीतर उत्साह और घबराहट का एहसास जगाएं।

स्टूडेंट ऑफ़ द ईयर 2 का निर्देशन पुनीत मल्होत्रा ने किया। इस फिल्म में अनन्या पांडे के अलावा टाइगर श्रॉफ और तारा सुतारिया भी हैं। इन दोनों एक्टर्स ने भी इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। यह फिल्म 2012 में आई रोमांटिक कॉमेडी फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर का सीक्वल है, जिसके जरिए आलिया भट्ट, वरुण धवन और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 के बाद वह पति पत्नी और वो, खाली पीली, गहराइयां, लाइगर, ड्रीम गर्ल 2, खो गए हम कहां, जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में कैमियो भी किया। फिल्मों के अलावा, उन्होंने सीरीज 'कॉल मी बे' के जरिए ओटीटी भी कर चुकी हैं।

दर्शकों को पसंद आई भूमि पेडनेकर की दमदार परफॉर्मेंस बतौर सोफिया

भूमि पेडनेकर और ईशान खट्टर स्टारर द रॉयल्स ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। जहां एक ओर फैंस ईशान की तारीफ कर रहे हैं, वहीं भूमि की अब तक न देखी गई भूमिका एक साहसी एंटरप्रेन्योर सोफिया शेखर को लेकर लोग खासे प्रभावित नजर आ रहे हैं। इस किरदार में भूमि ने ग्लैमर से दूरी बनाते हुए एक परतदार लेकिन हल्के-फुल्के अंदाज को अपनाया है, और अपने प्रशंसकों के दिल जीतने में कामयाब रही हैं। द रॉयल्स में भूमि की एंट्री के बाद कई यूज़र्स ने कमेंट सेक्शन में उनकी परफॉर्मेंस और स्क्रीन प्रेज़ेंस की जमकर तारीफ की। एक यूज़र ने लिखा, भूमि पेडनेकर बतौर सोफिया वाकई सबसे बेहतरीन कास्टिंग थीं, तो दूसरे ने लिखा, भूमि ने इसमें कमाल कर दिया। एक और यूज़र ने लिखा, अगर कोई भूमि की एक्टिंग पर शक करता है, तो उसे ये सीन दिखाओ, क्या अदाकारा है, और एक ने लिखा, भूमि ने महिला आक्रोश को बेहद शानदार तरीके से पेश किया।

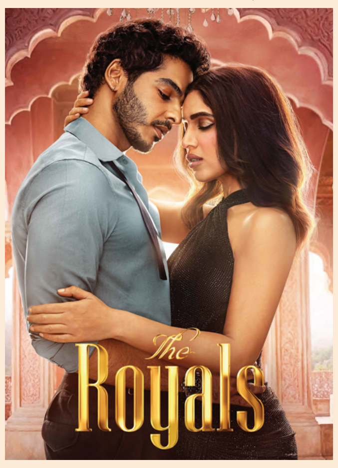

एक और कमेंट में लिखा था, भूमि पेडनेकर ने इस सीन को इतने अच्छे से निभाया, और एक और ने कहा,भूमि पेडनेकर की एक्टिंग ने वाकई मेरे होश उड़ा दिए। किसी ने लिखा, भूमि हर फ्रेम में कमाल की लग रही थीं, और किसी ने कहा, मेरा मतलब है, लड़की है ही भूमि वो कभी निराश नहीं करती। ऐसा लगता है कि भूमि की तारीफों की फेहरिस्त थमने का नाम ही नहीं ले रही! हमेशा की तरह, भूमि ने इस बार भी दर्शकों को अपनी परफॉर्मेंस से खूब प्रभावित किया है।

द रॉयल्स से अपना वेब सीरीज़ डेब्यू करते हुए, उन्होंने ये साबित कर दिया है कि वो हार्टलैंड सिनेमा और वेस्टर्न कमर्शियल फिल्मों के बीच बैलेंस बनाकर एक से बढ़कर एक परफॉर्मेंस देने के मिशन पर हैं। मेरे हसबंड की बीवी की तरह, वो बड़े पर्दे पर भी विविध किरदार निभा रही हैं और द रॉयल्स में उनका अभिनय यह दिखाता है कि वो परतदार भूमिकाएं चुनने में भी पीछे नहीं हैं। अब द रॉयल्स से सभी को चौंकाने के बाद भूमि अगली वेब सीरीज़ दलाल में नज़र आने वाली हैं, जिसमें वो एक पुलिस ऑफिसर का किरदार निभा रही हैं और यह अमेज़न प्राइम वीडियो की एक थ्रिलर सीरीज़ होगी।

अक्षय कुमार संग काम करने को लेकर डर गए थे सुनील शेट्टी

सुनाया पहली मुलाकात का किस्सा, बोले- आज तक नहीं भूला

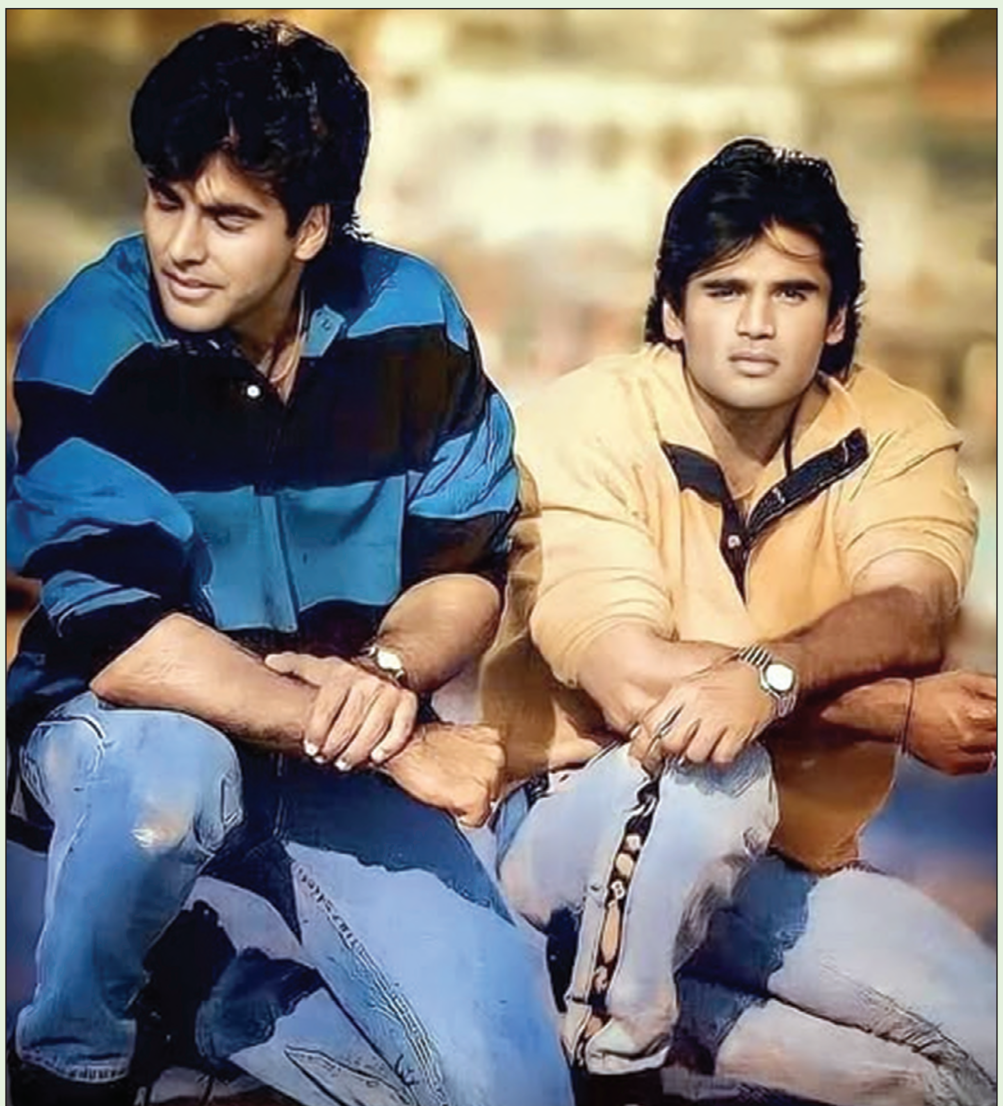

सुनील शेट्टी और अक्षय कुमार की काफी पुरानी दोस्ती है। दोनों ने 90 के दशक में करियर की शुरुआत की थी, और साथ में भी खूब फिल्में कीं। सुनील शेट्टी और अक्षय अब हेरा फेरी 3 में साथ नजर आएंगे। सुनील शेट्टी ने हाल ही एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि वह पहली मुलाकात के बाद अक्षय के साथ काम करने में डर गए थे। उन्हें वह मुलाकात आज भी याद है।

सुनील शेट्टी ने यह भी बताया कि अक्षय कुमार की शक्ल उनके कजन से मिलती है, जो अब इस दुनिया में नहीं है। उन्होंने बातचीत में अक्षय संग पहली मुलाकात का किस्सा शेयर किया।

सुनील शेट्टी की अक्षय कुमार संग पहली मुलाकात और उनका कजन

सुनील शेट्टी ने कहा, मैं उस पहली मुलाकात को कभी नहीं भूल सकता। मेरा एक कजन था जिसका नाम उल्लास था, वह पहला व्यक्ति था, जिसने मेरी तस्वीरें भेजीं और मुझे मेरा पहला मॉडलिंग असाइनमेंट मिला। लेकिन एक कार एक्सीडेंट में उसकी मौत हो गई। वह मुश्किल से 27-28 साल का था।

अक्षय को देख बोले थे- तुम मुझे मेरे भाई की याद दिलाते हो

एक्टर ने आगे बताया, जब मैंने अक्षय कुमार को देखा, तो एक पल के लिए मुझे लगा कि उसकी बॉडी लैंग्वेज बिल्कुल वैसी ही है, क्लीन शेव्ड लुक, अच्छा दिखने वाला लड़का और लंबा। पहली बात जो मैंने अक्षय से कही, वह यह थी कि तुम मुझे मेरे भाई की याद दिलाते हो, जिसे मैंने एक एक्सीडेंट में खो दिया।

इसलिए अक्षय संग काम करने से डरे थे सुनील शेट्टी

मैंने उससे यह भी कहा कि यह डरावना है कि मुझे हर दिन तुम्हारे साथ बैठकर काम करना पड़ता है क्योंकि जब भी मैं तुम्हें देखूंगा, मुझे उसकी (कजन) याद आएगी। और, ठीक यही हुआ। जब एक रात हम काफी देर तक बैठे, तो उसने माहौल को हल्का कर दिया। अक्षय से बड़ा मस्तीखोर कोई नहीं है इस दुनिया में।सुनील शेट्टी ने अक्षय के साथ हेरा फेरी, फिर हेरा फेरी, मोहरा, धड़कन और पहचान जैसी फिल्मों में काम किया। सुनील अभी फिल्म केसरी वीर में नजर आएंगे, जिसमें विवेक ओबेरॉय और सूरज पंचोली भी हैं। यह 23 मई को रिलीज होगी।

तमिल अभिनेता विशाल स्टेज पर अचानक गश खाकर गिरे, अस्पताल में भर्ती

मशहूर तमिल अभिनेता विशाल रविवार रात को अचानक स्टेज पर बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती करना पड़ा है। विशाल तमिलनाडु के विल्लुपुरम में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में पहुंचे थे। उन्हें तुरंत नजदीक के अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। इस बीच कार्यक्रम में मौजूद उनके फैंस में हायतौबा मच गई है। सोशल मीडिया पर भी एक्टर के चाहने वाले परेशान और चिंता में नजर आ रहे हैं।

विशाल, कूवगम गांव में तमिल महीने के उत्सव से जुड़े कार्यकम में मुख्य अतिथि बनकर पहुंचे थे। रविवार रात को कार्यक्रम में ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए मिस कूवगम 2025 नाम के ब्यूटी कॉन्टेस्ट का आयोजन किया गया था। बताया जाता है कि स्टेज पर मौजूद विशाल अचानक गश खाकर गिर पड़े। उन्हें स्टेज पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया, जिसके बाद उन्हें होश आ गया।

इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री के. पोनमुडी भी मौजूद थे। उन्होंने तमिल सुपरस्टार विशाल को जरूरी मेडिकल सुविधा देने का आश्वासन दिया है। हालांकि, इस घटना ने एक्टर के स्वास्थ्य को लेकर सभी को चिंतित कर दिया है। इसी साल जनवरी में विशाल को डेंगू हुआ था। अपनी फिल्म माधा गज राजा के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान भी फैंस को विशाल की तबीयत ठीक नहीं लग रही थी। वह वायरल फीवर से पीड़ित होने के बावजूद कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट का वीडियो क्लिप सोशल मीडिया भी खूब वायरल हुआ था, जिसमें विशाल को माइक पकड़े हुए कांपते हुए देखा गया। हालांकि, बाद में विशाल की टीम ने फैंस को बताया कि वह बुखार से परेशान थे और अब ठीक हैं। विशाल की तरफ से बयान जारी करते हुए तब टीम ने कहा था, 'मुझे हाल ही में एक सामान्य बुखार हुआ था और अब मैं पूरी तरह से ठीक हो गया हूं। ऐसी झूठी अफवाहें थीं कि मैं तीन या छह महीने तक काम नहीं कर पाऊंगा, लेकिन इनमें से कोई भी सच नहीं है।'

13 साल की देरी से रिलीज हुई विशाल की फिल्म माधा गज राजा

जानकारी के लिए बता दें कि विशाल की फिल्म माधा गज राजा इसी साल 12 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। सुंदर सी. के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 2012 में ही बनकर तैयार हो गई थी। लेकिन वित्तीय और कानूनी समस्याओं के कारण तब रिलीज नहीं हो पाई थी। फिल्म में विशाल के साथ अंजलि और वरलक्ष्मी सरथकुमार भी हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

यह आपके बच्चों के हितों को हानि पहुँचा सकता है। जो लोग दुग्ध उद्योग से जुड़े हैं उन्हें आज आर्थिक लाभ होने की प्रबल संभावना है। आपका लापरवाह रवैया आपके माता-पिता को दुःखी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। आज प्यार के नज़रिए से दिन काफ़ी विवादास्पद रहेगा। चीज़ें कार्यक्षेत्र में बेहतर नज़र आती हैं। पूरे दिन आपका मिज़ाज बढ़िया रहेगा। आज आपके करीबी लोग आपके करीब आने की कोशिश करेंगे लेकिन अपने मन को शांत बनाए रखने के लिए आप एकांत में समय बिताना पसंद करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज अपने बच्चों का विशेष ख्याल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। अगर आप खुले दिल से अपनी बात रखें, तो आपकी मोहब्बत आज आपके सामने प्यार के फ़रिश्ते के रूप में आएगी। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। वैवाहिक जीवन में कई उतार-चढ़ाव के बाद एक-दूसरे के प्यार को सराहने का यह सही दिन है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपकी दिलचस्प रचनात्मकता आज घर के वातावरण को सुखद बनाएगी। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज अपने प्रेमी की याद सता सकती है। ख़ास तौर पर तब जब दूसरे आपका विरोध करें, जिसकी कामकाज के दौरान संभावना है। अपने व्यक्तित्व और रंग-रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। आपका जीवनसाथी हाल में हुई खटपट को भुलाकर अपने अच्छे स्वभाव का परिचय देगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपने स्वास्थ्य को लेकर ज़्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इस समय जो समस्याएँ आपको झेलनी पड़ रही हैं, वे क्षणिक हैं और समय के साथ वे ख़ुद-ब-ख़ुद ख़त्म हो जाएंगी। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। वक्त से बढ़कर कुछ नहीं होता।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप घूमने-फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे- लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। जिन लोगों के साथ आप रहते हैं वे आपसे बहुत ख़ुश नहीं होंगे, चाहे आपने इसके लिए कुछ भी क्यों न किया हो। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है। अपने जीवनसा-थी के किसी काम की वजह से आप कुछ शर्मिन्दगी महसूस कर सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। आपकी स्वच्छन्द जीवनशैली घर में तनाव पैदा कर सकती है, इसलिए देर रात तक बाहर रहने और ज़्यादा ख़र्च करने से बचें। नए कामों को पूरा करने में महिला सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। आपका व्यक्तित्व ऐसा है कि ज्यादा लोगों से मिलकर आप परेशान हो जाते हैं और फिर अपने लिए वक्त निकालने की कोशिश करने लग जाते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपने व्यक्तिगत जीवन से थोड़ा समय निकालकर दान-पुण्य के कामों में कुछ समय लगाएँ। इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी, लेकिन इसके लिए अपनी निजी ज़िंदगी को दरकिनार न करें। आपको दोनों पर ही बराबर ध्यान देने की ज़रूरत है। आज आपके और आपके प्यार के बीच कोई आ सकता है। कुछ सहकर्मी कई अहम मुद्दों पर आपकी कार्यशैली से नाख़ुश होंगे, लेकिन यह वे आपको बताएंगे नहीं। अगर आपको लगता है कि परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं आ रहे हैं, तो अपनी योजनाओं का फिर से विश्लेषण कर उनमें सुधार लाना बेहतर रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका लापरवाह रवैया आपके माता-पिता को दुःखी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज अपने प्रेमी की याद सता सकती है। कामकाज के मामले में आज आपकी आवाज़ पूरी तरह सुनी जाएगी। यात्रा और शिक्षा से जुड़े काम आपकी जागरुकता में वृद्धि करेंगे। कोई पुराना दोस्त आपके और आपके जीवनसाथी की साझा यादों को तरोताज़ा कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

घर की छोटी-छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। ऐसे काम करें जिनसे आपको ख़ुशी मिले, लेकिन दूसरों के मामलों में दख़लअंदाज़ी से बचें। यदि कोई समस्या है तो उसे टालें नहीं, बल्कि जल्दी-से-जल्दी उसका समाधान ढूंढने की कोशिश करें। अगर आपको लगता है कि कुछ लोगों की संगति करना आपके लिए ठीक नहीं है और उनके साथ रहकर आपका समय बर्बाद होता है तो उनका साथ आपको छोड़ देना चाहिए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दिन की शुरुआत में ही आज आपको कोई आर्थिक हानि हो सकती है जिससे सारा दिन खराब हो सकता है। जीवनसाथी आपका ख़याल रखेगा। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। काम को मनोरंजन के साथ न मिलाएँ। आज आपको अपने कामों को समय पर निपटाने की कोशिश करनी चाहिए। ख्याल रखें कि घर पर आपका कोई इंतजार कर रहा है जिसको आपकी जरुरत है। जीवनसाथी के ख़राब स्वास्थ्य की वजह से आपका कामकाज प्रभावित हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपमें से कुछ लोगों को आज महत्वपूर्ण फ़ैसला लेने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है, जिससे आप तनावग्रस्त और चिंतित हो सकते हैं। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम-काज के हिसाब से अच्छा दिन है। आपको अपनी रसिक कल्पनाओं पर अधिक ग़ौर करने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि संभव है कि वे आज सच हो जाएँ। अपना बायोडाटा भेजने या किसी इंटरव्यू में जाने के लिए अच्छा समय है। कोई धार्मिक ग्रंथ पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ जो आपके हालात और ज़रूरतों को समझते हैं। कोई आपको प्यार से दूर नहीं कर सकता है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। आपका संगी आपसे सिर्फ कुछ समय चाहता है लेकिन आप उनको समय नहीं दे पाते जिससे वो खिन्न हो जाते हैं। आज उनकी यह खिन्नता स्पष्टता के साथ सामने आ सकती है। आपको महसूस होगा कि आपका वैवाहिक जीवन बहुत ख़ूबसूरत है।

आज का पंचांग

दिनांक : 13 मई 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 12:38 तक
नक्षत्र : विशाखा प्रातः 09:09 तक
योग : वरियान रात्रि 05:51 तक
करण : बालव प्रातः 11:35 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:34 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:30 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:37 , सूर्यास्त 06:30 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : ज्येष्ठ मास आरंभ

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की जनसुनवाई, कहा

परिवेदनाओं के निस्तारण में कोताही नहीं होगी बर्दाश्त

जयपुर, 12 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सुशासन के उच्चतम मानकों के अनुरूप अधिकारी-कर्मचारी आमजन की परिवेदन-ाओं पर कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि आमजन की संतुष्टि ही हमारा प्रमुख ध्येय है।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने आमजन से व्यक्तिशः जनसंवाद करते हुए उनकी प्रत्येक समस्या को गंभीरता से सुना और अधिकारियों को इनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ना केवल समस्याओं का समाधान करना है, बल्कि प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए गुड गवर्नेंस का बेहतरीन मॉडल स्थापित करना है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण को सूचीबद्ध करने के साथ ही उनका फॉलोअप सुनिश्चित करने और परिवादियों को सूचित करने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जो कार्मिक आमजन की परिवेदन-ाओं के निस्तारण में लापरवाही बरते, उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, कार्मिक अगर सेवानिवृत्त हो गया है, तो उस स्थिति में उनकी पेंशन भी रोकी जाए।

शर्मा ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिताए ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, कृषि, गृह, राजस्व, सिंचाई, परिवहन, पशुपालन, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, मनरेगा, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों से संबंधित परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया। इस अवसर पर आमजन और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

व्यापारी के घर डेढ़ करोड़ की लूट नौकर समेत तीन आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 12 मई (एजेंसियां)। जयपुर के विद्याधर नगर इलाके में हार्डवेयर-सेनेटरी बिजनेसमैन के घर हुई डेढ़ करोड़ की सनसनीखेज लूट के मामले में पुलिस ने घरेलू नौकर और उसके दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने 3 मार्च को घर में अकेली मौजूद मकान मालकिन ज्योति अग्रवाल के हाथ-पैर बांध दिए और विरोध करने पर चाकू से हमला कर हीरे-जवाहरात और कीमती घड़ियां लूट ली थीं। वारदात के बाद आरोपी नेपाल भाग गए थे, जहां वे यात्रियों से मोबाइल मांगकर पुलिस की निगाह से बचने की कोशिश कर रहे थे। गिरफ्तार आर-ोपी : इंद्रजीत कुमार गुप्ता (29), अशोक मंडल (25), राधेश्याम मंडल (29), (तीनों बिहार के मधुबनी जिले के निवासी)।

पुलिस ने यूपी के आगरा और बिहार में दबिश देकर तीनों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी (नॉर्थ) राशि डोगरा डूडी के अनुसार, आरोपियों पर 25,000 का इनाम घोषित किया गया था। गिरफ्तार किए गए आरोपियों से करीब 601 ग्राम डायमंड जड़ित सोने के आभूषण और दो महंगी घड़ियां बरामद की गई हैं।

विद्याधर नगर के अंबाबाड़ी में रहने वाले देवेंद्र अग्रवाल की हार्डवेयर और सैनेटरी की दुकान न्यू आतिश मार्केट में है। 3 मार्च की शाम को जब वे दुकान पर थे, तभी घर में एक दिन पहले रखा गया नया घरेलू नौकर अशोक मंडल अपने दो साथियों को लेकर पहुंचा। घर में अकेली मौजूद ज्योति अग्रवाल को पहले बांध दिया, मुंह में कपड़ा ठूंस दिया और फिर चाकू से हमला कर करीब 1.50 करोड़ रुपये के जेवर और कीमती वस्तुएं लूट लीं।लूट के बाद तीनों आरोपी पहले लखनऊ और फिर बिहार गए। वहां से नेपाल भाग गए, जहां उन्होंने खुद के मोबाइल बंद कर दिए और राहगीरों व यात्रियों से मोबाइल मांगकर संपर्क में रहते रहे ताकि पुलिस की पकड़ में न आएं। लेकिन पुलिस की तकनीकी टीम लगातार ट्रैकिंग में लगी रही। नेपाल में उनकी गतिविधियों की जानकारी मिलते ही उन्हें भारत लौटने पर दबोच लिया गया।

जोधपुर-दिल्ली के बीच पहली बार वंदे भारत स्पेशल ट्रेन

जोधपुर, 12 मई (एजेंसियां)। भारत के रेल यात्री अनुभव में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है, क्योंकि 12 मई 2025 को जोधपुर से दिल्ली के बीच पहली बार वंदे भारत सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन का संचालन किया गया। यह ट्रेन दिल्ली की ओर चलने वाली ट्रेनों में अतिरिक्त यात्री भार के मद्देनज़र शुरू की गई है, जिससे यात्रियों को अधिक सुविधा और आराम मिलेगा। इस नई ट्रेन सेवा के तहत 9 प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव होगा और यह यात्रा केवल 9 घंटे में पूरी की जाएगी।

जोधपुर से दिल्ली के बीच यह वंदे भारत ट्रेन सोमवार को दोपहर 2:50 बजे जोधपुर से रवाना होगी और रात 11:55 बजे दिल्ली पहुंचेगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर डीआरएम, अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि जयपुर-दिल्ली की ओर जाने वाली नियमित ट्रेनों में अतिरिक्त यात्री भार देखा जा रहा था, जिसके कारण इस विशेष ट्रेन की आवश्यकता महसूस की गई।

ईंट भट्टों व ऑयल मिल में बिजली चोरी पकड़ी

जयपुर, 12 मई (एजेंसियां)। सतर्कता शाखा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सतर्कता) महेन्द्र कुमार शर्मा के निर्देशन में उपासना सिंह, सहायक अभियंता (सतर्कता) ने सोमवार 12 मई को जयपुर ग्रामीण के राडावास व चौमूं क्षेत्र में गहन सतर्कता जांच कार्यवाही की गयी। मौके पर ईंट भट्टों व ऑयल मिल में 7 जगहों पर विद्युत का अनाधिकृत उपभोग करते हुए, धडल्ले से विद्युत चोरी की जा रही थी, जिस पर विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 135 के तहत कार्यवाही करते हुए फोटोग्राफ्स लिये जाकर, 7 वीसीआर भरकर लगभग 17 लाख 80 हजार का जुर्माना लगाया गया है।

ऑयल मिल में विद्युत चोरी का एक मामला पकड़ा, जिसमें निजामुद्दीन तेली, सामोद (चौमूं) के विरूद्ध वीसीआर नं. 159509 भरी जाकर 3 लाख 71 हजार का जुर्माना लगाया गया। इसके परिसर में स्थापित बिजली मीटर में डिवाईस लगी हुई पायी गयी एवं रिमोर्ट से मीटर को बन्द कर विद्युत चोरी किया जाना पाया गया। इन उपभोक्ताओं को नियमानुसार नोटिस जारी कर दिये गये है। उपभोक्ताओं द्वारा जुर्माना राशि तय समय में जमा नहीं करवायी जाती है तो विद्युत चोरी निरोधक पुलिस थाने पर मुकदमा दर्ज करवाया जावेगा। टीम द्वारा मौके से सभी विद्युत मीटरों व केबिल को जब्त कर, विद्युत कनेक्शनों को काट दिये गये हैं।

संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों पर संसद में विस्तृत चर्चा जरूरी : सैलजा

सिरसा, 12 मई (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों पर संसद की चर्चा होनी चाहिए ऐसे में जल्द से जल्द विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए। पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और युद्ध विराम पर चर्चा करना लोगों और उनके प्रतिनिधियों के लिए बहुत जरूरी है। यह आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित करने का भी एक अवसर होगा। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री को भेजा गया पत्र विपक्ष की सर्वसम्मत भावनाओं को दर्शाता है। अत्यंत गंभीर और संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों पर संसद में विस्तृत चर्चा आवश्यक है। यह देश की लोकतांत्रिक परंपरा, सुरक्षा नीति और जनता के प्रति हमारी जवाबदेही का हिस्सा है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार इन विषयों पर चुप्पी साधे हुए है, जबकि देश चिंतित है और स्पष्टता चाहता है। जनता को सच जानने का अधिकार है, और संसद इसका सर्वोच्च मंच है। विपक्ष देशहित में एकजुट होकर इस विशेष सत्र की मांग कर रहा है, और यदि सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखती है, तो उसे तत्काल संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए।

कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस पहलगाम में हुए अमानवीय आतंकवादी हमले के मद्देनजर संसद के दोनों सदनों का एक विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध पहले भी कर चुकी है। नवीनतम घटनाक्रमों के मद्देनजर लोकसभा में विपक्ष के नेता ने आपको फिर से पत्र लिखकर सभी विपक्षी दलों की सर्वसम्मत मांग से अवगत कराया है कि पहलगाम आतंकवाद, ऑपरेशन सिंदूर और पहले वाशिंगटन डीसी और बाद में भारत और पाकिस्तान की सरकारों द्वारा की गई युद्धविराम की घोषणाओं पर चर्चा करने के लिए संसद का एक विशेष सत्र बुलाया जाए।

भारतीय सेना की कार्रवाई तारीफ के काबिल : कृष्ण कुमार बेदी

करनाल, 12 मई (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने केंद्र सरकार के मजबूत नेतृत्व और भारतीय सेना की कार्रवाइयों की जमकर सराहना की। 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, भारतीय सेना ने जिस मजबूती के साथ आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया और आतंकवाद को संरक्षण देने वाले पाकिस्तान को घुटनों पर लाने का काम किया, वह काबिल-ए-तारीफ है। भारतीय सेना और देश के नेतृत्व ने यह साबित कर दिया कि हमारी ताकत अडिग है।

उन्होंने आगे कहा कि यदि पाकिस्तान भविष्य में कोई और हमला करता है, तो उसका अंजाम उसे भुगतना होगा। देश में इस वक्त मजबूत नेतृत्व है और हमारी सेना भी अभूतपूर्व रूप से सशक्त है।सीजफायर के बाद कांग्रेस नेताओं की ओर से संसद सत्र बुलाने की मांग पर बेदी ने कहा, कांग्रेस का मांग रखना उनका अधिकार है और यह जायज है। देश के प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर जरूर चिंता करेंगे और उचित कदम उठाएंगे। बेदी ने भारतीय सेना और केंद्र सरकार की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए किए गए प्रयासों का हर नागरिक को सम्मान करना चाहिए।

नागरिकों से अपील की कि वे देश की सेना और नेतृत्व पर भरोसा रखें।उन्होंने कहा कि हमारी सेना और नेतृत्व ने बार-बार साबित किया है कि वे देश की सुरक्षा के लिए हर चुनौती का सामना करने में सक्षम हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सीजफायर को लेकर कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच हुई लड़ाई का विश्लेषण करना जरूरी है।

एटीएम को तोड़े बिना चोरों ने उड़ाए 10 लाख

गुरुग्राम, 12 मई (एजेंसियां)। दिल्ली-जयपुर हाइवे पर स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम से 10 लाख रुपये चोरी होने का मामला सामने आया है। चोरों ने बिना एटीएम को तोड़े वारदात को अंजाम दिया। चोर कैश के अलावा एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर, बैटरी, हार्ड डिस्क, पीसी कोर व चेस्ट लॉक भी चोरी कर ले गए। सदर थाना पुलिस ने बैंकों के एटीएम की देखरेख करने वाली कंपनी के वकील की शिकायत पर केस दर्ज किया है। फिलहाल चोरों का पता नहीं लग सका है।

बैंकों के एटीएम के रखरखाव का काम करने वाली कंपनी की ओर से एडवोकेट गौरव कुमार बैंसला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि एक्सिस बैंक का एक एटीएम गुड़गांव में रिको ऑटो इंडस्ट्रीज 38 किमी स्टोन दिल्ली-जयपुर हाइवे पर लगा हुआ है।

जल निकासी पर दिया जाए विशेष ध्यान

ड्रेनों और माइनर की सफाई व गहराई की जाए सुनिश्चित : सैनी

चंडीगढ़, 12 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आगामी मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए राज्यभर में चल रही अल्पकालिक परियोजनाओं की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून से पहले सभी आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने आज यहां सिंचाई एवं जल संसाधन, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी तथा शहरी स्थानीय निकाय विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्देश दिए कि राज्य में सभी ड्रेनों और माइनरों की तत्काल सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि बारिश के दौरान किसी भी प्रकार की जलभराव या बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न न हो।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरस्वती नदी, मारकंडा नदी और टांगरी नदियों की भी डिसिल्टिंग करके गहराई सुनिश्चित करते हुए रिवर बेड को सुदृढ़ किया जाए, जिससे जलधाराओं का प्राकृतिक प्रवाह बना रहे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ड्रेनों आदि में जलकुंभी उगते हैं, उनकी तुरंत सफाई करवाई जाए, ताकि जल प्रवाह में कोई बाधा उत्पन्न न हो। साथ ही, सभी बांधों की पूर्व जांच की जाए और यदि कहीं भी कोई कमी या क्षति पाई जाती है तो उसे समय रहते ठीक किया जाए। उन्होंने कहा कि मानसून से पहले सभी अल्पावधि कार्यों को युद्धस्तर पर पूरा किया जाए और सिंचाई एवं जल संसाधन व जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी स्थानीय जन प्रतिनिधियों और संबंधित उपायुक्त को भी दी जाए।राज्य में खालों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेशभर में 20 वर्ष से पुराने खालों की सूची तैयार की जाए, ताकि उनकी सफाई व मरम्मत की कार्य योजना बनाई जा सके।

मुख्यमंत्री ने यमुना नदी को प्रदूषण मुक्त रखने के लिए विशेष दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि यमुना नदी में किसी भी प्रकार का गंदे पानी का नाला न गिराया जाए। उन्होंने कहा कि जहां-जहां इंडस्ट्रियल वेस्ट नदी में प्रवाहित हो रहा है, वहां तुरंत सीईटीपी (कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट) की स्थापना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि संबंधित शहरों में सीईटीपी परियोजनाओं के लिए विस्तृत प्रस्ताव तैयार किए जाएं।उन्होंने कहा कि सीईटीपी से निकलने वाले शुद्ध जल का उपयोग सिंचाई जैसे कार्यों में भी किया जा सके, इसके लिए एक अलग व्यवस्था की जाए।मुख्यमंत्री ने मानसून से पहले सभी वाटर हार्वेस्टिंग और वाटर रिचार्जिंग स्ट्रक्चरों की सफाई और सुदृढ़ीकरण के निर्देश भी दिए, ताकि वर्षा जल का अधिकतम संचयन और भूजल स्तर को बेहतर बनाने के प्रयास सफल हो सकें। बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत करवाया गया कि हरियाणा राज्य सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की बैठक में 282 करोड़ रुपए की लागत की 209 अल्पावधि परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी। इनमें से 103 परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है और शेष परियोजनाएं अनुमोदन के विभिन्न चरणों में हैं। बैठक में जानकारी दी गई कि 30 जून तक सभी ड्रेनों की सफाई का कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव विकास गुप्ता और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के आयुक्त एवं सचिव मोहम्मद शाइन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

'हम शांति जानते हैं और क्रांति भी'

बुद्ध की धरती से कटिहार की महिलाओं का पाक को दो टूक जवाब

कटिहार (एजेंसियां)। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर कटिहार जिले में एक अनोखा नजारा देखने को मिला। गन्ध बनिक समाज द्वारा आयोजित भव्य कलश यात्रा के दौरान आस्था, श्रद्धा और देशभक्ति का संगम हुआ।

इस मौके पर महिलाओं ने पारंपरिक परिधान में सिर पर कलश लेकर माता गंधेश्वरी की पूजा की और एक विशेष संदेश दिया।

खासतौर पर पाकिस्तान को महिलाओं ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हम बुद्ध की धरती से हैं। हम शांति भी जानते हैं और क्रांति भी। हम किसी को छेड़ते नहीं, लेकिन अगर कोई हमें छेड़े तो हम उसे छोड़ते नहीं। यह बयान ऐसे समय में आया है। जब पाकिस्तान की ओर से

संघर्ष विराम के बावजूद बार-बार उकसावे की घटनाएं सामने आ रही हैं।

भारत की संस्कृति शांति और सद्भाव की प्रतीक रही है। महात्मा बुद्ध ने इसी भूमि से विश्व को शांति और करुणा का संदेश दिया था। लेकिन कटिहार की इन महिलाओं ने साफ कर दिया की शांति की चाहत भारत की कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत है। जरूरत पड़ने पर देश की हर महिला, हर नागरिक देश की रक्षा के लिए खड़ा है। जबकि महिलाओं के साथ पुरुष भी उनके सुर में सुर मिलाते हुए बोले कि पाकिस्तान की तिरछी नजर हमेशा भारत पर रहती है। ऐसे में हम अमन तो चाहते हैं, लेकिन युद्ध की नौबत आए तो देश का हर नागरिक सरहद पर जाने को तैयार है।

गन्ध बनिक समाज की यह कलश यात्रा धार्मिक परंपराओं के निर्वहन से कहीं अधिक बन गई है। इसमें देशभक्ति का जज्बा भी देखने को मिला। महिलाओं की यह आवाज अब पूरे जिले में चर्चा का विषय बन गई है। यह आयोजन यह भी दर्शाता है कि भारत की नारियां न केवल धार्मिक रीति रिवाज पर निभाती हैं, बल्कि देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी पूरी तरह समझती हैं। जब बात देश की गरिमा की आती है, तो वह किसी भी योद्धा से कम नहीं।

दोस्त की शादी से लौट रहे बाइक सवारों को ट्रैक्टर ने रौंदा, दो की दर्दनाक मौत

एक की हालत नाजुक

मुंगेर (एजेंसियां)। जमुई में सोमवार को एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में एक युवक और एक किशोर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक और युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

जमुई बरहट थाना क्षेत्र के मलयपुर लक्ष्मीपुर मुख्य सड़क पर सोमवार को एक तेज रफ्तार और बेकाबू ट्रैक्टर ने बाइक सवार तीन युवकों को टक्कर मार दी। यह हादसा बिशनपुर माणुसघट्टा पुल के पास हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दो लोगों 18 साल के सौरभ कुमार और 15 साल के उनके चचेरे भाई आयुष उर्फ गोलू की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 19 साल का प्रिंस कुमार, जो आयुष का बड़ा भाई है, गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल प्रिंस को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर होने पर उसे पटना रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि तीनों युवक बरियारपुर गांव में अपने दोस्त की शादी से लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ।

हादसे की खबर मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल को अस्पताल पहुंचाया और शवों को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू की। घटना की खबर जैसे ही बसमता गांव पहुंची, वहां मातम फैल गया और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। मलयपुर थाना के अवर निरीक्षक डीके सिंह ने बताया कि पीड़ितों के बयान पर केस दर्ज कर लिया गया है और ट्रैक्टर चालक की तलाश की जा रही है।

बुद्ध पूर्णिमा पर सीएम नीतीश कुमार ने अनुराधापूरम के विशेष वृक्ष की पूजा की

पटना (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज भगवान बुद्ध की जयंती के अवसर पर बुद्ध स्मृति पार्क में आयोजित विशेष कार्यक्रम में भगवान बुद्ध की पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री को बौद्ध भंते द्वारा बुद्ध स्मृति पार्क में प्रतिस्थापित बुद्ध की प्रतिमा, बोधगया का बोधिवृक्ष, आनंद बोधि वृक्ष तथा लंका के अनुराधापूरम से लाये गए वृक्ष की पूजा अर्चना करायी गई।

मुख्यमंत्री ने बुद्ध स्मृति पार्क स्थित पाटलिपुत्र करुणा स्तूप में भगवान बुद्ध की पवित्र अस्थि के सामने भगवान बुद्ध की पूजा अर्चना की, परिक्रमा की और ध्यान किया। उन्होंने बौद्ध भिक्षुओं के साथ बैठकर विश्व शांति के लिए मंगल कामना की तथा राज्य एवं देश की सुख, समृद्धि एवं अमन चैन की कामना की।

मुख्यमंत्री ने विपश्यना केंद्र जाकर वहां की सारी व्यवस्थाओं की जानकारी ली और वहां ध्यान भी किया। विपश्यना केंद्र के संचालकों ने विपश्यना केंद्र के निर्माण एवं वहां उपलब्ध करायी

जानेवाली सुविधाओं को लेकर मुख्यमंत्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन सह संसदीय कार्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, नगर विकास एवं आवास मंत्री जीवेश कुमार, सांसद संजय कुमार झा, सांसद देवेश चन्द्र ठाकुर, पटना की महापौर मती सीता साहू, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पटना प्रमंडल के आयुक्त मयंक वरबड़े, पटना के जिलाधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह, नगर आयुक्त अनिमेश परासर, पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक अवकाश कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारीगण, बौद्ध भंते एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 1 अणे मार्ग स्थित आवास पहुंचकर बौद्ध शिला तथा बोधिवृक्ष की पूजा अर्चना की तथा राज्य एवं देश की सुख, समृद्धि एवं अमन चैन की कामना की।

बिहार में लू के हालात : कई जिलों में यलो अलर्ट जारी

अगले चार दिनों तक मौसम में नहीं होगा बदलाव

पटना (एजेंसियां)। राजधानी में बढ़ते गर्मी को देखकर लोगों की परेशानी बढ़ गई हैं। बढ़ते गर्मी की वजह गर्म पछुआ हवा का बहना है जिस वजह से दिन और रात गर्म रह रहा है। सामान्य से अधिक तापमान होने के कारण बिहार के कई जिलों में लू के हालात बने हुए हैं। इस संबंध में मौसम विज्ञान केंद्र पटना ने अगले 24 घंटों के दौरान पटना सहित आठ जिलों के भागलपुर, बांका, गोपालगंज, शेखपुरा, पूर्वी व पश्चिम चंपारण एवं छपरा एवं जिले में लू को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। शेष जिलों में गर्म और आर्द्र दिन को लेकर चेतावनी है। पछुआ के कारण प्रदेश का मौसम बने रहने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अगले चार दिनों तक मौसम में किसी तरह के कोई बदलाव होने के आसार नहीं हैं।

बढती गर्मी को देखकर पटना डीएम ने विद्यालयों के समय को

बदल दिया है। नये आदेश के अनुसार अब विद्यालय का संचालन सुबह 6:30 या 7:00 बजे से शुरू होकर 11:30 बजे तक ही चलेगी। यह आदेश आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए भी लागू किया गया है। सुबह 11:30 बजे के बाद कक्षाओं के लिए शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रतिबंध 17 मई तक जारी रहेगा। जिला प्रशासन ने सभी स्कूलों को इसका शक्ति से पालन करने का निर्देश दिया है। विद्यालयों में समय का बदलाव सोमवार से किया गया है।

खगड़िया में प्राइवेट स्कूल सुबह 7 से दोपहर 1 तक संचालित किये जा रहे हैं, जबकि सरकारी स्कूल सुबह 6.30 से दोपहर 13.30 तक चलाए जा रहे हैं। नालंदा में सरकारी स्कूल 6:30 बजे से 12:30 बजे तक स्कूल का समय है। गोपालगंज में सरकारी विद्यालय में 6:30 बजे से 12:30 बजे तक स्कूल का समय है।

आज बुद्धपूर्णिमा को लेकर सरकारी स्कूल में छुट्टी है। निजी स्कूल में छुट्टी के बाद फोटो भेजा जाएगा। मुजफ्फरपुर में 12 मई से 17 मई तक स्कूल की शैक्षणिक गतिविधि 11:30 बजे तक ही चलेंगे। अधिक तापमान के कारण बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है जिसे देखते हुए जिला दंडाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने मुजफ्फरपुर जिला के सभी निजी /सरकारी विद्यालयों (प्री- स्कूल' आंगनबाड़ी केंद्रों सहित) में अब पूर्वा. 11:30 के बाद सभी तरह की कक्षाओं के लिए शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया है। यह आदेश 12 मई से 17 मई तक मुजफ्फरपुर जिला में प्रभावी रहेगा।

वैशाली में फिलहाल सरकारी विद्यालयों का समय सुबह 6:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक किया गया है। गया में 6:30 बजे से 12:30 बजे तक स्कूल का समय किया गया है। मधुबनी में स्कूल 7:00 से 12:30 बजे तक था, जिसे अब 6.30 बजे कर दिया गया है, जो 12.00 तक संचालित होंगी। भागलपुर जिला प्रशासन के निर्देश पर 12-17 मई तक सभी स्कूलों की शैक्षणिक गतिविधियों को 12.30 से घटाकर 11.30 बजे कर दिया गया है। वहीं औरंगाबाद में विद्यालय 11:30 बजे तक संचालित किये जा रहे हैं।

नवविवाहिता ने शादी के 6 दिन बाद फांसी लगाकर दी जान

नवादा (एजेंसियां)। नालंदा जिले से एक दुखद खबर सामने आई है, जहां एक नवविवाहिता ने शादी के सिर्फ 6 दिन बाद फांसी लगाकर जान दे दी। यह घटना रविवार को राजगीर थाना क्षेत्र के ठाकुर स्थान मोहल्ले में हुई। मृतका की पहचान 21 साल की डॉली कुमारी के रूप में हुई है, जिनकी शादी 5 मई को अरुण कुमार से हुई थी।

घटना के वक्त घर के सभी लोग खेत में काम करने गए हुए थे। डॉली के ससुर संजय यादव ने बताया कि वे सब खलिहान गए थे, लेकिन जब शाम को लौटे तो बहू को फंदे से लटका हुआ पाया। इसके बाद तुरंत पुलिस और डॉली के मायके वालों को जानकारी दी गई। जांच में पता चला है कि डॉली नालंदा के खुदागंज थाना क्षेत्र के बौरी डीह गांव की रहने वाली थीं। उनके पिता अखिलेश यादव ने कुछ दिन पहले ही उनकी शादी अरुण कुमार से कराई थी। अरुण, संजय यादव का बड़ा बेटा है। घटना के समय वह मवेशियों के लिए चारा लाने खेत गया हुआ था।

राजगीर थाना प्रभारी रमन कुमार ने बताया कि शुरुआती जांच में ऐसा लग रहा है कि डॉली अपनी शादी से खुश नहीं थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया।

देर शाम तक डॉली के परिजन उनके शव के पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल पहुंच गए थे। परिवार के लोग आत्महत्या की वजह को लेकर कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। जैसे ही आवेदन मिलेगा, आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, पुलिस इस दुखद घटना की गहराई से जांच कर रही है ताकि यह पता चल सके कि डॉली ने आत्महत्या क्यों की।

भीषण अग्निकांड में 50 घर जले, 7 गैस सिलिंडर ब्लास्ट, प्रशासन पर अनदेखी का लगा आरोप

मुंगेर (एजेंसियां)। बेगूसराय में भीषण अग्निकांड से पूरा मोहल्ला तबाह हो गया। तेघड़ा थाना क्षेत्र के मधुरापुर दक्षिणबाड़ी टोला में आग लगने से 50 से अधिक घर जलकर राख हो गए। मधुरापुर दक्षिण टोले में स्थित आगलगी के स्थान पर अधिकतर जले घर दलित परिवारों का फूस का घर सहित लाखों का सामान जलकर राख हो गया। घटना की सूचना पर पहुंची पांच अग्निशामक गाड़ियां घटना स्थल पर आग पर काबू पाया। इस दौरान ग्रामीणों के सहयोग से लगभग तीन घंटे के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग की लपटें देखते ही ग्रामीणों में चीख पुकार मच गई। हालांकि आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। बताया जा रहा है आग इतनी भयावह थी कि लोग जबतक कुछ समझ बुझ पाते गैस के सिलिंडर फटने लगे।

भीषण आवाज के साथ एक के बाद एक करके 7 गैस सिलिंडर ब्लास्ट करने की बात बताई जा रही है।

आग लगने के बाद लोगों ने प्रशासन पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए शोर मचाते रहे। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार फोन करने के बाद दमकल पहुंची। पहला दमकल पहुंचने पर पता चला कि उसमें पानी ही कम है। कई लोगों ने यह आरोप लगाया कि इतनी बड़ी घटना में एसडीएम, बीडीओ या कोई अन्य अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचना मुनासिब नहीं समझा। कई ग्रामीणों ने बताया कि प्रखंड कार्यालय में दमकल रहते हैं। लेकिन तीन किलोमीटर की दूरी पर रहने के बाद भी एक घंटे बाद दमकल की गाड़ियां पहुंची। बाद में सीओ ने घटनास्थल पर पहुंचकर अगलगी का जायजा लिया।

ग्रामीणों की नाराजगी थी कि अग्निशन के कर्मी प्रशिक्षित नहीं लग रहे थे। कई स्थानीय ग्रामीणों द्वारा पाइप पकड़कर आग बुझाने का काम कर रहे थे।

ग्रामीणों ने बताया कि लगभग पचास से साठ घर में करीब 20 से 30 लाख की संपत्ति जलकर नष्ठ हो गए। इसमें कई परिवारों का स्वर्ण आभूषण सहित नकदी भी जलकर नष्ट होने की बात कही जा रही है। सीओ रविशंकर ने बताया कि पूछ ताछ की जा रही है। तत्काल अग्निपीड़ितों को रहने और खाने की व्यवस्था करने किया जा रहा है। साथ ही तत्काल उपलब्ध व्यवस्था मुहैया कराया जा रहा है।

वृद्ध की मौत पर गुस्साए ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

जहानाबाद (एजेंसियां)। जहानाबाद बिहार शरीफ सड़क मार्ग पर एक वृद्ध व्यक्ति की धक्का लगने से मौत हो गई। इस घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया और काफी देर तक हंगामा किया। जानकारी के अनुसार, वृद्ध व्यक्ति की मौत अज्ञात वाहन की चपेट में आने से हुई है। मृतक रामाश्रय यादव उर्फ विधायक पेशे से किसान थे और समाज में सक्रिय थे, इसीलिए लोग उन्हें विधायक भी कहते थे। वे 70 साल के थे और सड़क पार करते समय तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आ गए। इस हादसे के बाद ग्रामीणों में गुस्सा है और उन्होंने सड़क जाम कर दिया।

घटना से नाराज ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग करते हुए जहानाबाद-नालंदा सड़क मार्ग एनएच-33 को जाम कर दिया। यह घटना काको थाना क्षेत्र के बरबट्टा गांव के पास हुई। मृतक की पहचान 70 वर्षीय रामाश्रय यादव उर्फ विधायक के रूप में की गई, जो पेशे से किसान थे। घटना के बारे में बताया जाता है कि मृतक किसान सड़क पार कर अपने घर जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। रविवार रात को हुए इस हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग करते हुए सड़क जाम कर दिया, जिसके कारण वाहनों की लंबी कतार लग गई। ग्रामीणों का कहना है कि यह घटना एक अनियंत्रित बाइक सवार की वजह से हुई है, जिसे पुलिस ने पकड़ लिया और बाइक जब्त कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और लोगों को समझा-बुझाकर जाम को खत्म किया। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। पुलिस अधिकारी ने ऑफ कैमरा जानकारी दी कि सड़क हादसे में एक वृद्ध की मौत हो गई है। ग्रामीणों ने एक बाइक जब्त कर पुलिस को सौंप दी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com